@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 26 मई 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 195 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

लालू यादव ने तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी से निकाला

कौमी पत्रिका
सी.चन्द्रा

पटना, 25 मई। पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तेज प्रताप यादव को राष्ट्रीय जनता दल से निकाल दिया गया। राजद सुप्रीमो और तेज प्रताप के पिता लालू यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यह एलान किया। उन्होंने तेज प्रताप को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने लिखा, निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है। लालू प्रसाद यादव ने आगे लिखा कि अपने निजी जीवन का भला -बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सावर्जनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद। दरअसल, शनिवार शाम तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया (फेसबुक) अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हुआ था। इसमें तेज प्रताप एक लड़की के साथ दिख रहे थे। इसमें लिखा गया था कि मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहें हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं.... ? इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं!

हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं, अनावश्यक बयानबाजी से बचें: पीएम मोदी

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 25 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने एकजुटता का प्रदर्शन किया है। राजग के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों ने ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों के पराक्रम और पीएम मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए प्रस्ताव पारित किया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बैठक की जानकारी दी। वहीं, बैठक के दौरान पीएम मोदी ने पार्टी के नेताओं के लिए कुछ जरूरी निर्देश भी दिए। पीएम मोदी ने रविवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की अहम बैठक की अध्यक्षता की। सूत्रों के अनुसार, कुछ पार्टी नेताओं के अनर्गल बयानों से नाराज पीएम ने टो-टूक शब्दों में कहा कि सार्वजनिक जीवन में वाणी की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है। हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं होता है। गैरजरूरी टिप्पणियां पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने यह हिदायत हाल ही में विजय शाह, जगदीश देवड़ा, रामचंद्र जांगड़ा जैसे पार्टी नेताओं के पहलगाम नरसंहार और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर की गई विवादित बयानबाजी पर दी। कांग्रेस समेत विपक्ष ने इन भाजपा नेताओं के बयानों को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा और देश से माफी मांगने की मांग की। बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई। एनडीए के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाति गणना पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह उनकी सरकार के उस मॉडल की दिशा में एक कदम है, जिसके तहत वे हाशिए पर पड़े लोगों और हर क्षेत्र में पिछड़े लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाएंगे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आत्मनिर्भरता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियों की पुष्टि भी है, जिसमें स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता भी दुनिया ने देखी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्यों को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जुड़े साहसिक, समावेशी और दूरदर्शी विजन दस्तावेज तैयार करने चाहिए, जो स्थानीय वास्तविकताओं पर आधारित होने

चाहिए। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बैठक की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इ्छ का सीएम कॉन्क्लेव हुआ। इस कॉन्क्लेव में दो प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं, आगे जातिगत जनगणना पर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि हम जातिगत राजनीति नहीं करते लेकिन वंचित, पीड़ित, शोषित और दलित जो लोग छूट गए हैं, उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का काम करते हैं। यह समाज की आवश्यकता है। जातिगत जनगणना के माध्यम से हम इसे देखते हैं और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समाज की आवश्यकता है। जाति जनगणना के माध्यम से हम इसे देखते हैं और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। बैठक में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी गई। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा था कि यह सेना का शौर्य है।

हिंदू समाज की एकता से शक्तिशाली और धर्मनिष्ठ बनेगा भारत: मोहन भागवत

कौमी पत्रिका
कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 25 मई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू समाज की एकता पर जोर देते हुए कहा है कि भारत को इतना शक्तिशाली बनाया जाए — सैन्य ताकत और आर्थिक रूप से — कि दुनिया की कई ताकतें मिलकर भी उसे जीत न सकें। उनका कहना है कि केवल ताकत से कुछ नहीं होगा, बल्कि शक्ति के साथ-साथ सद्गुण और धर्मनिष्ठा भी जरूरी है। अगर शक्ति के साथ नैतिकता न हो तो वह अंधी ताकत बन सकती है जो हिंसा फैला सकती है। यह इंटरव्यू आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में छपा है। यह बातचीत करीब दो महीने पहले बंगलूरू में हुई संघ की शीर्ष बैठक (अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा) के बाद ली गई थी। मोहन भागवत ने कहा, हमारी

सीमाओं पर बुरी ताकतें लगातार सक्रिय हैं। हमें मजबूरी में ताकतवर बनना पड़ेगा ताकि हम अपनी रक्षा खुद कर सकें। हम दूसरों पर निर्भर नहीं रह सकते। उन्होंने दैनिक संघ प्रार्थना का जिक्र करते हुए कहा, हम प्रार्थना करते हैं- अजय्यं च विश्वस्य देहि मे शक्ति — यानी ऐसी शक्ति दो कि हम विश्व में अजेय बनें। उन्होंने साफ किया कि ताकत अकेले काम नहीं आएगी, बल्कि उसे धर्म और सदाचार के साथ जोड़ना होगा। सिर्फ बल हो और कोई दिशा न हो, तो वह हिंसक बन जाता है। इसलिए बल और धर्म दोनों साथ-साथ होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई विकल्प न हो, तो दुष्ट शक्तियों का खात्मा बलपूर्वक करना ही पड़ता है। हम ये ताकत दुनिया पर राज करने के लिए नहीं चाहते, बल्कि इसलिए कि हर कोई शांति, स्वास्थ्य और सम्मान से जी सके। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया में कहीं भी अगर हिंदुओं पर अत्याचार होता है, तो उनके लिए काम किया जाएगा — लेकिन अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए। भागवत ने बताया कि बांग्लादेश में जब हाल में हिंदुओं पर अत्याचार हुआ, तो भारत में लोगों ने जिस तरह नाराजगी जाहिर की, वह पहले कभी नहीं देखा गया। अब बांग्लादेश के हिंदू भी कहने लगे हैं कि हम भागेंगे नहीं, अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आने वाले 25 वर्षों में संगठन का संकल्प है — पूरे हिंदू समाज को एक करना और भारत को विश्वगुरु बनाना। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि वह अपने निजी, पारिवारिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में धार्मिक मूल्यों को अपनाए, जो हिंदुत्व से जुड़े हों। भागवत ने आगे कहा कि कृषि, औद्योगिक और वैज्ञानिक क्रांतियां हो चुकी हैं। अब दुनिया को धार्मिक क्रांति की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां धर्म से मतलब किसी मजहब से नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, पवित्रता, करुणा और तपस्या के आधार पर पुनर्गठित करने से है।

कोरोना और इन्फ्लूएंजा को लेकर हिमाचल प्रदेश में अलर्ट

शिमला, 25 मई। देशभर में कोरोना के मामले आने के बाद प्रदेश सरकार ने हिमाचल में भी अलर्ट जारी किया है। मेडिकल कालेजों सहित जिला अस्पतालों को निकट भविष्य में कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा के मामले को रोकने के लिए कड़ी निगरानी और उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों में बिस्तर, ऑक्सीजन आपूर्ति, वेंटिलेटर, बीआईपीएपी मशीन, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, पीएसए संयंत्र, एंटीबायोटिक्स, आवश्यक दवाएं सहित अस्पताल के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के भी निर्देश दिए गए हैं। हिमाचल नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) की ओर से जारी गाइडलाइन के मुताबिक ओपीडी और आईपीडी में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) मामलों की रिपोर्टिंग आईएचआईपी - आईडीएसपी पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित करने को कहा गया है। इन्फ्लूएंजा और कोरोना के पुष्ट मामलों के लिए भी एल फॉर्म उपयोग कर रिपोर्ट करना होगा। स्वास्थ्य संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोरोना के सैंपल (यदि रिपोर्ट किए गए हैं) को संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण के लिए मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला आईएनएसएसीओजी यानी माइक्रो बायोलॉजी विभाग एसएलबीएसडीएमसी नेरचौक भेजने होंगे। वेरिएंट का पता लगाने के लिए मंडी या एनआईवी पुणे प्रयोगशाला स्थापित की गई। यदि किसी भी मामले की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो उससे संबंधित जानकारी भारतीय जिला और राज्य निगरानी इकाइयों के साथ साझा की जानी चाहिए। बुजुर्गों और कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों में संक्रमण का खतरा अधिक हो सकता है।

जातिगत जनगणना विभाजनकारी नहीं: किशोर मकवाना

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 25 मई। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने जातिगत गणना से समाज में खाई पैदा होने के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि एकत्र किए गए आंकड़े नीतिगत निर्णय लेने में आधार के रूप में काम आएंगे। इससे सामाजिक न्याय को मजबूती मिलेगी। आयोग के मुखिया ने कहा कि इससे हाशिए पर पड़े पिछड़े समुदायों के उत्थान में मदद मिलेगी। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की ओर से अगली जनगणना में जातिगत गणना को शामिल किए जाने का मकवाना ने स्वागत कहा है। उन्होंने कहा कि 2011 से उलट इस बार, निश्चित आंकड़े उपलब्ध होंगे जिससे कल्याणकारी योजनाओं तक आनुपातिक पहुंच सुनिश्चित को सकेगी। यूपीए सरकार ने 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना करवाई थी, जो 1931 के बाद से देश भर में जाति के आंकड़े एकत्र करने की पहली कोशिश थी। हालांकि, 2011 की जनगणना के जातिगत आंकड़े कभी भी पूरी तरह से जारी या उपयोग नहीं किए गए। जातिगत जनगणना से सांप्रदायिक विभाजन पैदा होने की चिंताओं को खारिज करते हुए मकवाना ने कहा, इससे जाति के आधार पर कोई विभाजन पैदा नहीं होगा। बल्कि, इससे सामाजिक न्याय मजबूत होगा। उन्होंने कहा,

यह पिछड़ी जातियों का उत्थान करेगा और अनुसूचित जाति समुदाय के लिए बाबासाहेब अंबेडकर के सपने के सभी तीन पहलुओं - सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक- को मजबूत करेगा। एनसीएससी अध्यक्ष ने कहा कि जाति जनगणना से सटीक आंकड़े मिलेंगे। इससे मुद्रा योजना जैसी योजनाओं के लाभार्थियों को बेहतर तरीके सुविधाएं दी जा सकेंगी। उन्होंने कहा, इससे यह सुनिश्चित होगा कि जो लोग वंचित रह गए हैं, उन्हें अंततः उनका हक मिले। मकवाना ने साफ किया कि एनसीएससी सीधे तौर पर गणना प्रक्रिया में शामिल नहीं होगी, लेकिन जनगणना के बाद नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, डेटा संग्रह में हमारी कोई भूमिका नहीं है। लेकिन डेटा सामने आने के बाद, आयोग की यह सुनिश्चित करने में भूमिका होगी कि अनुसूचित जातियों को अनुपात के आधार पर उनका उचित हिस्सा मिले। इस लिहाज से, यह सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय की सराहना करते हुए एनसीएससी अध्यक्ष ने कहा कि जाति जनगणना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समाज के अंतिम व्यक्ति के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने कहा, यह निर्णय उस दृष्टिकोण को आगे ले जाता है। जो लोग पीछे रह गए थे, वे अब सशक्त होंगे। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़ों से कल्याणकारी योजनाओं तक आनुपातिक पहुंच सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा, निश्चित जनसंख्या डेटा के साथ, समुदायों को वह मिलेगा जिसके वे हकदार हैं। अभी, अनुमान के आधार पर लाभ दिए जा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया में संजय झा ने खोली पाकिस्तान की पोल

कौमी पत्रिका
तेजिन्दर कौर बब्बर

सियोल, 25 मई। भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर रहे हैं। सात अलग-अलग दलों में शामिल 51 सांसदों के अलावा कई राजनयिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री और नौकरशाह भी इन शिष्टमंडलों में शामिल हैं। दहशतगर्दों के पनाहगाह पाकिस्तान और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को बेनकाब करने के लिए ये प्रतिनिमंडल विदेश में अलग-अलग कार्यक्रम कर रहे हैं। इसी क्रम में संजय झा के नेतृत्व वाला सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दक्षिण कोरिया पहुंचा है। यहां सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जेडीयू सांसद संजय झा ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की। साथ ही उसे आतंकवाद की फैक्ट्री करार दिया। कोरिया गणराज्य की राजधानी सियोल में भारतीय समुदाय से वार्ता करते हुए संजय झा ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को साफ किया। उन्होंने कहा कि भारत ने आतंक से निपटने के लिए नया नियम बनाया है। उन्होंने कहा कि अब भारत का रुख जैसे को तैसा वाला है। भारत के सभी दल एक साथ कह रहे हैं कि यह नया भारत है...अगर आप हमें मारेंगे, तो हम आपको वापस मारेंगे। इस दौरान संजय झा ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के शौर्य की कहानी भी बताई। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान आतंकवादी ढांचे पर इतनी

सटीकता से हमला किया गया कि पाकिस्तान की तरफ एक भी नागरिक नहीं मारा गया। वहीं आतंकवाद के प्रति अपना समर्थन जताते हुए पाकिस्तान ने ड्रोन के जरिए भारत पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने हमारे नागरिकों, मंदिरों और गुरुद्वारों पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन इसमें वे सफल नहीं हुए। आतंकवाद के खिलाफ पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का रुख बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत के लोगों ने अब अपना मन बना लिया है कि हम न केवल आतंकवादियों बल्कि आतंकवाद को पोषित और वित्तपोषित करने वालों को भी खत्म कर देंगे। पाकिस्तान में कोई फैक्ट्री नहीं है, वहां केवल आतंकवाद की फैक्ट्री है। संजय झा ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारतीय राजनीतिक दलों के बीच एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ किसी भी समस्या खासतौर पर आतंकवाद के खिलाफ पूरा भारत एक साथ है। भारतीय प्रवासियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आप भारत के सभी क्षेत्रों से बहुदलीय प्रतिनिधियों को देख सकते हैं। इसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसद हैं, लेकिन हम सभी एक ही संकल्प के साथ एक साथ आए हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में कैसे 26 लोग मारे गए। पाकिस्तान ऐसी आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। प्रधानमंत्री और पूरे देश ने कहा कि अब बहुत हो गया। हमारी सरकार ने फैसला किया कि सात प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में जाएंगे ताकि दुनिया को यह संदेश जाए कि सभी भारतीय एक साथ हैं और सभी दल वैचारिक मतभेदों से परे आतंकवाद के खिलाफ एक साथ लड़ रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने भी भारत की प्रतिक्रिया की सटीकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमने आतंकवादी शिविरों को छोड़कर पाकिस्तान के किसी भी क्षेत्र पर हमला नहीं किया। अगर उन्होंने हम पर हमला नहीं किया होता, तो हम वहीं रुक जाते। जब उन्होंने हम पर हमला किया, तो हमने उन अड्डों को ही ध्वस्त कर दिया, जिनका उपयोग वे हम पर हमला करने के लिए कर रहे थे। इसलिए हमने उनके हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया। भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान को स्पष्ट रूप से उसकी औकात का पता चल गया। इसलिए बाद में उन्होंने कहा कि कृपया इसे रोकें। संघर्षविराम भले हो गया हो लेकिन हमें सावधान रहना होगा। यही कारण है कि सरकार ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, बल्कि आतंक के खिलाफ यह जारी रहेगा। इससे पहले, जेडी(यू) सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में भारत के सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के समूह 3 ने सियोल में भारतीय दूतावास में कोरिया गणराज्य में भारत के राजदूत अमित कुमार के साथ बैठक की थी।

भारत में आईफोन बनाने पर एपल को धमका रहे ट्रंप

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 25 मई। जहां एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एपल को भारत में आईफोन का विनिर्माण नहीं करने के लिए धमका रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके देश के आंकड़े मेक इन अमेरिका की पोल खोल रहे हैं। अमेरिकी सरकार की वाणिज्य विभाग की रिपोर्ट पर गौर करें तो अमेरिका की बड़ी कंपनियां से देश के भीतर न के बराबर उत्पाद बना रही है। आंकड़ों के अनुसार वहां की 9 बड़ी कंपनियां अपने 80 फीसदी से अधिक उत्पाद अमेरिका से बाहर बनाती है या बाहरी देशों से खरीदती है। विभाग के आंकड़े बताते हैं कि पूरी दुनिया पर शेखी बघारने वाला अमेरिका करीब 425 लाख करोड़ रुपये से अधिक के उत्पाद और सेवाएं, जो भारत की पूरी जीडीपी से भी करीब 32% अधिक है, आयात करता है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2002 में अमेरिका के लोग अपने देश में बने हुए 77% उत्पाद का इस्तेमाल करते थे। लेकिन, 2023 तक आते-आते यह आंकड़ा घटकर महज 46% रह गया। रिपोर्ट के अनुसार 90% से अधिक इलेक्ट्रिक सामान, 50% दवाएं, 75% कपड़े और 60% घरेलू उपयोग की वस्तुओं के लिए अमेरिकियों को आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। हालांकि, कोरोनाकाल के बाद से अमेरिका में देसी उत्पादों को बढ़ावा देने का चलन बढ़ा है। सरकार ने भी अमेरिका के भीतर ही वस्तुओं के विनिर्माण पर जोर दिया है। लेकिन इस राह का

सबसे बड़ा अड़चन है, अमेरिका की भारी-भरकम श्रम लागत। अमेरिका में प्रति घंटे की न्यूनतम मजदूरी भारतीय रुपये में करीब 3,207 रुपये है, जो चीन के 116 रुपये की तुलना में काफी ज्यादा है। यही कारण है कि सरकार की पहल में शामिल होने के बावजूद करीब 300 से अधिक कंपनियां अपने उत्पाद अमेरिका में नहीं बना पा रही। दुनिया की सबसे मूल्यवान अमेरिकी कंपनियों से एक एपल अपने 29 लाख करोड़ रुपये से अधिक का उत्पाद कम लागत के कारण चीन, भारत और वियतनाम जैसे देशों में बनाती है। इसमें 1.87 लाख करोड़ रुपये का विनिर्माण भारत में होता है। दूसरी ओर, एपल अपने 80% आईफोन, 55% आईपैड और 80% मैकबुक चीन में असेंबल करवाती है। वहीं, 65% एयरपॉड और 90% एपल वॉच का विनिर्माण ताइवान में होता है। एपल के उत्पादन में ताइवान की हिस्सेदारी करीब 2 से 5 फीसदी है तो ब्राजील और थाईलैंड में भी एपल का 1-1% विनिर्माण होता है। गूगल भी अपने 60% से 70% फोन चीन, 20 से 30% वियतनाम और 10% भारत में बनाती है। अमेरिका में एक फोन नहीं तैयार होता। देश के बाद एक साल में कंपनी का उत्पादन करीब 4 हजार करोड़ रुपये का है। टेस्ला की बात करें तो लगभग 55% उत्पाद चीन, 10% जर्मनी और शेष 35% अमेरिका में बनते हैं। कंपनी आने वाले दिनों में भारत में उत्पादन करना चाहती है। टेस्ला के राजस्व में बाहर से बने उत्पादों की हिस्सेदारी 4.25 लाख करोड़ रुपये में ज्यादा है। चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया का भी यही हाल है। 60 से 70 प्रतिशत जीपीयू और अन्य उत्पाद चीन और ताइवान के भरोसे ही तैयार हो रहा है। 5 से 10 फीसदी उत्पादन दक्षिण कोरिया में होता है। लगभग 5 से 10% ही उत्पाद कंपनी खुद के देश में बनाती है। सालाना करीब 10.20 लाख करोड़ रुपये के उत्पाद देश के बाहर तैयार होता है। जूते बनाने वाली कंपनी नाइकी भी अपना 50% उत्पादन वियतनाम, 20% चीन, 20% इंडोनेशिया, 5-10% थाईलैंड में करती है। कंपनी अपनी एक से पांच फीसदी उत्पाद अमेरिका में बनाती है। बाहर बनने वाले उत्पादों का कुल मूल्य 4.33 लाख करोड़ रुपये है। जॉनसन एंड जॉनसन अपने 40% उत्पाद अमेरिका में बनाती है। शेष 30% यूरोप, 15% चीन और 10% भारत उत्पाद भारत में तैयार होता है। कंपनी के बाहर बने उत्पादों कुल मूल्य 3.23 लाख करोड़ रुपये है। प्रॉक्टर एंड गेंबल भी अपने अधिकतर उत्पाद चीन, यूरोप, फिलीपींस, थाईलैंड और भारत में बनाती है।

बांग्लादेश के दो चिकन नेक सिलीगुड़ी से भी ज्यादा असुरक्षित: सरमा

गुवाहाटी, 25 मई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को एक अहम बयान में कहा कि जो लोग बार-बार भारत को उसके चिकन नेक कॉरिडोर यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर को लेकर धमकाते हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि बांग्लादेश के पास भी ऐसे दो चिकन नेक हैं, जो भारत की तुलना में कहीं ज्यादा संवेदनशील और कमजोर हैं। भारत का चिकन नेक, जिसे सिलीगुड़ी कॉरिडोर कहा जाता है, एक संकरा भूभाग है जिसकी चौड़ाई लगभग 22 से 35 किलोमीटर है। यही रास्ता भारत के मुख्य हिस्से को उसके पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। इसी कॉरिडोर के जरिए सेना, जरूरी सामान और नागरिक यातायात पूर्वोत्तर तक पहुंचता है। मुख्यमंत्री सरमा के अनुसार, बांग्लादेश के पास दो ऐसे भूभाग हैं जो उनकी भौगोलिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी हैं। उत्तर बांग्लादेश कॉरिडोर- यह 80 किलोमीटर लंबा है। जो भारत के दक्षिण दिनाजपुर से लेकर बांग्लादेश के साउथ वेस्ट गारो हिल्स तक फैला है। यदि इस रास्ते में कोई भी बाधा आती है, तो रंगपुर डिवीजन (बांग्लादेश का उत्तर-पश्चिमी इलाका) देश के बाकी हिस्से से पूरी तरह कट सकता है। चिटगांव कॉरिडोर- यह केवल 28 किलोमीटर चौड़ा है। जो भारत के दक्षिण त्रिपुरा से होते हुए बंगाल की खाड़ी तक जाता है। सीएम सरमा के अनुसार, यह बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी (चिटगांव) और राजनीतिक राजधानी (ढाका) को जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। अगर इस कॉरिडोर में कोई रुकावट आती है, तो देश की आर्थिक और राजनीतिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं। सरमा ने साफ कहा कि उनका मकसद किसी को धमकाना नहीं है, बल्कि यह भौगोलिक सच्चाई लोगों को याद दिलाना है। उन्होंने एक्स पर लिखा, मैं केवल वो भूगोलिक तथ्य बता रहा हूं जिन्हें लोग भूल जाते हैं। जैसे भारत के पास सिलीगुड़ी कॉरिडोर है, वैसे ही हमारे पड़ोसी देश के पास भी दो ऐसे संकरे और संवेदनशील कॉरिडोर हैं।

आपरेशन सिंदूर से भयभीत पाकिस्तान बढ़ाएगा अपना रक्षा बजट

इस्लामाबाद। आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमलों से भयभीत पाकिस्तान अब अपने रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी करेगा। पाकिस्तान के योजना मंत्री अहसन इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान की रक्षा के लिए रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी जरूरी है। योजना मंत्री इकबाल ने कहा है कि यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है कि वित्त वर्ष 2025-26 के आम बजट में रक्षा बजट में भारी बढ़ोत्तरी की जाए। इससे सेना जरूरी साजो-सामान खरीद सके, जिनकी उन्हें जरूरत है। भारत का बिना नाम लिए उन्होंने इस्लामाबाद में कहा कि हमारा पड़ौसी काफी खतरनाक है, जिसने रात के अंधेरे में पाकिस्तान पर हमला किया। हमें तैयार रहना होगा कि यदि दोबारा हमला हुआ तो उसका माकूल जवाब दिया जा सके। पाकिस्तान का बजट दस जून को पेश किया जा सकता है।गौरतलब है कि बीते दिनों आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान पर हवाई हमले करके उसके तमाम आतंकी लांच पैड तबाह कर दिए, वहीं 11 एयरबेस को भी काफी नुकसान पहुंचाया गया था।

डॉ मुहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के प्रमुख बने रहेंगे : बांग्लादेश के योजना सलाहकार की पुष्टि

ढाका। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता डॉ मुहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने रहेंगे। य ह पुष्टि योजना सलाहकार डॉ वहीदुद्दीन महमूद ने एक अनौपचारिक प्रेस वार्ता के दौरान की। दो दिन पहले यूनुस के एक करीबी सहयोगी द्वारा उनके इस्तीफे की संभावनाओं के संकेत दिए जाने के बाद यह बयान आया है। डॉ महमूद ने कहा, उन्होंने (यूनुस) कभी नहीं कहा कि वे पद छोड़ देंगे। उन्होंने केवल यह कहा कि जो जिम्मेदारियां हमें दी गई हैं, उन्हें निभाने में कई अड़चनें आ रही हैं, लेकिन हम उनका समाधान कर रहे हैं। वे निश्चित रूप से अपने पद पर बने रहेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सलाहकार परिषद का कोई भी सदस्य पद छोड़ने के विचार में नहीं है। महमूद ने जोर देकर कहा कि हमें जो दायित्व सौंपा गया है, वह अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम इससे पीछे नहीं हट सकते। दरअसल, यह बयान ऐसे समय आया है जब डॉ यूनुस ने नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के छात्र नेताओं से मुलाकात के दौरान स्वीकार किया था कि वे इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि राजनीतिक दलों के बीच आवश्यक सुधारों पर सहमति नहीं बन पा रही है।

बांग्लादेश नाजुक मोड़ पर, अंतरिम सरकार चुनाव का मसौदा सामने लाए, सेना को विवाद में घसीटना संप्रभुता के लिए खतराः अमीर शफीकुर्रहमान

ढाका। बांग्लादेश के मौजूदा हालात से नाखुश अंतरिम सरकार के प्रमुख और मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस के राजपाट छोड़ने की कानाफूसी के बीच तेज हुई राजनीतिक हलचलों पर जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर्रहमान का आज कुछ देर पहले बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार संसदीय चुनाव का मसौदा देश के सामने रखे। साथ ही इस विवाद से सेना को दूर रखा जाए, क्योंकि इससे देश की संप्रभुता को खतरा हो सकता है। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर्रहमान ने कहा कि सेना को इस विवाद में घसीटने से देश की संप्रभुता को गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा। बांग्लादेश की सेना का देश के लिए सम्मानजनक योगदान है। उन्होंने यह बात राजधानी ढाका के मोघबाजार स्थित अल-फलाह सभागार में जमात-ए-इस्लामी की केंद्रीय मजलिस-ए-शूरा बैठक में कही। उन्होंने कहा कि हर किसी को सेना के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से बचना चाहिए। बांग्लादेश इस समय नाजुक मोड़ से गुजर रहा है। अंतरिम सरकार को तत्काल सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। संघर्ष और बदनामी के माध्यम से राष्ट्र को अनिश्चितता की ओर धकेलना स्वीकार नहीं किया जाएगा। अमीर ने मौजूदा स्थिति से उबरने के लिए एकजुटता का आह्वान किया। जमात प्रमुख ने कहा कि समस्या का बातचीत से संतोषजनक समाधान निकाला जा सकता है। इसलिए सर्वदलीय बैठक जरूरी है।

टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे के पास लगी आग, उड़ानें प्रभावित

टोक्यो। जापान की राजधानी टोक्यो के हानेडा हवाई अड्डे के पास के एक कारखाने में कल लगी आग से विमानों का आवागमन प्रभावित हुआ। अग्निशमन विभाग ने कहा कि करीब 13 घंटे बाद सुबह आग को पूरी तरह बुझाने में कामयाबी मिली। जापान टुडे अखबार की खबर के अनुसार, अग्निशमन विभाग ने कहा कि सूचना मिलते ही 100 से अधिक दमकल गाड़ियां भेजी गईं। आग बुझाने के दौरान एक दमकलकर्मी को धुएं के कारण सांस लेने में तकलीफ हुई। फिलहाल उसकी हालत ठीक है। शाम करीब पांच बजे सूचना मिली थी कि इस कारखाने के कन्वेयर बेल्ट में आग लग गई है। अग्निशमन विभाग ने कहा कि आग से कारखाने की चार मंजिला इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल राख हो गई। पुलिस ने कहा कि यह कारखाना जापान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे से लगभग दो किलोमीटर उत्तर में है।

बैजयंत पांडा के नेतृत्व में बहरीन पहुंचा प्रतिनिधिमंडल, प्रवासी भारतीयों से की मुलाकात

एजेंसी

मनामा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बैजयंत जय पांडा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल बहरीन पहुंचा। इस दौरान भारतीय प्रवासियों से बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख से अवगत कराया। इस दौरान बहरीन में इंडिया हाउस में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र में भारत के संबंधों को मजबूत करना तथा सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ देश के दृढ़ रुख को उजागर करना है। यह बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और अल्जीरिया की बहु-देशीय यात्रा की शुरुआत है। बहरीन में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा, जय पांडा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने बहरीन में प्रमुख हस्तियों के साथ बातचीत की। प्रतिनिधिमंडल ने मजबूत द्विपक्षीय संबंधों में उनके योगदान की प्रशंसा की और आतंकवाद के खिलाफ

भारत के दृढ़ रुख को दोहराया। बयान में कहा गया, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के एकीकृत और अटल रुख से अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि समूह-1 प्रतिनिधिमंडल में बैजयंत पांडा, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, भाजपा सांसद फांगनोन कोन्याक, भाजपा सांसद रेखा शर्मा, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, सांसद सतनाम सिंह संधू, मनोनीत सांसद गुलाम नबी आजाद और राजदूत हर्ष श्रृंगला शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया का दौरा करेगा। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद पांडा ने कहा, हमारे प्रवासी भारतीयों ने विश्व स्तर पर सफलता हासिल की है और इससे हम सभी को बहुत गर्व है। आज, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के अपने सम्मानित सहयोगियों के साथ, हमने बहरीन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ भारत के एकजुट और अडिग रुख से अवगत कराया। उन्होंने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा, इंडिया हाउस, बहरीन। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के अपने सम्मानित सहयोगियों के साथ बहरीन में इंडिया हाउस में महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद हमने राजदूत विनोद के. जैकब के साथ दिलचस्प बातचीत की। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर, आतंकवाद पर प्रधानमंत्री के विचार और भविष्य की रणनीति पर बहरीन में भारतीय और बहरीनी सांसदों, लेखकों, उद्योगपतियों और सामाजिक संगठनों के साथ बैठक हुई।

युद्धपोत की लांचिंग फेल होने पर किम जोंग ने तीन अफसरों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया में बीते दिनों विध्वंसक युद्धपोत की लाचिंग फेल होने की गाज तीन अधिकारियों पर गिर गई है। तानाशाह किम जोंग ने युद्धपोत के निर्माण में शामिल रहे तीन अफसरों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें कड़ी सजा देने की तैयारी चल रही है। दरअसल 21 मई को उत्तर कोरिया के पूर्वी बंदरगाह पर पर नव निर्मित विध्वंसक युद्धपोत लांच किया जा रहा था। दुनिया भर की नजर इस युद्धपोत पर लगी हुई थी। लाचिंग के समय तानाशाह किम जोंग खुद बेटी के साथ मौजूद थे। लेकिन करीब पांच हजार टन के वजन वाले युद्धपोत का संतुलन बिगड़ गया और पानी में गिर गया, जिससे लाचिंग फेल हो गई। इस घटना के बाद से ही किम जोंग खासे गुस्से में हैं। वह इस घटना को साजिश के साथ ही अपराध भी मान रहे हैं। कोरिया की सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक इस मामले में युद्धपोत के निर्माण में शामिल रहे मुख्य इंजीनियर, निर्माण प्रमुख और प्रशासनिक प्रबंधक को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों को ही युद्धपोत के डूबने का जिम्मेदार माना जा रहा है।

गाजा में इजराइली हमलों में एक डॉक्टर के 9 बच्चों की मौत

एजेंसी

काहिरा। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइल के हालिया हवाई हमलों में पिछले 24 घंटों के भीतर कम से कम 79 लोगों के शव अस्पतालों में लाए गए हैं। मंत्रालय का कहना है कि यह आंकड़ा उत्तरी गाजा के उन अस्पतालों को शामिल नहीं करता, जो अब पूरी तरह पहुंच से बाहर हो चुके हैं। इन मृतकों में सबसे दर्दनाक घटना दक्षिणी शहर खान यूनुस में सामने आई, जहां नासिर अस्पताल में कार्यरत बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अलाअ नज्जार के 10 में से 9 बच्चों की मौत हो गई। अस्पताल के बाल रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर अहमद अल-फर्रा ने बताया कि हमले के वक्त डॉक्टर नज्जार अस्पताल में ड्यूटी पर थीं और सूचना मिलते ही घर दौड़ीं, जहां उन्होंने अपने घर को आग की लपटों में घिरा पाया। डॉक्टर नज्जार के पति गंभीर रूप से घायल हैं, जबकि उनका इकलौता जीवित बच्चा (11 वर्षीय बेटा) गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। मृत बच्चों की

उम्र सात महीने से लेकर 12 वर्ष के बीच बताई गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता खलील अल-दुक्रान ने बताया कि दो बच्चों के शव अब भी मलबे के नीचे दबे हुए हैं।

इजराइली सेना ने इस हमले के संबंध में बयान जारी कर कहा कि उन्होंने अपने सैनिकों के पास स्थित एक इमारत से सक्रिय संदिग्धों को निशाना बनाया। सेना ने खान यूनुस क्षेत्र को ÷खतरनाक युद्ध क्षेत्र÷ करार देते हुए दावा किया कि उन्होंने नागरिकों को पहले ही वहां से निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों के हताहत होने के दावे की समीक्षा की जा रही है। जारी एक अन्य बयान में इजराइली वायुसेना ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में गाजा में 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया गया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 07 अक्टूबर 2023 को हमास के नेतृत्व में इजराइल पर हमले के बाद शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 53,901 लोग मारे जा चुके हैं।

मानव तस्करी कांडः आप्रवासन विभाग की कथित संलिप्तता के चलते गृहमंत्री पर बढ़ा इस्तीफे का दबाव

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के मानव तस्करी प्रकरण में आप्रवासन विभाग (इमिग्रेशन) की कथित संलिप्तता के चलते नेपाल की सियासत खासी गरमा गई है।विपक्षी दलों ने उनसे इस्तीफे की मांग की है। इससे नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। नेपाल के त्रिभुवन अंतरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आप्रवासन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत में लंबे समय से चल रहे मानव तस्करी कांड में देश के गृह मंत्रालय के निजी सचिवालय की कथित तौर पर संलिप्तता की पुष्टि हुई ।

इसके चलते देश के गृहमंत्री रमेश लेखक की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।उन पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने दो दिन पहले ही त्रिभुवन अंतरर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर छापामारी किए जाने के बाद इस मानव तस्करी के जाल का खुलासा किया था। छापेमारी के बाद ही ब्यूरो ने हवाई अड्डे पर रहे आप्रवासन विभाग के संयुक्त सचिव सहित नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए संयुक्त सचिव तीर्थराज भट्टराई को गृहमंत्री

रमेश लेखक के निजी सचिव की सिफारिश पर ही हवाई अड्डे के आप्रवासन विभाग का प्रमुख बना कर भेजा गया था । एंटी करप्शन ब्यूरो के छापेमारी के एक दिन पहले उन्हें वापस गृहमंत्रालय बुला लिया गया था। ब्यूरो के द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी कर्मचारियों से पूछताछ के बाद इस मामले में गृहमंत्री के निजी सचिव और निजी सहायकों की कथित तौर पर संलिप्तता की पुष्टि होने का दावा है। इस घटना के बाद न सिर्फ नेपाल के विपक्षी दलों ने, बल्कि उनकी अपनी पार्टी नेपाली कांग्रेस के नेताओं ने भी इस्तीफा देने की मांग की है। नेपाली कांग्रेस नेता डॉ. शेखर कोइराला ने आप्रवासन विभाग के भ्रष्टाचार घोटाले के बीच गृह मंत्री रमेश लेखक से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने का आग्रह किया है।कोइराला ने पत्रकार वार्ता में कहा कि इस तरह के आरोप लगने के बाद पूर्व में कई मंत्रियों ने जांच में सहयोग करने की बात कहते हुए इस्तीफा दे दिया था।

अमेरिका ने यमन में संदिग्ध अलकायदा ठिकाने पर ड्रोन से किया हमला, कम से कम छह लोग मारे गए

एजेंसी

एडेन। यमन के एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी प्रांत अबयान में अलकायदा के एक संदिग्ध ठिकाने को निशाना बनाकर अमेरिका ने रात में ड्रोन हमला किया। इस हमले में कम से कम छह लोग मारे गए हैं।

यमन के सैन्य अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि रात पूर्वी अबयान के पहाड़ी माराकिशा इलाके में हमले किए गए। माना जा रहा है कि मारे गए सभी लोग अल-कायदा इन द अरेबियन पेनिन्जुला के सदस्य थे। यह अलकायदा नेटवर्क की यमन स्थित शाखा है। अधिकारी के अनुसार, अलकायदा के खिलाफ यह अभियान यमन के सरकारी बलों के साथ चलाया गया। जिस स्थान पर हमला किया गया, वह कथित तौर पर सरकारी बलों के खिलाफ हमलों और प्रांत में हाल ही में बमबारी अभियानों

के लिए लॉन्च पॉइंट के रूप में काम करता था। हमले को लेकर विरोधाभासी खबरें भी आई हैं। एक स्थानीय आदिवासी नेता ने रात में हुए दो ड्रोन हमलों की पुष्टि की, जिसमें आदिवासी तत्वों को ही निशाना बनाया गया। घटना को लेकर अलकायदा इन अरबियन पेनिन्जुला (एक्यूएपी) की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। साल 2022 के अंत से अबयान यमन के आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एक प्रमुख युद्धक्षेत्र रहा है। सरकार समर्थक साउदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल के बलों ने सरकारी सैनिकों द्वारा समर्थित, दूरदराज के क्षेत्रों में जमे हुए अलकायदा इन अरेबियन पेनिन्जुला लड़ाकों को जड़ से उखाड़ने की कोशिश की है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि एक्यूएपी अक्सर तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों के साथ सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाता है। यमन लंबे समय से गृह युद्ध झेल रहा है। यह 2014 में तब शुरू हुआ था जब हूती समूह ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। अलकायदा समूह ने चरमपंथी समूहों को सत्ता शून्यता का फायदा उठाने का मौका दिया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, इस संघर्ष में अब तक हजारों लोगों की मौत हो चुकी है और लाखों लोग अकाल का सामना करने के लिए मजबूर हुए हैं।

राजतंत्र की समाप्ति के 19 साल बाद ज्ञानेन्द्र शाह ने किया राजदरबार में प्रवेश

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र के खात्मे के बाद पहली बार पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने राजदरबार में प्रवेश किया। पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह अपने परिवार के साथ 19 साल बाद राजदरबार पहुंचे। उन्होंने महल में परिवार के साथ पूर्जा अर्चना भी की। जिस राजमहल में रहकर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने वर्षों तक देश पर शासन किया, उस नारायणहिटी राजदरबार में 19 सालों के बाद अपनी पत्नी कोमल शाह, अपने पोते हृदयेन्द्र शाह और अन्य सदस्यों के साथ प्रवेश किया। उन्होंने अपने परिवार के साथ राजदरबार के भीतर बने चतुर्व्युह नारायण मंदिर में जाकर विधिवत पूजा की। इस अवसर पर राजपुरोहित ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिपूर्वक पूजा कराई। इस दौरान पूर्व राज परिवार के सदस्य राजदरबार के मुख्य भवन तक नहीं गए, जहां रह कर वह अपना शासन चलाया करते थे। हालांकि राजदरबार परिसर में रह रहीं अपनी मां रत्न राज्य लक्ष्मी देवी शाह से ज्ञानेन्द्र शाह ने मुलाकात की। इस मौके पर मौजूद डा. जगमान गुरूंग ने बताया कि 29 मई से शुरू हो रहे राजसंस्था समर्थकों के आंदोलन का मुख्य उद्देश्य ही पूर्व राजा को राजदरबार के स्थापित करना है। उससे पहले पूर्व राजपरिवार के सदस्यों का राजदरबार में जाना एक शुभ संकेत है।

पाकिस्तान आतंकवाद का नासूर, वैश्विक पटल पर बताएंगे सच्चाई : रविशंकर प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल फ्रांस समेत 6 यूरोपीय देशों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और जरूरत के बारे में बताएगा। रवाना होने से पहले रविशंकर प्रसाद ने कहा कि वे आतंकवाद के कैंसर से दुनिया को परिचित कराएंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत गर्व है कि प्रधानमंत्री ने मुझे यूरोपीय देशों में संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी है। हम फ्रांस, इटली, डेनमार्क, इंग्लैंड, बेल्जियम और जर्मनी का दौरा करेंगे।' उन्होंने कहा, 'हम विश्व को बताएंगे कि आतंकवाद दुनिया का कैंसर है, दुनिया की बड़ी घटनाओं के आतंकवाद का केंद्र कहीं न कहीं पाकिस्तान है। इन सारे मुद्दों को सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल वैश्विक पटल पर रखेगा। इस आतंकवाद के

नासूर के खिलाफ दुनिया को एक स्वर में बोलने की आवश्यकता है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमें स्पष्ट रूप से यह बताना है कि भारत शांति और सद्भाव में विश्वास करता है, लेकिन अगर निर्दोष भारतीयों पर आतंकी हमला किया गया तो इसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। हमने ऐसा करके भी दिखा दिया है।उन्होंने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में हर पार्टी के नेताओं को शामिल करने को भारत की राजनीति में एक मील का पत्थर बताया, कहा, ÷विपक्षी दल के नेताओं को इसमें नेतृत्व करने को भी कहा गया है। वहीं, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने कहा, ÷जब हम विदेश जाते हैं, तो हम भारतीय के रूप में जाते हैं। देश के अंदर, हमारे राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं। हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करेंगे... हम दुनिया के सामने पाकिस्तान का असली चेहरा उजागर करेंगे। कांग्रेस सांसद अमर सिंह ने कहा, ÷हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संपर्क कर रहे हैं। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान, जिसने पहलगाम हमला किया, बार-बार हमारे देश को परेशान करता है और निर्दोष नागरिकों को मारता है। जब हम इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाते हैं।

त्रिपोली में बढ़ते तनाव के बीच मिस्त्र ने 71 नागरिकों को लीबिया से सुरक्षित वापस बुलाया

एजेंसी

काहिरा। त्रिपोली में हालिया हिंसक झड़पों और राजनीतिक अस्थिरता के बीच मिस्त्र सरकार ने अपने 71 नागरिकों को लीबिया से सुरक्षित स्वदेश वापस बुला लिया है। मिस्त्र के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह पूरी प्रक्रिया सरकार द्वारा वित्तपोषित थी और इससे वापसी करने वालों पर कोई आर्थिक बोझ नहीं डाला गया।मंत्रालय के अनुसार, ये नागरिक इजिप्टएयर की एक विशेष उड़ान के जरिये देश लौटे। यह कदम राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी के उस निर्देश के तहत उठाया गया, जिसमें उन्होंने लीबिया में रह रहे मिस्त्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्वेच्छा से लौटने की इच्छा रखने वालों के लिए सुगम पुनर्वास की व्यवस्था करने का आदेश दिया था। लीबिया की राजधानी त्रिपोली में 12 मई से हालात गंभीर हो गए थे, जब स्टैबिलिटी सपोर्ट अपरेटस (एसएसए) और प्रधानमंत्री अब्दुल-

हमीद दबैबा के प्रति वफादार 444 ब्रिगेड के बीच भारी संघर्ष शुरू हो गया। यह हिंसा उस समय भड़की जब एक एसएसए कमांडर की कथित तौर पर 444 ब्रिगेड के नियंत्रण वाले ठिकाने में हत्या कर दी गई। हालांकि, बीते सप्ताह एक संघर्षविराम पर सहमति बनी है। लीबिया की राष्ट्रपति परिषद और संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएसएमआईएल) ने मिलकर एक संयुक्त संघर्षविराम समिति गठित की है।

इजराइल में बंधकों की रिहाई के लिए देशभर में प्रदर्शन

एजेंसी

तेल अवीव। हमास के कब्जे से बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर आज इजराइल में देशव्यापी प्रदर्शन किए जा रहे हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, ये रैलियां बंधकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए सरकार पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही हैं। तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर में आज रात (स्थानीय समयानुसार 7 बजे) सरकार विरोधी रैली आयोजित की गयी है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने किया दक्षिण कोरिया में भारतीय दूतावास का दौरा, संझय झा ने जताया आभार

एजेंसी

सोल,नई दिल्ली। जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जापान की सफल यात्रा के बाद दक्षिण कोरिया पहुंच गया है। संजय कुमार झा ने रविवार को दक्षिण कोरिया से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की है। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल के साथ सियोल में भारतीय दूतावास का दौरा किया। संजय कुमार झा ने एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, दिन 4ः सोल, दक्षिण कोरिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सभी दलों के प्रतिनिधिमंडल के साथ सोल में भारतीय दूतावास का दौरा किया। भारत के कोरिया में राजदूत अमित कुमार से मुलाकात हुई। द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सार्थक चर्चा हुई। उनकी गर्मजोशी भरी मेहमाननवाजी और उपयोगी बातचीत के लिए आभार। इसके अलावा, टीएमसी ने भी अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर कुछ फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा, ÷सभी दलों के

सांसदों के प्रतिनिधिमंडल, जिसमें अभिषेक बनर्जी भी शामिल थे, ने सोल स्थित भारतीय दूतावास में भारतीय राजदूत द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण ब्रीफिंग में हिस्सा लिया। इस दौरान आगे की रणनीति पर चर्चा हुई और आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख को दोहराया गया। दरअसल, यह प्रतिनिधिमंडल भारत की वैश्विक कूटनीतिक पहल का हिस्सा है, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के महत्व को रेखांकित करता है। भारतीय दूतावास ने कहा, सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत की कूटनीतिक पहल के लिए सोल पहुंचा। भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रतिनिधिमंडल में संजय कुमार झा के अलावा भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी, बृज लाल और प्रद्युम्न बरुआ, तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी, सीपीआई (एम) के राज्यसभा सदस्य जॉन ब्रिटास और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, राजदूत मोहन कुमार भी शामिल हैं। झा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का संदेश लेकर सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सियोल पहुंचा। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहमति दृढ़ और अटल होनी चाहिए और भारत इस संकल्प का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। बता दें कि जेडीयू से राज्यसभा सांसद संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 22 से 24 मई तक जापान के दौरे पर था।

हत्या के मामले में दो नाबालिगों को पकड़ा

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के बुराड़ी इलाके में दिनदहाड़े हुई एक नाबालिग की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने दो नाबालिगों को पकड़ा है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि 22 मई को दो लड़कों ने मुकुंदपुर निवासी एक नाबालिग को चाकू से गोद डाला था। घटना के बाद घायल किशोर को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में बुराड़ी थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच शुरू की। इस बीच पुलिस टीम को सूचना मिली कि हत्या में शामिल आरोपित नाबालिग धौला कुआं इलाके में देखे गए हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस ने जाल बिछाकर दोनों को पकड़ा। पूछताछ में आरोपितों ने अपना अपराध कबूल किया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया। पूछताछ में सामने आया कि मृतक और आरोपित एक ही मोहल्ले के थे। दोनों के बीच पहले से आपसी विवाद था। मृतक ने आरोपितों को जान से मारने की धमकी दी थी। जिसका बदला लेने के लिए दोनों आरोपितों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।

सरकारी अधिकारी बनकर बुजुर्ग महिला से वसूली करने वाला ठग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी जिले के डिफेंस कॉलोनी थाना पुलिस ने खुद को सरकारी अधिकारी बताकर एक बुजुर्ग महिला से डेढ़ लाख रुपये की वसूली करने वाले आरोपित तौसीफ राजा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बाइक, मोबाइल फोन और 28,500 नकद बरामद किए हैं। दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला डिफेंस कॉलोनी के डी-ब्लॉक में रहती हैं। उन्होंने 20 मई को पुलिस में शिकायत दी कि 9 मई को एक व्यक्ति उनके घर आया और खुद को बागवानी विभाग और एमसीडी का अधिकारी बताया। उसने नाली साफ न होने का हवाला देकर 50 हजार रुपये का चालान काटने और बिजली कनेक्शन काटने की धमकी दी। फिर मामले को रफा-दफा करने के लिए 25 हजार रुपये की मांग की। डर के मारे महिला ने उसे यह रकम दे दी। इसके बाद 13 मई को वह शख्स दोबारा आया और इस बार 50 लाख की मांग की। धमकी दी कि रकम न मिलने पर उनके बेटे की शादी में बाधा डालेगा। डर के चलते महिला के पति ने मोदी मिल फ्लाईओवर के पास उसे 1.5 लाख नकद दे दिए। रकम मिलने के बावजूद आरोपित धमकाता रहा।पुलिस ने पीड़िता के बयान पर केस दर्ज किया।डीसीपी के अनुसार एसएचओ संजय शर्मा की देखरेख में पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मोबाइल की कॉल डिटेल्स और तकनीकी सर्विलांस से आरोपित की पहचान कर उसे ओखला से दबोचा।

मकान में लगी आग, तीन झुलसे

नई दिल्ली। दिल्ली के लाहौरी गेट स्थित फर्श खाना इलाके स्थित एक मकान में आग लग गई। खबर मिलते ही स्थनीय पुलिस के अलावा दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। घटना में एक मासूम समेत तीन लोग झुलस गए हैं। पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत नजदीकीअस्पताल में भर्ती कराया। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रहीहै। अग्नि शमन विभाग के अनुसार तड़के साढ़े तीन बजे दमकल कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि फर्श खाना इलाके स्थित एक मकान में आग लग गईहै। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घटना में तीन लोग झुलस गए। घायलों की पहचान अनस (13), अहमद (18) और शाहनवाज (30) के रूप में हुई है। दमकलकर्मियों ने एक घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। दमकल अधिकारी के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर बिजली मीटर बोर्ड और एक बाइक में आग लगी थी। जिसके कारण 03 लोग झुलस गए। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कररही है।

दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में आग से प्लास्टिक फैक्टरी धू-धूकर जली, विस्फोट

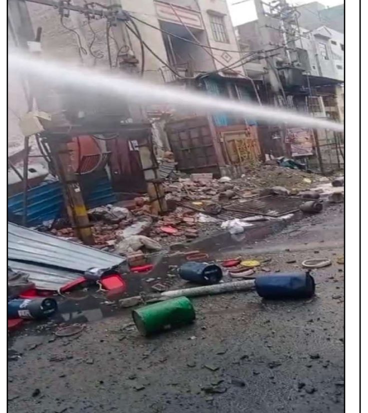

नई दिल्ली। दिल्ली के बाहरी उत्तरी जिले के बवाना औद्योगिक क्षेत्र में आज सुबह एक प्लास्टिक फैक्टरी में आग लग गई। इस दौरान विस्फोट भी हुए। इससे फैक्टरी का कुछ हिस्सा भरभरा गया। इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नही है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग के अनुसार, सुबह करीब 4:50 बजे सूचना मिलते ही दमकल की 17 गाड़ियां भेजी गईं। राहत और बचाव कार्य के दौरान फैक्टरी में धमाका होने से फैक्टरी का कुछ हिस्सा गिर गया। फैक्टरी के आसपास आसमान पर धुआं का गुबार छा गया है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल आग बुझाई जा रही है।

मेरी हर सांस में खेती और रोम-रोम में किसान बसे हैं - शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी
नई दिल्ली, । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' की तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं। ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ की पावन धरती से 29 मई को इस व्यापक अभियान का शुभारंभ होगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का पूरा अमला राज्यों के सहयोग से इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है।

इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में पूसा कैंपस स्थित सुब्रहमण्यम हॉल में देशभर के कृषि वैज्ञानिकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि मैं सत्ता के सुख के लिए कृषि मंत्री नहीं बना हूं, बल्कि किसानों की सेवा के लिए, उत्पादन बढ़ाने,

उत्पादन की लागत घटाने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, देश में अन्न के भंडार भरने और भावी पीढ़ी के कृषि संबंधित हितों की रक्षा के लिए ही मेरा जीवन समर्पित है। उर्वरक का संतुलित प्रयोग, स्थानीय परिस्थिति, सही शोध जानकारी होने और अच्छे बीजों से किसान को उत्पादकता बढ़ाने में निश्चित तौर पर मदद मिल सकती है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों, विभाग के अमले और किसानों को जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि इस अभियान के जरिए इसे पूरा करते हुए किसानों से जुड़ने की एक बड़ी कोशिश होने जा रही है। खेती हृदय और लगाव का विषय है। खेती को जिया जाता है। उन्होंने कहा, मेरी हर सांस में खेती और रोम-रोम में किसान बसे हैं। फसल के अच्छे और खराब होने पर भावनाएं जुड़ जाती हैं। सरकार की पूरी कोशिश कृषि अनुसंधान को आगे बढ़ाने की है। शोध और अनुसंधान के लिए हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फंड की कमी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान परिणाम उन्मूलक कार्यक्रम है, जिसका परिणाम इसी खरीफ सीजन में उत्पादन वृद्धि और उत्पादन लागत में कमी के रूप में जल्द ही हमारे सामने होगा। उन्होंने देश के वैज्ञानिकों से अपनी शोध क्षमता को वैश्विक स्तर पर सिद्ध करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे कृषि संस्थानों में वह ताकत है, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानेगी। केंद्रीय मंत्री ने वैज्ञानिकों के प्रयासों की प्रशंसा की और कहा कि इस अभियान के पूरा होने के बाद देश, वैज्ञानिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेगा। यह अभियान 29 मई से 12 जून तक देशव्यापी स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वैज्ञानिकों की टीमें गांव-गांव जाकर किसानों से सीधे संवाद करेंगी।

दिल्ली पुलिस ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटर मनप्रीत उर्फ काकू को किया गिरफ्तार

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए कुख्यात हिस्ट्रीशीटर मनप्रीत उर्फ काकू को गिरफ्तार किया है। 29 वर्षीय मनप्रीत, मोहन गार्डन, उत्तम नगर का निवासी है और उस पर हत्या का प्रयास, डकैती, चोरी, हथियार तस्करी, धोखाधड़ी, साइबर अपराध और हमला जैसे 13 केस दर्ज हैं। वह चार मामलों में वांछित था, जिनमें दो में उसे उद्घोषित अपराधी (पीओ) और दो में गैर-जमानती वारंट (एनवीडब्ल्यू) जारी किया गया था। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि यह ऑपरेशन उत्तरी रेंज-II की टीम ने सहायक आयुक्त नरेंद्र सिंह की देखरेख और इंस्पेक्टर संदीप तुशिर के नेतृत्व में अंजाम दिया। टीम में उप-निरीक्षक सतेंद्र, योगेश दहिया, परवीर सिंह, प्रधान सिपाही सिद्धार्थ ढाका, प्रदीप तोमर, अजय पाल, विनोद बजाड़, अश्वनी दहिया, संदीप संगरोहा, अजय, प्रदीप श्योकंद और महिला सिपाही रजनी शर्मा शामिल थे। पुलिस को सूचना मिली थी कि मनप्रीत लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। क्राइम ब्रांच ने तकनीकी और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर उसकी तलाश शुरू की। कई दिनों तक छापेमारी के बाद, प्रधान सिपाही सिद्धार्थ ढाका को सूचना मिली कि मनप्रीत मोहन गार्डन में एक खास जगह पर आएगा। इसके बाद, पुलिस ने जाल बिछाकर उसे धर दबोचा। मनप्रीत के खिलाफ 2016 से 2024 तक 13 मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या का प्रयास (धारा 307), डकैती (धारा 392), चोरी (धारा 379), आर्म्स एक्ट, और साइबर अपराध (आईटी एक्ट) जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। वह 12वीं तक पढ़ा है और प्रॉपर्टी डीलर है। पुलिस ने बताया कि मनप्रीत जल्दी पैसा कमाना चाहता था। इसके कारण किशोरावस्था से ही अपराध की दुनिया में उतर गया।

चुनाव आयोग ने कानूनी सलाहकारों और सीईओ का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आज अपने कानूनी सलाहकारों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य आयोग की कानूनी रूपरेखा को मजबूती देना और नई चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करना है। सम्मेलन में यह ज़ोर दिया गया कि कानूनी प्रक्रिया विरोध की भावना के बजाय संवाद पर आधारित हो। सभी पक्षों को पर्याप्त सुनवाई का अवसर मिलना चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने नई दिल्ली स्थित आईआईआईडीईएम में आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी उपस्थित रहे। दिनभर चले इस सम्मेलन में चुनाव कानून, न्यायिक प्रक्रिया और कानूनी सुधारों पर चर्चा हुई। आयोग ने अपनी कानूनी टीम की तैयारी, समन्वय और दक्षता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया। इसका मकसद विभिन्न न्यायिक मंचों पर अपनी कानूनी प्रस्तुति को और प्रभावी बनाना है। सम्मेलन में सुप्रीम

कोर्ट और देश के 28 उच्च न्यायालयों और बेंच के वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भाग लिया। इसके साथ ही सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 36 मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) और आयोग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त आयोग ने आईआईआईडीईएम में एक और सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें सभी सीईओ शामिल हुए। इस बैठक में आयोग की आईटी पहलों की योजना पर चर्चा की गई। चुनाव आयोग ने 2025 में एकीकृत डैशबोर्ड ईसीआईनेट विकसित करने की योजना शुरू की है। यह डैशबोर्ड सभी संबंधित डेटा को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराएगा और ईसीआई की सभी आईसीटी पहलों को एक सूत्र में जोड़ेगा।

पहलगाम, पुंछ का दौरा करने वाले राहुल गांधी एकमात्र राष्ट्रीय नेता - पवन खेड़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के दौरे और पाकिस्तान की ओर से हाल ही में सीमा पार से की गई गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए सराहना की। पवन खेड़ा ने समाचार एजेंसी से कहा, जब पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था, तब राहुल गांधी एकमात्र राष्ट्रीय नेता थे जो वहां गए। उन्होंने अस्पतालों का दौरा किया, विभिन्न नागरिक समाज समूहों से मुलाकात की और प्रभावित नागरिकों का हालचाल जाना। अब फिर से पुंछ में, जहां गोलाबारी के कारण निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, जबकि उनकी कोई गलती नहीं थी, राहुल गांधी ने एकजुटता व्यक्त करने और उनका दर्द समझने के लिए उनसे मुलाकात की। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पुंछ सेक्टर में पाकिस्तान की तरफ से गोलाबारी बढ़

गई थी। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के प्रतिशोध में किया गया था, जिसमें आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। खेड़ा ने जोर दिया कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कार्यों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, चाहे मणिपुर हो, पुंछ हो या पहलगाम - जहां भी नागरिक संकट का सामना करते हैं, राजनीतिक नेतृत्व को सहायता प्रदान करने और उनके घावों को भरने में मदद करने के लिए आगे आना चाहिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर की बर्लिन में परमाणु ब्लैकमेल के आगे न झुकने की हालिया टिप्पणी पर पवन खेड़ा ने कहा, ÷अगर हम प्रमुख वैश्विक शक्तियों को यह स्वीकार करने के लिए राजी नहीं कर पाते हैं कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देना जारी रखता है, तो अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर जयशंकर जो कहते हैं, उसका कोई मतलब नहीं है। वह यहां सख्त बात करते हैं, लेकिन अमेरिका और चीन के सामने चुप रहते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त, जलभराव ने बढ़ाई मुसीबत

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में शनिवार-रविवार की रात तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने पहले ही इसे लेकर रेड अलर्ट जारी कर दिया था। कुछ घंटों की बारिश में ही दिल्ली के कई इलाकों में जबरदस्त जलभराव देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी हल्की से तेज बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है। वहीं, 18 किमी/घंटा या इससे अधिक तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। हालांकि, सोमवार से फिर से तापमान में वृद्धि देखने को मिलेगी। 26 मई से जून के पहले सप्ताह तक बारिश की संभावना कम जताई गई है। आने वाले दिनों में तापमान का पारा अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार- रात सिर्फ दिल्ली ही नहीं बल्कि गोवा, महाराष्ट्र, पूर्वोत्तर भारत

के राज्य, लद्दाख में भी बारिश हुई है। रविवार को तमिलनाडु के कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, थेनी, तिरुप्पुर, कोयम्बटूर और नीलगिरी जिलों में एक या दो स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ हल्की आंधी और बिजली गिरने की संभावना है। दूसरी ओर, शनिवार-रविवार मध्यरात्रि हुई भारी बारिश के चलते दिल्ली, फरीदाबाद-नोएडा, गाजियाबाद में भी जलभराव की समस्या बनी। वसंत कुंज, आईटीओ, मिंटो ब्रिज, कनॉट प्लेस और हुमायूं रोड जैसे स्थान जलमग्न हो गए। दिल्ली के कई हिस्सों से ऐसी तस्वीरें भी सामने आईं, जहां कार पानी में डूबी नजर आई। दिल्ली एयरपोर्ट पर घने बादल, तेज हवाएं और सीमित विजिबिलिटी के चलते टेकऑफ और लैंडिंग दोनों प्रभावित हुए हैं। एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स देरी से संचालित की गईं। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से रविवार को एक्स पोस्ट में लिखा गया कि दिल्ली में खराब मौसम की वजह से उड़ानों का परिचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ है। इसीलिए, यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी फ्लाइट के स्टेटस जांच करते रहें, जिससे उन्हें समस्या न हो।

दिल्ली के शाहदरा में ई-चार्जिंग स्टेशन में लगी आग, चपेट में आने से दो की मौत; चार लोग झुलसे

एजेंसी
नई दिल्ली।देश की राजधानी दिल्ली के शाहदरा में ई-चार्जिंग स्टेशन में आग लग गई। आग की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार लोग झुलस गए। झुलसे लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब 6.40 मिनट पर दमकल विभाग को शाहदरा के मोती राम रोड पर राम मंदिर के पास ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। 400 वर्ग गज के टिन शेड के नीचे ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में भीषण आग लगी थी। आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। दिल्ली अग्निशमन विभाग के अनुसार, दो जले हुए शव मिले है।

चार लोगों का जीटीबी अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। इस पहले भी पिछले सप्ताह भी शाहदरा इलाके के फर्श बाजार में ई रिक्शा चार्ज करने के दौरान आग लगी थी। इस दौरान एक महिला की मौत हो गई थी जबकि पांच लोग घायल हुए थे।

नीति आयोग 10वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक में 'विकसित भारत' पर जोर, ऑपरेशन सिंदूर को सर्वसम्मति से समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल बैठक में 'विकसित राज्य से विकसित भारत' की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर गहन चर्चा हुई।

बैठक में सभी भागीदार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को पूरी एकता के साथ समर्थन दिया। बैठक के बाद नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में तीन क्षेत्रों कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष बल दिया और राज्यों से आग्रह किया कि वे इन क्षेत्रों में संरचनात्मक सुधार और दीर्घकालिक योजनाएं बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और 'अब एक निर्णायक विकास यात्रा पर निकलने का समय है।' सुब्रह्मण्यम ने बताया कि 36 में से 31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बैठक में भाग लिया, जो अब तक की सबसे अधिक भागीदारी है। उन्होंने कहा कि यह दर्शाता है कि प्रतिनिधि एक सकारात्मक सोच के साथ आए थे। कर्नाटक, केरल, पश्चिम बंगाल, बिहार और पुडुचेरी के मुख्यमंत्री

NITI Aayog
National Institution for Transforming India
सत्यमेव जयते

बैठक में शामिल नहीं हुए। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'विकसित राज्य' विज़न डॉक्युमेंट्स की परिकल्पना–जैसे 'विकसित बिहार', 'विकसित ओडिशा' आदि–को आगे बढ़ाते हुए इस बैठक में राज्यों को अपने-अपने विकास रोडमैप को राष्ट्रीय दृष्टिकोण से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' के समर्थन में पूरी सहमति देखने को मिली। सीईओ सुब्रह्मण्यम ने इसे एक दुर्लभ उदाहरण बताया जब सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बिना किसी मतभेद के एक साझा निर्णय पर सहमति जताई। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस बात को रेखांकित किया कि यह बैठक आयोग की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस विचार को दोहराया कि पिछले वर्षों में इस मंच ने सहमति निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने सरकार की विभिन्न उपलब्धियों में योगदान दिया।

आईपीयू काउंसलिंग में बड़ी राहत

एजेंसी
नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने इस बार काउंसलिंग प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। आईपीयू ने काउंसलिंग के लिए अलग से कोई फीस नहीं लेने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय ने एक बयान में साफ किया कि नई व्यवस्था के तहत आवेदन के समय ही आवेदकों से आवेदन शुल्क और काउंसलिंग भागीदारी शुल्क के रूप में एकमुश्त 2500 रुपये लिए गए हैं। इसलिए अलग से काउंसलिंग भागीदारी शुल्क जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इस नई व्यवस्था से छात्रों का अतिरिक्त समय बचेगा, जो पहले काउंसलिंग शुल्क के भुगतान में लगता था। अब छात्र सीधे विकल्प चयन में भाग ले सकेंगे और परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

आईपीयू काउंसलिंग प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। छात्रों को अपने विकल्प चुनने और परिणाम प्राप्त करने के लिए आईपीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।

महत्वपूर्ण जानकारी

- आईपीयू काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान छात्रों को अपने विकल्प चुनने और परिणाम प्राप्त करने के लिए आईपीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा।

- एनएलटी आधारित प्रोग्राम में दाखिले के इच्छुक उम्मीदवार जो

अभी तक आवेदन नहीं कर पाए हैं, वे संबंधित प्रोग्राम की काउंसलिंग के दौरान आवेदन शुल्क और काउंसलिंग भागीदारी शुल्क के रूप में 2500 रुपये एक साथ जमा कर सकते हैं।

नीति आयोग की बैठक में हर घर नल योजना और यमुना के मुद्दे पर भी हुई चर्चा: रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता यहां के भारत मंडपम में आयोजित नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि बैठक में हर घर नल योजना और यमुना के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। सभी संबंधित राज्यों ने यमुना के मुद्दे पर सहयोग करने की बात कही है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि दिल्ली में नए पर्यटक स्थलों को विकसित करने पर भी बात हुई। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि पिछली सरकार ने इन बैठकों में शामिल न होकर दिल्ली का बहुत नुकसान किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बैठक में उपस्थित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एक स्वर में ऑपरेशन सिंदूर और सेना की प्रशंसा की। मुख्यमंत्रियों ने सेना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि नीति आयोग की बैठक में सहभागिता कर प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में राज्यों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। विकसित भारत की परिकल्पना विकास की योजना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सपनों, संभावनाओं और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक राष्ट्रीय

को साकार करने में दिल्ली की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि प्रेरणास्पद और नेतृत्वकारी स्तंभ के रूप में स्थापित करने के लिए हम पूर्णतः संकल्पबद्ध हैं। यह महज अभियान है। इसका हिस्सा बनना हम सभी के लिए गौरव का विषय है। दिल्ली अब प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विकास की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

दिल्ली में मेगा अभियान के तहत 3,500 किलोमीटर सड़कें साफ की गई - सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि 'मेगा स्वच्छता अभियान' के तहत एमसीडी ने 3,500 किलोमीटर से अधिक सड़कों की सफाई की, जिसमें सबसे अधिक सफाई रोहिणी क्षेत्र में की गई। एमसीडी द्वारा जारी प्रगति रिपोर्ट पर उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान अतिक्रमण और गंदगी के खिलाफ मुहिम चलाई गई। अभियान के दौरान कुल 11,131 चालान जारी किए गए, जिसमें सबसे अधिक 2,994 चालान पश्चिमी जोन में किए गए। इसके अतिरिक्त, 5,932 अवैध सामग्री जब्त की गई और 186.5 किलोमीटर सड़कों को अतिक्रमण से मुक्त किया गया। 20 दिवसीय यह 'मेगा स्वच्छता अभियान' एमसीडी के सभी 12 जोन में चलाया गया, जिसमें सफाई, अतिक्रमण हटाने और चालान काटने जैसे प्रमुख कार्य शामिल थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार की 'स्वच्छ दिल्ली' पहल को राजधानी के नागरिकों से जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। एमसीडी द्वारा जारी नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि यह व्यापक स्वच्छता अभियान जमीनी स्तर पर उल्लेखनीय परिणाम दे रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर दिल्ली ही विकसित दिल्ली का मार्ग है। एमसीडी द्वारा जारी जोनवार रिपोर्ट स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि हमारी सरकार द्वारा शुरू किया गया अभियान न केवल सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है, बल्कि लोगों की जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने आगे बताया कि इस अभियान के तहत दिल्ली के 12 जोन (करोल बाग, सिटी एसपी, वेस्ट जोन, साउथ, सिविल लाइंस, सेंट्रल जोन, शाहदरा साउथ, शाहदरा नॉर्थ, नजफगढ़, नरेला, रोहिणी और केशव पुरम) में व्यापक सफाई और प्रबंधन गतिविधियां संचालित की गईं। इसके साथ ही, 'मेगा स्वच्छता अभियान' के तहत पूरे दिल्ली में एमसीडी के नालों की बड़े पैमाने पर सफाई की गई, जिससे मानसून के मौसम में जलभराव की समस्या से निपटने में काफी मदद मिलेगी। अब तक कुल 19,892.38 मीट्रिक टन गाद निकाली जा चुकी है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।

फर्जी जानकार बनकर ठगी करने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। ठगी करने के लिए ठग अलग-अलग पैंतरे आजमा रहे हैं। ठगी की एक वारदात में ठग ने एक व्यक्ति को कॉल करके उसे अपना जानकार बताया। इस तरह से उसे विश्वास में लेकर रुपये भेजने का झांसा देकर ठगी कर ली। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर थाना साईबर अपराध मानेसर गुरुग्राम में केस दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार 31 दिसंबर 2024 को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना साईबर अपराध मानेसर में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया कि उसे एक व्यक्ति ने कॉल की। उसे उसका रिश्तेदार बताया। उसे बातों से विश्वास में लिया और ठगी की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गुरुग्राम से ही काबू किया। आरोपी की पहचान आशीष कुमार मीणा निवासी गांव किलकर खेड़ा, जिला अलवर (राजस्थान) के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में पता चला कि ठगी गई राशि में से 46 हजार रुपए आरोपी के बैंक खाता में आए थे। आरोपी ने यह बैंक खाता व सिम कार्ड एक अन्य व्यक्ति को 5000 रुपए में बेचा था। पुलिस इस मामले में और जांच-पड़ताल कर रही है।

नशा बेचकर अर्जित की गई सम्पति होगी अटैच : एसपी आस्था मोदी

कैथल। थाना शहर, कलायत, राजौंद, गुहला क्षेत्र में कमांडो दस्ते के साथ 30 पुलिस टीमों में शामिल करीब 250 पुलिस कर्मचारियों द्वारा स्नाईपर डॉग की सहायता से सर्च आपरेशन चलाया गया। जिसके तहत पूरे क्षेत्र में आमजन के मन में सुरक्षा के भावों को पुख्ता किया गया। करीब 200 संदिग्ध घरों की जांच सहित अन्य जगहों की छानबीन की गई कि कहीं किसी जगह कोई मादक पदार्थ ना छिपा रखा हो। कोई नशा बेचने वाला या अपराधिक कार्य करने वाला गैर कानूनी तरीके से न रहता हो। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि सुबह-सुबह चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करना व अपराधियों में भय उत्पन्न करना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में मुख्य रूप से नशे का कारोबार करने वालों और आपराधिक कार्यों में शामिल आरोपी जो गैर कानूनी तरीके से रह रहे हों पर शिकंजा कसना है। जिला पुलिस का उद्देश्य कैथल जिला को नशा मुक्त बनाना है। इसके साथ साथ पुलिस द्वारा सर्च ऑपरेशन के अलावा वहां मौजूद आमजन को समझाया गया कि किसी प्रकार के मादक पदार्थ बेचने वाले या अन्य किसी अपराधी के बारे में पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा, इसके साथ साथ नशा ना करने बारे भी जागरूक किया गया।

सोनीपत-गोहाना नेशनल हाइवे के निर्माण की धीमी गति पर ठेकेदार को डीसी की फटकार

सोनीपत। जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने एनएचएआई अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य लोगों की सुविधा बढ़ाना, सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा कराना रहा। उपायुक्त ने गोहाना-सोनीपत नेशनल हाइवे के निर्माण कार्यों की धीमी गति पर ठेकेदार को फटकार लगाई और बड़वासनी व लाठ-जोली फ्लाईओवर को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यावरण सुरक्षा पर भी जोर देते हुए कहा कि पेड़ काटने के बजाय स्थानांतरित किए जाएं और ग्रीन बेल्ट में वृक्षारोपण सुनिश्चित किया जाए। सड़क सुरक्षा पर डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि जीटी रोड पर बने अवैध कटों के कारण दुर्घटनाएं होती हैं, इन्हें तुरंत बंद किया जाए और भविष्य में अवैध कट बनाने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। जनसुविधा को लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि कुंडली, राई और बड़ी में फुटओवर ब्रिज बनाए जाएं ताकि पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उपायुक्त ने कहा कि टोल प्लाजा पर कैमरे, सेंसर और कंट्रोल सिस्टम की नियमित जांच हो। हमें पासवर्ड व आईपी भी उपलब्ध कराएं ताकि हम निगरानी रख सकें।

पानीपत जिला प्रशासन ने चेताया,फर्जी ट्रेवल एजेंटों से रहें सावधान

पानीपत। विदेश भेजने के नाम पर हो रही धोखाधड़ी को रोकने के लिए और जानता को जागरूक करने के लिए अब सरकार ने बीड़ा उठाया है। जिला उपयुक्त वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि अनाधिकृत ट्रेवल एजेंट एवं एजेंसियों से रहें सावधान कबूतरबाजी को लेकर सरकार के टोल फ्री नंबर पर करे शिकायत, उन्होंने कहा कि शिक्षा, रोजगार व अन्य उद्देश्यों के लिए विदेश भेजने का प्रलोभन देकर धोखाधड़ी करने वाले अनाधिकृत ट्रेवल एजेंट एवं एजेंसियों से सावधान रहने की जरूरत है। जिला उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार इस बारे लोगों को जागरूक एवं सावधान किया जाता है। प्राय देखने में आता है कि विदेश भेजने के नाम पर लोगों से पैसे ठगने वाले एजेंट पंजीकृत नहीं होते हैं। इसलिए ऐसे एजेंटों से आमजन को सावधान और सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे नकली या अनाधिकृत एजेंट विभिन्न प्रचार माध्यमों में अपना विज्ञापन प्रकाशित व प्रसारित करवाते हैं, जिससे आमजन उनके झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई, अन्य संपत्ति या गहने इत्यादि गंवा बैठते हैं।

मॉनसून सीजन के दौरान जलभराव से राहत को लेकर मंत्री राव नरबीर सिंह ने किया निरीक्षण

- **मॉनसून से पूर्व गुरुग्राम में ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास जारी**
- **शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर ड्रेनेज व्यवस्था का निरीक्षण किया**

एजेंसी

गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में आगामी मॉनसून सीजन के दौरान जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाने के लिए उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने नगर निगम गुरुग्राम तथा गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर ड्रेनेज व्यवस्था का निरीक्षण किया। पर्यावरण मंत्री ने अपने दौरे में आईडीसी, महरौली रोड, सेक्टर-17, डूंडाहेड़ा, अंसल प्लाजा, सी-2 ब्लॉक, पालम विहार, चोमा, बजघेड़ा, धर्मपुर, धनकोट, सेक्टर-102, बसई, बसई तालाब, मोहम्मदपुर झाड़सा तथा खेडक़ी दौला क्षेत्र में नालों की वर्तमान सफाई स्थिति, जल निकासी प्रबंधन तथा संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों की

पहचान कर वहां आपातकालीन उपायों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी नालों की समयबद्ध सफाई सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत या चौड़ीकरण कार्य भी तत्परता से किया जाए। राव नरबीर सिंह ने कहा कि मानसून की पूर्व तैयारियों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम एक महत्वपूर्ण आर्थिक एवं शहरी केंद्र है। यहां की नागरिक सुविधाएं हमारी प्राथमिकता में हैं। इस बार हमारा प्रयास है कि शहरवासी जलभराव जैसी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त रहें। इन्ही लक्ष्यों की पूर्ति के लिए प्रशासन द्वारा नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने की दिशा में समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान जीएमडीए और निगम अधिकारियों ने पर्यावरण मंत्री को अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि प्रमुख ड्रेनेज लाइनों की सफाई का कार्य निर्बाध गति से जारी है और जलभराव संभावित क्षेत्रों में पंपिंग स्टेशन तथा मोटरों की तैनाती भी की जा रही है। इस मौके पर नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया, एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर वाइएस गुप्ता, संयुक्त आयुक्त सुमित कुमार, विशाल कुमार, अखिलेश यादव व डॉ. जयवीर यादव, जीएमडीए की ज्वाइंट सीईओ सुमन भांकर, चीफ इंजीनियर अरुण धनखड़, निगम चीफ इंजीनियर विजय ढाका, एसई सुधीर रणसीवाल, कार्यकारी अभियंता विक्रम सिंह, संजीव गुप्ता, प्रवीण राघव व सचिन यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कॉपोर्रेट जगत में अपनी योग्यता साबित कर रहे हैं हमारे विद्यार्थीः प्रो. नरसी राम

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने जून 2025 को समाप्त होने वाले शैक्षणिक सत्र के लिए शानदार प्लेसमेंट प्रदर्शन दर्ज किया है। इसमें 18 विभिन्न पाठ्यक्रमों से 155 प्रतिष्ठित कंपनियों में कुल 581 विद्यार्थियों को प्लेसमेंट मिला है। यह सफलता अकादमिक उत्कृष्टता और उद्योग तत्परता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने शनिवार को प्लेसमेंट हासिल करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। कुलपति ने कहा कि हमारे विद्यार्थी कॉपोर्रेट जगत में अपनी योग्यता साबित करना जारी रखते हैं। गुजविप्रौवि विद्यार्थियों प्रतिभा को पोषित करने और पेशेवर भूमिकाओं में उनके सफल प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।प्लेसमेंट निदेशक डॉ. प्रताप सिंह ने कहा कि इस उपलब्धि में प्रमुख योगदान कैरियर वर्स जॉब फेयर 2025 का रहा, जिसके माध्यम से 200 से अधिक विद्यार्थियों ने रोजगार के अवसर हासिल किए, जो विश्वविद्यालय और कॉपोर्रेट क्षेत्र के बीच मजबूत सहयोग को दर्शाता है। कैरियर वर्स 2025 में विभिन्न प्लेसमेंट ड्राइव में, गुजविप्रौवि के पूर्व

विद्यार्थी भर्ती करने के लिए आए। यह इस बात का प्रमाण है कि गुजविप्रौवि के पास पूर्व विद्यार्थियों के संबंध का बहुत मजबूत नेटवर्क है। इस सत्र के दौरान 11.50 लाख रुपये वार्षिक उच्चतम पैकेज भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा पेश किया गया था, जो गुजवि में प्रतिभा पूल में शीर्ष स्तरीय कंपनियों के बढ़ते भरोसे को उजागर करता है।

आबकारी नीति में संशोधन, ई-निविदा की तिथियों में परिवर्तन

संशोधित निविदा कार्यक्रम के तहत गुरुग्राम (पूर्व) में 30 व 31 मई व गुरुग्राम (पश्चिम) में 26 व 27 मई को आयोजित की जाएंगी ई-निविदाएं

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2025-2027 में आबकारी नीति को छह मई 2025 से अनुमोदित किया गया था। संशोधित प्रावधानों के तहत खुदरा शराब जोन के आवंटन के लिए बोली लगाने वालों को अब पहले की तुलना में कम प्रारंभिक निवेश करना होगा।

गुरुग्राम (पूर्व) के लिए संशोधित निविदा कार्यक्रम उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) गुरुग्राम(पूर्व) अमित भाटिया ने बताया कि अब सरकार द्वारा इस नीति में संशोधन करते हुए शराब ठेकों के सफल आबंटियों से लिए जाने वाले सुरक्षा धन की राशि को पूर्व निर्धारित 15 प्रतिशत से घटाकर 11 प्रतिशत कर दिया है और ई-निविदाएं वाले दिन लिए जाने वाले सुरक्षा धन को तीन प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। अब बोलीदाता केवल पांच प्रतिशत सुरक्षा राशि जमा कर कोटा उठाना शुरू कर सकते हैं (पहले यह सात प्रतिशत थी)। पूर्ण कोटा उठाने के अधिकार 11 प्रतिशत सुरक्षा राशि जमा करने के बाद मिलेंगे।

अमित भाटिया ने बताया कि गुरुग्राम (पूर्व) में अब यह ई-निविदाएं 30 और 31 मई 2025 को आयोजित की जाएंगी। प्राप्त ई-निविदाओं का मूल्यांकन 31 मई 2025 को शाम पांच बजे किया जाएगा।

उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) गुरुग्राम (पश्चिम) जितेंद्र डूडी ने बताया कि संशोधन के तहत लाइसेंस फीस भुगतान की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। अब 91 प्रतिशत लाइसेंस फीस मासिक किस्तों में चुकाई जाएगी, जबकि शेष नौ प्रतिशत राशि नीति वर्ष के अंतिम दो महीनों में जमा सुरक्षा राशि से समायोजित कर दी जाएगी। जितेंद्र डुडी ने बताया कि गुरुग्राम (पश्चिम) में अब यह ई-निविदाएं 26 और 27 मई 2025 को आयोजित की जाएंगी। प्राप्त ई-निविदाओं का मूल्यांकन 27 मई 2025 को शाम पांच बजे किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन और निविदा प्रक्रिया में सहायता के लिए उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त (आबकारी) गुरुग्राम (पश्चिम) के कार्यालय पता सेक्टर-32 स्थित संसाधन भवन की पांचवी मंजिल पर से संपर्क किया जा सकता है।

कोरोना से घबराने की आवश्यकता नहीं दवाएं आदि पर्याप्त हैं : आरती राव

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश में कोरोना की दस्तक की आशंकाओं को देखते हुए लोगों को सावधान रहने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार के पास पर्याप्त दवाएं और ऑक्सीजन आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। वे झज्जर में माता अहिल्या बाई होलकर की स्मृति में आयोजित संगोष्ठी में पहुंची थीं।बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में हैं। प्रदेश में आक्सीजन व दवाई सब भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं। नागरिकों को कोरोना से डरने की जरूरत नहीं बल्कि इससे सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पीजीआई रोहतक की लैब को जल्द चेक करके खुलवाया जाएगा, ताकि कोरोना की आशंका वाले रोगियों के नमूने लेकर की समय पर जांच की जा सके। मंत्री आरती सिंह ने कहा कि माता अहिल्या बाई होलकर ऐसी प्रतिमूर्ति थी, जिनमें मां से लेकर शासक तक का समावेश था। उन्होंने

निर्विवाद व निष्पक्ष शासक के रूप में खुद को पेश करके एक मिसाल कायम की, जो सराहनीय है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव झज्जर स्थित लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में देवी अहिल्या बाई होलकर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के उपलक्ष्य में आयोजित जिला संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। इससे पूर्व उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर संगोष्ठी का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होलकर का जीवन हम सभी के लिए एक अमूल्य प्रेरणा है,युवा पीढी को उनके बताए मार्ग पर चलकर देश व प्रदेश के विकास में योगदान देना चाहिए। अहिल्याबाई होलकर बचपन से ही वे धार्मिक, बुद्धिमान और परोपकारी स्वभाव की थी।

विपक्ष की सरकारों ने अहिल्याबाई होलकर के इतिहास को छिपायाः डा. सुधा यादव

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव ने कहा कि देवी अहिल्याबाई का जीवन समर्पण, न्याय और सेवा का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने न केवल मालवा क्षेत्र का विकास किया, बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित किया। पूर्व की सरकारों पर निशाना साधते हुए डा. सुधा यादव ने कहा कि विपक्ष की सरकारों ने अहिल्याबाई होलकर के इतिहास को छिपाया। यह बात उन्होंने भाजपा कार्यालय में महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं

जयंती पर संगोष्ठी में कही। संगोष्ठी में पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, बल्लभगढ़ के प्रभारी कमल यादव समेत कई नेताओं ने शिरकत की। इस अवसर पर गडरिया समाज के लोगों को सम्मानित भी किया गया।डा. सुधा यादव ने कहा कि समाज और आने वाली पीढ़ी को अच्छे शासकों और इतिहास की जानकारी देना हमारा कर्तव्य है। एक महिला शासक के रूप में अहिल्याबाई होल्कर ने समाज और देश के लिए जो किया वह कल्पना से परे है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को महिलाओं ने लीड किया ऐसे ही 300 साल पहले अहिल्याबाई होलकर ने करके दिखाया। समाज को आगे बढ़ाने, राष्ट्र का विकास, अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का भला कैसे हो इसे अहिल्याबाई होलकर ने साकार करके दिखाया डा. सुधा यादव ने कहा कि मजबूत प्रशासक के रूप में लिए गए निर्णय को जमीन पर उतारकर रानी अहिल्यायबाई होलकर ने फलीभूत किया। देवी अहिल्याबाई होलकर की सेना में 500 ऐसी महिलाएं थीं जो हर समय युद्ध के लिए तैयार रहती थी। उन्होंने कहा कि भारत में महिलाओं की स्थिति शुरू से ही अच्छी रही है।

ऋषि-मुनियों के सिद्धांतों पर चलकर ही भारत बनेगा महानः कृष्ण लाल पंवार

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन एवं भू विज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि विश्व में अगर अमन की स्थापना करनी है तो हमें संतों के बताए मार्ग पर चलते हुए जातिपाति के भेदभाव से ऊपर उठकर समाज के सभी वर्गों के बच्चों को उच्च कोटि की आधुनिक शिक्षा देने के और अधिक अवसर उपलब्ध करवाने होंगे। वे शनिवार को इसराना में महर्षि कश्यप जयंती समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को महर्षि कश्यप के बताए मार्ग पर चलते हुए समाज में फैली बुराईयों को मिटाने का और अधिक प्रयास करना चाहिए ताकि समाज में आपसी भाईचारे तथा मानवता की भावना को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने भी हमारे सभी ऋषि-मुनियों और संत महात्माओं की जयंती प्रदेश व जिला स्तर पर सरकारी तौर से मनाने का निर्णय लिया है। कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि संतों से प्रेरणा लेकर कुछ न कुछ समाज के लिए अच्छा करना प्रत्येक समझदार व्यक्ति का कर्त्तव्य है। उन्होंने भारतीय संस्कृति में संत को उन्नायक के रूप में सबसे अधिक महत्त्व दिया।

सेवा भारती के कार्यकर्ता जरूरतमंदों की सेवा में सदैव तत्पर हैं : रणबीर गंगवा

एजेंसी

हिसार। सेवा भारती की ओर से देशबंधु सेवा सदन बरवाला के भवन निर्माण के लिए आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में शनिवार को कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सेवा भारती संगठन समाज के लिए अद्वितीय कार्य कर रहा है।कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने शनिवार को कहा कि सेवा भारती संगठन शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है।

संगठन द्वारा संचालित विभिन्न प्रकल्प समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए समरसता व सेवा का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा भारती के कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के गरीबों, वंचितों और जरूरतमंदों की सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं। यह संगठन सामाजिक समरसता का सशक्त प्रतीक बन चुका है। कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने देशबंधु जी के जीवन से प्रेरणा लेने की बात करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने समाज के लिए जो मूल्य निर्धारित

किए, वे आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके विचारों से प्रेरित होकर आज भी हजारों कार्यकर्ता निस्वार्थ भाव से समाज सेवा में जुटे हैं।कार्यक्रम में अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री एवं महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद जी महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य प्रेम गोयल, नगरपालिका चेयरमैन रमेश बैटरीवाला, हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चेयरमैन सतबीर सिंह वर्मा, भाजपा नेता रणधीर सिंह धीरु, कमल सर्राफ, बृजलता, रमेश सिंगला, संजीव गुप्ता, राजबीर वर्मा, रामलाल सहित समाजसेवी एवं संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

न्याय दिलाने के लिए विशेष प्रयास कर रहा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण : सीजेएम आराधना साहनी

एजेंसी

हिसार। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा समाज के विशेष वर्गों को न्याय प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए, एलएसयूएम तथा एलएसयूसी के सदस्यों की बैठक का आयोजन शनिवार को एडीआर केंद्र में किया गया। इस बैठक का आयोजन जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरपर्सन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश आराधना साहनी के दिशा-निर्देशन में तथा सीजेएम-कम-सचिव अशोक कुमार की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक का उद्देश्य दोनों इकाइयों की भूमिका, कार्यप्रणाली और लक्ष्य तय करना था।सीजेएम अशोक कुमार ने बताया कि ये दोनों इकाइयाँ बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं योजना-2024 के तहत गठित की गई हैं, जिनका लक्ष्य मानसिक, बौद्धिक रूप से अक्षम व्यक्तियों तथा बच्चों को न्याय दिलाना है। सीजेएम अशोक कुमार ने बताया कि एलएसयूएम का गठन विशेष रूप से उन व्यक्तियों की सहायता के लिए किया गया है जो मानसिक बीमारी या बौद्धिक अक्षमता से पीड़ित हैं। अक्सर देखा गया है कि ऐसे लोग न्याय तक पहुँच नहीं पाते

या अपनी बात ठीक से नहीं रख पाते।एलएसयूएम इकाई इन लोगों को न्याय दिलाने के लिए एक संवेदनशील, समर्पित और प्रशिक्षित टीम के साथ कार्य करेगी। इसमें विशेषज्ञ अधिवक्ता, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता व परामर्शदाता शामिल किए गए हैं, जो उनके मामलों को गंभीरता से समझते हुए आगे बढ़ाएंगे। इसके अलावा, एलएसयूएम के माध्यम से समाज को भी जागरूक किया जाएगा कि ऐसे व्यक्तियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाए और कैसे उन्हें मुख्यधारा में लाया जाए।बैठक में सीजेएम अशोक कुमार ने बताया कि एलएसयूसी का गठन बाल अधिकारों की रक्षा के लिए किया गया है। इस इकाई का उद्देश्य बच्चों को बाल-अनुकूल वातावरण में कानूनी सहायता प्रदान करना है। बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराध जैसे बाल उत्पीड़न, बाल श्रम, बाल विवाह, बाल शोषण आदि मामलों में एलएसयूसी प्रभावी भूमिका निभाएगा। यह इकाई बच्चों को न सिर्फ कानूनी जानकारी व सहायता देगी बल्कि उनके माता-पिता व शिक्षकों को भी जागरूक करेगी। उन्होंने बताया कि एलएसयूसी के सदस्य स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, किशोर ग्रहों, और बाल सुधार गृहों में नियमित दौरे कर समस्याओं को चिन्हित करेंगे। साथ ही पीड़ित बच्चों के लिए समुचित परामर्श व पुनर्वास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

करनाल में 29 को होगा राज्य स्तरीय महाराणा प्रताप जयंती समारोहः योगेंद्र राणा

चंडीगढ़। हरियाणा में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी का जयंती समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसका आयोजन कोई एक जाति विशेष नहीं बल्कि सर्व समाज के लोग करने जा रहे हैं और सर्व समाज ही इस कार्यक्रम में हिस्सा लेगा। इस आयोजन के माध्यम से हरियाणा के लोग पूरे देश को आपसी भाईचारे का संदेश देंगे। उक्त विचार करनाल जिले के असंध से विधायक योगेंद्र राणा ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि 29 मई को करनाल जिले के गांव सालवन में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप का राज्य स्तरीय जयंती समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में हजारों की संख्या लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व राजस्थान से यहां आने वाले लोगो का स्वागत गांवों की पंचायतों व सभी 36 बिरादरी के लोग करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा में संत-महापुरुषों के जन्म दिवस आदि मनाने का कोई चलन नहीं था।

गुरुग्राम में भव्यता से शुर हुआ जश्न-ए-अदब कल्चरल कारवां विरासत समारोह

एजेंसी

गुरुग्राम। सुर, शायरी, कथक और कहानियां यहां एक मंच पर सजे। जश्न-ए-अदब कल्चरल कारवां विरासत विषयक साहित्योत्सव में यह सब देखने को मिला। इसकी शुरुआत गुरुग्राम के द एस्प्लेनेड मॉल सेक्टर 37सी में शुरुआत हुई। उद्घाटन के साथ ही शुरू हुई कथक-कथा, जहाँ रिचा जैन और उनके ग्रुप के थिरकते पैरों और घुंघरुओं की आवाज में इतिहास और नृत्य की मधुर मिलन गाथा सुनाई दी। रिचा जैन और उनके ग्रुप ने अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम पर शानदार परफॉरमेंस दी। इसके बाद लेखक डॉ. महेन्द्र भीष्म अपनी चर्चित कृति कहानी एक किरदार अनेक के बहाने भारती जी के साथ संवाद में भारतीय समाज की परतें खोली। शाम को महफिल में कवियों और शायरों-गुलजार वानी (आईआरएस),

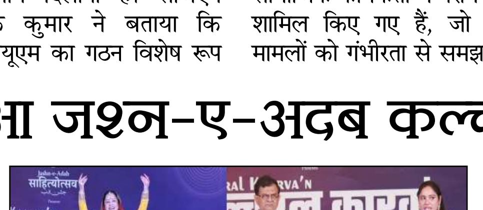

मीनाक्षी जिजीविषा, रंजन निगम, अनस फैजी, इमरान राही, शाकिर देहलवी, हमजा बिलाल और नितिन कबीर जैसी नामचीन हस्तियों ने अपनी रचनाओं से दर्शकों के दिलों को छू लिआ। शाम ढलते-ढलते मंच पर पद्म भूषण पं. साजन मिश्रा और स्वरांश मिश्रा ने शास्त्रीय गायकी से मन को वृंदावन की गलियों में पहुंचा दिया। फिर डॉ. ममता जोशी और उनके ग्रुप की सूफियाना पेशकश मोहे लागी लगन के साथ पहले दिन का समापन किया। सुरों, शब्दों और संस्कृति का महासंगम कल भी जारी रहेगा। इस अवसर पर जश्न-ए-अदब कल्चरल कारवां विरासत के संस्थापक कुंवर रंजीत चौहान ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि भारत की गंगा-जमुनी तहजीब को, हमारी विरासत को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाना है। जश्न-ए-अदब उसी भावना का विस्तार है, जहां शब्दों और सुरों से हम एक साझा सांस्कृतिक मंच रचते है।

न्यायालय ने फर्स्ट् गेम्स को भेजे गए 5,712 करोड़ रुपये के जीएसटी नोटिस पर रोक लगाईः पेटीएम

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के स्वामित्व वाले रियल मनी गेमिंग मंच फर्स्ट् गेम्स को भेजे गए 5,712 करोड़ रुपये के जीएसटी नोटिस पर रोक लगा दी है। पेटीएम ब्रांड नाम के तहत कारोबार करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय, नयी दिल्ली ने अप्रैल में फर्स्ट् गेम्स को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया था। शेयर बाजार को दी गई जानकारी में कहा गया, फर्स्ट् गेम्स ने हमें 24 मई, 2025 को सुबह 10:44 बजे (आईएसटी) बताया कि उक्त कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने वाली फर्स्ट् गेम्स की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए माननीय उच्चतम न्यायालय ने 23 मई, 2025 को एससीएन की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि कर का मामला एक उद्योग-व्यापी मुद्दा है और फर्स्ट् गेम्स तक सीमित नहीं है। इस मामले की सुनवाई न्यायालय कर रहा है।

जेके सीमेंट का मुनाफा चौथी तिमाही में 64.4 प्रतिशत बढ़कर 361.3 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। जेके सीमेंट लिमिटेड ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 64.5 प्रतिशत बढ़कर 361.33 करोड़ रुपये हो गया।जेके सीमेंट लिमिटेड (जेकेसीएल) ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी ने एक साल पहले जनवरी-मार्च तिमाही में 219.68 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। मार्च तिमाही में परिचालन राजस्व 15.3 प्रतिशत बढ़कर 3,581.18 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी अवधि में यह 3,105.77 करोड़ रुपये था। जेकेसीएल का कुल खर्च मार्च तिमाही में 3,092.04 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही से 9.8 फीसदी ज्यादा है।

उप्र सरकार का 2026-27 तक 347 नयी टीएचआर इकाइयां स्थापित करने का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने कुपोषण दूर करने के लिए वित्त वर्ष 2026-27 तक राज्य में 347 नई टीएचआर इकाइयां स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया कि राज्य में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार कुपोषण के खिलाफ अपने अभियान को तेज कर रही है। इस समय 43 जिलों में 204 'टेक होम राशन' (टीएचआर) इकाइयों से 288 परियोजनाओं को आपूर्ति हो रही है और अब 2026-27 तक 347 नई टीएचआर इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के लिए 273.50 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है, जिससे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के लिए पौष्टिक आहार सुनिश्चित होगा। बयान के अनुसार योजना के तहत विकेंद्रीकृत भुगतान व्यवस्था लागू की गई है, जिसके लिए कुल 273.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। संतकबीर नगर, अंबेडकरनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, अलीगढ़, बांदा, इटावा, प्रतापगढ़, ललितपुर, औरैया और महोबा जैसे जनपदों ने शत-प्रतिशत भुगतान पूरा कर लिया है, जो इस योजना की सफलता को दर्शाता है।

'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट' निवेशक सम्मेलन में 4.18 लाख करोड़ रुपये के करार की घोषणाः सिंधिया

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि दिल्ली में चल रहे 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट' निवेशक सम्मेलन 2025 में 4.18 लाख करोड़ रुपये के करार की घोषणा की गई। इस सम्मेलन का उद्घाटन शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। इसका उद्देश्य इस क्षेत्र को अवसरों की भूमि के रूप में स्थापित करना, वैश्विक और घरेलू निवेश को आकर्षित करना और प्रमुख हितधारकों, निवेशकों तथा नीति निर्माताओं को एक मंच पर लाना है। सिंधिया ने संवाददाताओं को बताया, पहली बार पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों के लिए एक संयुक्त कार्यक्रम चल रहा है। इसके लिए बेंगलुरु, मुंबई, अहमदाबाद, चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता और इंदौर जैसे शहरों में रोड शो आयोजित किए गए। विभिन्न औद्योगिक समूहों के साथ बैठकें की गईं।

जापान को पछाड़ भारत बना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अगले तीन वर्षों में जर्मनी से होगा आगे

एजेंसी
नई दिल्ली। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले 2.5 से 3 वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। सुब्रह्मण्यम ने 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल मीटिंग की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं जब बोल रहा हूं, तब हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी हैं और यह मेरा डेटा नहीं है। यह आईएमएफ का डेटा है। आज भारत जापान से भी बड़ी अर्थव्यवस्था है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, तो भारत अगले 2, 2.5 से 3 वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका की जीडीपी वृद्धि इस साल 1.8 प्रतिशत तक धीमी होने की उम्मीद है, जो 2026 1.7 प्रतिशत तक रह जाएगी। वहीं, यूरोप की वृद्धि दर 2025 में मात्र 0.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, 2026 में इसमें रिकवरी देखने को मिलेगी और यह 1.2 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी।

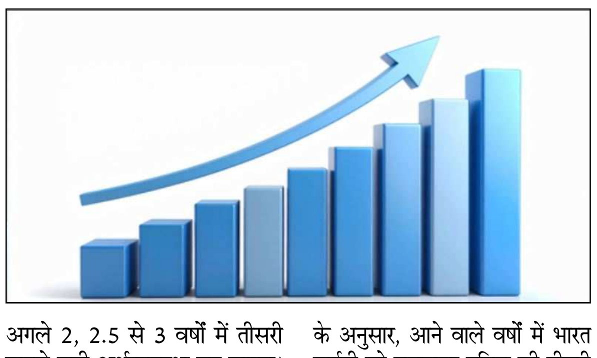

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.92 प्रतिशत उबलकर 61.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.39 प्रतिशत की तेजी लेकर 65.03 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एलआईसी ने 24 घंटे में सर्वाधिक जीवन बीमा पॉलिसियां बेचने का बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी
नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बड़ी उपल्बिध हासिल की है। कंपनी ने 24 घंटे में सबसे ज्यादा जीवन बीमा पॉलिसियां बेचने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड (जीडब्ल्यूआर) का खिताब हासिल किया है। बीमा कंपनी के एजेंटों ने 20 जनवरी, 2025 को भारत में रिकॉर्ड 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसियां बेचीं है। जीवन बीमा कंपनी ने एक बयान में बताया कि भारतीय जीवन बीमा निगम को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा जीवन बीमा पॉलिसियां बेचने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का खिताब जीता है। एलआईसी के एजेंटों ने 20 जनवरी, 2025 को पूरे भारत में रिकॉर्ड 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसियां बेचीं। जीवन बीमा कंपनी ने कहा कि 20 जनवरी, 2025 को एलआईसी के कुल 4,52,839 एजेंटों ने पूरे भारत में 5,88,107 जीवन बीमा पॉलिसियां सफलतापूर्वक पूरी कीं और जारी कीं। इस शानदार प्रयास ने 24 घंटे की अवधि के भीतर जीवन बीमा उद्योग में एजेंट उत्पादकता के लिए एक नया वैश्विक मानक स्थापित किया है। जीवन बीमा पॉलिसियों की यह रिकॉर्ड बिक्री प्रत्येक एजेंट से मैड मिलियन डे यानी 20 जनवरी, 2025 को कम से कम एक पॉलिसी पूरी करने की अपील का हिस्सा थी। कंपनी की यह उपलब्धि 24 घंटे की अवधि के भीतर जीवन बीमा उद्योग में एजेंट उत्पादकता के लिए एक नया वैश्विक बेंचमार्क है। एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि यह उपलब्धि अपने ग्राहकों और उनके परिवारों को महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के अपने मिशन के प्रति निगम की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति और चीन के पीएम ने की टैरिफ पर चर्चा, मलयेशिया ने कहा- हम एकजुट हों

एजेंसी
बीजिंग। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने रविवार को इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो से मुलाकात की और अमेरिका के वैश्विक व्यापार युद्ध तथा आर्थिक वैश्वीकरण के समक्ष चुनौतियों के दौरान व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। ली दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इंडोनेशिया की तीन दिवसीय यात्रा पर शनिवार दोपहर को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे। यह इस साल उनकी पहली विदेश यात्रा का पहला पड़ाव था। इंडोनेशिया और चीन 20 प्रमुख विकासशील देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं व ब्रिक्स के सदस्य देश हैं। ली रविवार शाम को इंडोनेशिया-चीन व्यापार स्वागत समारोह में अपने संबोधन के लिए 60 प्रमुख चीनी व्यवसायियों को अपने साथ लाए। उन्होंने अपने भाषण में इस बात पर जोर दिया कि बढ़ती बाहरी चुनौतियों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था ने इस साल तेजी से विकास हासिल किया है। ली ने इस कार्यक्रम में कहा, वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय स्थिति गतिरोध की स्थिति में है, एकतरफावाद और संरक्षणवाद बढ़ रहा है, धमकाने वाला व्यवहार बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम में सुबियांटो भी मौजूद थे।

ली ने कहा कि इस वर्ष गुटनिरपेक्ष आंदोलन की 70वीं वर्षगांठ है, जिसे एशियाई और अफ्रीकी देशों द्वारा इंडोनेशिया के बांडुंग शहर में आयोजित किया गया था, जब सात दशक से अधिक समय पहले विश्व एक ऐतिहासिक चौराहे पर था। ली ने कहा कि एकजुटता, मैत्री और सहयोग की बांडुंग भावना ने वैश्विक दक्षिण देशों की एकता और सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।ली ने कहा, सात दशक से भी अधिक समय बाद, दुनिया एक बार फिर महत्वपूर्ण चौराहे पर है।उन्होंने सभी देशों से बातचीत और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के माध्यम से मतभेदों को सुलझाते हुए साझा आधार तलाशने का आह्वान किया। मलेशिया ने कहा- अमेरिकी टैरिफ से निपटने के लिए एकजुट रहना चाहिए मलेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद हसन ने रविवार को कहा कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण में तेजी लानी चाहिए।

ईपीएफ पर वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दर को मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 फीसदी ब्याज दर को मंजूरी दी है। इससे ईपीएफओ अपने 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों के भविष्य निधि पर वार्षिक ब्याज को जमा कर सकेगा। इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। श्रम मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईपीएफ पर 8.25 फीसदी ब्याज दर पर अपनी सहमति दे दी है। श्रम मंत्रालय ने गुरुवार को ईपीएफओ को इस बारे में एक पत्र भेजा है। दरअसल कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 28 फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.25 फीसदी की ब्याज दर को बरकरार रखने का फैसला किया था। ये इससे पिछले वित्त वर्ष में दिये गये ब्याज दर के बराबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 28 फरवरी को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर 8.25 प्रतिशत की ब्याज दर बरकरार रखने का फैसला किया था, जो पिछले वित्त वर्ष में दी गई दर के बराबर है। 2024-25 के लिए स्वीकृत ब्याज दर को वित्त मंत्रालय की सहमति के लिए भेजा गया था। ईपीएफओ एक्ट के तहत कर्मचारी की बेसिक सैलरी+महंगाई भत्ता का 12 फीसदी राशि ईपीएफ अकाउंट में जाता है। कंपनी भी कर्मचारी की बेसिक सैलरी+महंगाई भत्ता का 12 फीसदी जमा करती है। कंपनी के 12 फीसदी हिस्से में से 3.67 फीसदी पीएफ अकाउंट में जाता है, जबकि बाकी 8.33 फीसदी धनराशि पेंशन स्कीम में जाता है। वहीं, कर्मचारी के हिस्से का सारा पैसा ईपीएफ अकाउंट में जाता है।

दरअसल 2022 में ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए अपने सात करोड़ से अधिक ग्राहकों के लिए ईपीएफ पर ब्याज को घटाकर चार दशक से ज्यादा के निचले स्तर 8.10 फीसदी कर दिया था। वित्त वर्ष 2020-21 में यह ब्याज दर 8.5 फीसदी थी। ईपीएफ पर 8.10 फीसदी ब्याज दर 1977-78 के बाद से सबसे कम थी, उस वक्त ये दर सिर्फ आठ फीसदी थी। ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर घटाकर सात साल के निचले स्तर 8.5 फीसदी कर दिया था, जो वित्त वर्ष 2018-19 के लिए 8.65 प्रतिशत था।

जिंसों में टिकाव

एजेंसी
नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर मांग कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव स्थिर रहे। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और पिछले स्तर पर पड़े रहे।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टीके रहे।

दाल-दलहनः दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

'जातिगत जनगणना विभाजनकारी नहीं', एनसीएससी के अध्यक्ष बोले- आंकड़ों से सामाजिक न्याय होगा मजबूत

एजेंसी
मुंबई। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने जातिगत गणना से समाज में खाई पैदा होने के आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि एकत्र किए गए आंकड़े नीतिगत निर्णय लेने में आधार के रूप में काम आएंगे। इससे सामाजिक न्याय को मजबूती मिलेगी। आयोग के मुखिया ने कहा कि इससे हाशिए पर पड़े पिछड़े समुदायों के उत्थान में मदद मिलेगी।

भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की ओर से अगली जनगणना में जातिगत गणना को शामिल किए जाने का मकवाना ने स्वागत कहा है। उन्होंने कहा कि 2011 से उलट इस बार, ÷निश्चित आंकड़े उपलब्ध होंगे÷ जिससे कल्याणकारी योजनाओं तक आनुपातिक पहुंच सुनिश्चित को सकेगी। यूपीए सरकार ने 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना करवाई थी, जो 1931 के बाद से देश भर में जाति के आंकड़े एकत्र करने की पहली कोशिश थी। हालांकि, 2011 की जनगणना के जातिगत आंकड़े कभी भी पूरी तरह से जारी या उपयोग नहीं किए गए। जातिगत जनगणना से सांप्रदायिक विभाजन पैदा होने की चिंताओं को खारिज करते हुए मकवाना ने कहा, 'इससे जाति के आधार पर कोई विभाजन पैदा नहीं होगा। बल्कि, इससे सामाजिक न्याय मजबूत होगा। उन्होंने कहा, यह पिछड़ी जातियों का उत्थान करेगा और अनुसूचित जाति समुदाय के लिए बाबासाहेब अंबेडकर के सपने के सभी तीन पहलुओं -सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक- को मजबूत करेगा। एनसीएससी अध्यक्ष ने कहा कि जाति जनगणना से सटीक आंकड़े मिलेंगे। इससे मुद्रा योजना जैसी योजनाओं के लाभार्थियों को बेहतर तरीके सुविधाएं दी जा सकेंगी। उन्होंने कहा, इससे यह सुनिश्चित होगा कि जो लोग वंचित रह गए हैं, उन्हें अंततः उनका हक मिले। मकवाना ने साफ किया कि एनसीएससी सीधे तौर पर गणना प्रक्रिया में शामिल नहीं होगी।

तेलंगाना का 2047 तक जीडीपी में आठ प्रतिशत योगदान का लक्ष्य : मुख्यमंत्री रेड्डी

एजेंसी
नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश के राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आठ प्रतिशत का योगदान करना है। उन्होंने छह प्रमुख महानगरीय शहरों को विकसित करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्य दल बनाने का प्रस्ताव भी रखा। रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग की 10वीं शासी परिषद की बैठक में कहा कि तेलंगाना देश की आजादी की शताब्दी के लिए सरकार के लक्ष्य ÷विकसित भारत को हासिल करने की दिशा में जारी प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए तैयार है।रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्य वर्तमान में भारत की जीडीपी में लगभग 2.5 प्रतिशत का योगदान देता है, जबकि इसकी आबादी 2.9 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, ÷तेलंगाना इस जिम्मेदारी को निभाने और विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने छह महानगरों- मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता, चेन्नई और हैदराबाद की क्षमता का दोहन करने के लिए प्रधानमंत्री और संबंधित मुख्यमंत्रियों के अधीन एक राष्ट्रीय कार्य दल की स्थापना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि ये छह शहर आर्थिक वृद्धि, नवाचार और रोजगार सृजन के इंजन के रूप में काम करते हैं।

एनटीपीसी का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़कर 7,897 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने बताया कि मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ लगभग 22 प्रतिशत बढ़कर 7,897.14 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 6,490.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान एनटीपीसी की परिचालन आय सालाना आधार पर 47,628.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 49,833.70 करोड़ रुपये हो गई। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 23,953.15 करोड़ रुपये हो गया, जो 2023-24 में 21,332.45 करोड़ रुपये था। इस दौरान परिचालन आय भी 1,78,524.80 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,88,138.06 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने 2024-25 के लिए 33.50 प्रतिशत (3.35 रुपये प्रति शेयर) का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है।

पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ के आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की, एफटीए पर हुई चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की। यह दोनों नेताओं की एक महीने के भीतर दूसरी मुलाकात थी, जिसमें भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा की गई। गोयल ने इस महीने की शुरुआत में अपने यूरोपीय संघ समकक्ष के साथ बैठक की थी। यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर इस मुलाकात और बातचीत की जानकारी दी है। यूरोपीय संघ के अधिकारी मारोस सेफकोविक ने एक्स पोस्ट के माध्यम से कहा, अपने मित्र और समकक्ष पीयूष गोयल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। हम लगातार प्रगति कर रहे हैं। आइए, हम कड़ी मेहनत और स्पष्ट फोकस के साथ गति बनाए रखें। मैं जल्द ही हमारी अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहा हूं। वहीं, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मारोस सेफकोविक के पोस्ट के जवाब में 'एक्स' पर लिखा है, मेरे मित्र, गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। हम भारत और यूरोपीय संघ की साझा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, हम इस गति को जारी रखें! अमेरिका के दौरे पर गए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 23 मई को वाशिंगटन से ब्रुसेल्स पहुंचे, जबकि भारत के मुख्य वार्ताकार एल. सत्य श्रीनिवास और उनकी टीम भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता के लिए पहले से ही यूरोपीय संघ मुख्यालय में मौजूद हैं। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब दोनों पक्ष जुलाई तक अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ के अनुसार ईयू-भारत व्यापार वार्ता गति पकड़ रही है, दोनों पक्षों का लक्ष्य 2025 के अंत तक एक समझौते को पूरा करना है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत में तेजी लाने के लिए डच समर्थन भी मांगा, जिसे भारत 2025 के अंत तक पूरा करने की उम्मीद करता है। दोनों पक्षों के अधिकारियों ने हाल ही में 16 मई को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ग्यारहवें दौर की वार्ता पूरी की है।

गोयल ने इस महीने की शुरुआत में अपने यूरोपीय संघ समकक्ष के साथ बैठक की थी।

आम खाकर न फेंके इसकी गुठली, सेहत को देती है गजब के फायदे

गर्मियों का फल आम बच्चों से लेकर बड़ों तक को पसंद होता है. इसे कई तरह से खाते हैं. कुछ शेक बनाकर तो कुछ आम रस बनाकर. लेकिन इसकी गुठली को बेकार समझकर फेक देते हैं. पर आप नहीं जानते कि इसकी गुठली सेहत के लिए वरदान हैं. चलिए इस आर्टिकल में बताते हैं आम की गुठली सेहत को कौन-कौन से फायदे पहुंचा सकती है.

गर्मियों का मौसम आम के बिना अधूरा लगता है. आम न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन होता है, बल्कि इसे 'फलों का राजा' भी कहा जाता है. मीठा, रसीला और खुशबूदार आम हर उम्र के लोगों को पसंद आता है. आम खाने के बाद हम अक्सर इसकी गुठली को बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यही आम की गुठली हमारी सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हो सकती है?

आम की गुठली में मौजूद पोषक तत्व और औषधीय गुण हमारे शरीर को कई समस्याओं से बचाने और इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद करते हैं. आयुर्वेद में तो आम की गुठली का उपयोग वर्षों से कई उपचारों में किया जाता रहा है. चलिए आज इस आर्टिकल में जानते हैं आम की गुठली से होने वाले 5 बेहतरीन सेहतमंद फायदे, जिन्हें जानने के बाद आप इसे फेंकने से पहले दो बार जरूर सोचेंगे.

1. डायरिया और दस्त में राहत

आम की गुठली पाचन के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है. इसके पाउडर का सेवन डायरिया और लूज मोशन जैसी समस्याओं में काफी असरदार होता है. ये आंतों को मजबूत करता है और पेट को शांत रखता है. इसके लिए गुठली को सुखाकर उसका पाउडर बना लें और एक चुटकी शहद के साथ लें.

2. कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक

गुठली में मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने में मदद करते हैं, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है. येह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाकर दिल को हेल्दी रखती है.

3. डायबिटीज कंट्रोल करने में मददगार

आम की गुठली का सेवन ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है. इसमें कुछ ऐसे कंपाउंड्स होते हैं जो इंसुलिन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं और शरीर में शुगर के अब्जॉर्प्शन को बैलेंस करते हैं.

4. बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद

आम की गुठली से बना तेल बालों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है. ये बालों को मुलायम, मजबूत और चमकदार बनाता है. साथ ही, ये स्किन को मॉइस्चराइज करता है और ड्राईनेस व झुर्रियों को कम करता है. यानी ये कोलेजन बढ़ाने के लिए भी अच्छी है. गुठली के बीज से निकले तेल को बालों और त्वचा पर लगाया जा सकता है.

5. वजन घटाने में मददगार

गुठली में मौजूद फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है और भूख को कंट्रोल करता है. इसका नियमित सेवन मेटाबॉलिज़्म को तेज करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है.

तमिलनाडु में बच्चों के शिक्षा के मौलिक अधिकार का हनन

तमिलनाडु में दो भाषा नीति है- तमिल और अंग्रेजी। 1968 से ही यह लगातार हिंदी थोपने का विरोध करता रहा है, जब राज्य की विधानसभा में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। इतना ही नहीं, तमिलनाडु तमिल लर्निंग एक्ट 2006 में कक्षा 1 से 10 तक तमिल की शिक्षा अनिवार्य है। तमिलनाडु यूनिफॉर्म सिस्टम ऑफ स्कूल एजुकेशन एक्ट 2010 नामक एक और अधिनियम है।

तमिलनाडु के बच्चे केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और राज्य में सीएम एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली इंडिया ब्लॉक सरकार के बीच राजनीतिक टकराव में फंस गये हैं। केंद्र नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत तीन-भाषा फॉर्मूले को लागू करने पर जोर दे रहा है, और राज्य इसे लागू करने से इंकार कर रहा है। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गयी है जिसमें शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत बच्चों के मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 9 मई, 2025 को कहा था कि न्यायालय किसी भी राज्य को एनईपी अपनाने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। फिर भी, तीन-भाषा फार्मूले के कार्यान्वयन को लागू करने के लिए, केंद्र ने धन जारी करने पर रोक लगा दी है, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षा के अधिकार के तहत प्रवेश में देरी हो रही है। अब, तमिलनाडु ने 2,151 करोड़ रुपये के शिक्षा कोष को रोक रखने के मामले में केंद्र के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है।तमिलनाडु ने केंद्र सरकार पर एनईपी 2020 और पीएम श्री स्कूल योजना से केन्द्रीय आवंटन जारी करने को जोड़कर संघीय अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है। राज्य द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया है, %इस तरह की जबरदस्ती की रणनीति न तो कानूनी रूप से स्वीकार्य है और न ही राज्य के कानून के अनुरूप है, खासकर राज्य द्वारा अपनाये गये दो-भाषा फार्मूले के आलोक में।तमिलनाडु ने 2024-25 के लिए समग्र शिक्षा योजना (एसएसएस) के तहत शिक्षा कोष में 2151 करोड़ रुपये जारी करने की मांग की है, और साथ में मूल राशि पर 6 प्रतिशत ब्याज की भी। इस प्रकार मुकदमे । कुल दावा 2291.3 करोड़ रुपये है।तमिलनाडु ने अपनी याचिका में कहा है कि एसएसएस के तहत केंद्र द्वारा अपने %अनिवार्य हिस्से% को रोके रखने से बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (आरटीई अधिनियम) का कार्यान्वयन बाधित हुआ है और राज्य में 43.94 लाख से अधिक छात्रों, 2.21 लाख शिक्षकों और 32,701 स्कूल कर्मचारियों के संवैधानिक अधिकार प्रभावित हुए हैं।तमिलनाडु का कहना है कि भारत संघ के शिक्षा मंत्रालय के परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) ने फरवरी 2024 की बैठक में एसएसएस के तहत राज्य के लिए 3,585.99 करोड़ रुपये मंजूर किये थे, जिसमें से 2,151.59 करोड़ रुपये 60¬40 लागत-साझाकरण फॉर्मूले के आधार पर केंद्र का हिस्सा था। फिर भी, केंद्र ने एक भी किस्त जारी नहीं की है। राज्य ने आरोप लगाया कि केंद्र ने ऐसा राज्य द्वारा एनईपी 2020 को पूरी तरह से अपनाने और पीएम श्री स्कूल योजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने से इंकार करने के कारण किया है।तमिलनाडु में दो भाषा नीति है- तमिल और अंग्रेजी। 1968 से ही यह लगातार हिंदी थोपने का विरोध करता रहा है, जब राज्य की विधानसभा में इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। इतना ही नहीं, तमिलनाडु तमिल लर्निंग एक्ट 2006 में कक्षा 1 से 10 तक तमिल की शिक्षा अनिवार्य है। तमिलनाडु यूनिफॉर्म सिस्टम ऑफ स्कूल एजुकेशन एक्ट 2010 नामक एक और अधिनियम है।फिर भी, केंद्र द्वारा एनईपी-2020 को लागू करने के लिए इन कानूनों को कमजोर किया जा रहा है, जो केवल एक नीति और विजन स्टेटमेंट है... जिसमें राज्य पर बाध्यकारी कोई कार्यकारी या विधायी बल नहीं है।तमिलनाडु द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि केंद्र ने तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल को छोड़कर सभी राज्यों को समग्र शिक्षा योजना के तहत धन जारी किया है।9 मई, 2025 को ही भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एनईपी 2020 को लागू करने के लिए तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल सरकारों को निर्देश देने की मांग वाली जनहित याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया था, यह कहते हुए कि अदालत किसी भी राज्य को इसे अपनाने के लिए बाध्य नहीं कर सकती। न्यायाधीश जे बी पारदीवाला और न्यायाधीश आर महादेवन की पीठ ने कहा कि, वे तभी हस्तक्षेप करेंगे जब एनईपी 2020 से संबंधित किसी राज्य की कार्रवाई या निष्क्रियता किसी मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती हो। जनहित याचिका तमिलनाडु के एक वकील और भाजपा नेता ने दायर की थी।कुछ दिन पहले ही 16 मई को तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार से एसएसएस के तहत 2151.59 करोड़ रुपये की लंबित बकाया राशि जारी करने का आग्रह किया था, जिसमें आरटीई प्रवेश के लिए 617 करोड़ रुपये भी शामिल थे।राज्य में भाजपा की सहयोगी एआईएडीएम के पिछले दो वर्षों से निजी स्कूलों को आरटीइ प्रीतिपूर्ति निधि में देरी करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना कर रही है, जिसके कारण इस शैक्षणिक वर्ष में आरटीई प्रवेश में देरी हुई है।राज्य सरकार ने परियोजना अनुमोदन बोर्ड की बैठक के दौरान 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भी सौंपा है, जिसके परिणामस्वरूप केंद्र द्वारा 2,733.58 करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी गयी, जिसमें केंद्र का हिस्सा 2151.59 करोड़ रुपये होगा। तमिलनाडु ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पहली किस्त जारी करने के साथ-साथ वर्ष 2024-25 के लिए पूरी अनुमोदित धनराशि जारी करने का अनुरोध किया है।मद्रास उच्च न्यायालय ने 15 मई, 2025 को तमिलनाडु सरकार को निजी स्कूलों मे बच्चों के निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत प्रवेश शुरु करने में देरी को चुनौती देने वाली याचिका पर एक सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया था।ध्यान रहे कि आरटीई अधिनियम 2009 के तहत निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को भी आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए प्रवेश स्तर की 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करनी होती हैं और उन्हें निःशुल्क शिक्षा प्रदान करनी होती है।मद्रास उच्च न्यायालय में दायर की गयी मरुमलार्चीमक्कलइयक्कम के अध्यक्ष वी ईश्वरन की याचिका में कहा गया है कि आरटीई प्रवेश प्रक्रिया आम तौर पर हर साल 20 मई तक समाप्त हो जाती है। तमिलनाडु के सभी स्कूल 2 जून को फिर से खुलने वाले हैं। हालांकि, तमिलनाडु सरकार ने कानून के अनुसार लाखों गरीब बच्चों के शैक्षिक अधिकारों को सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया है।तमिलनाडु के स्कूली शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यामोड़ी ने कहा है कि केंद्र ने तमिलनाडु को शिक्षा के लिए रोके गये फंड को जारी करने पर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा, केंद्र को आरटीई फंड जारी करना होगा। ... फंड जारी न करना मानवाधिकारों के खिलाफ काम करने जैसा है।

संपादकीय

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता

21 मई का दिन छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ छेड़े गए अभियान में काफी खास बन गया है। सुरक्षा बलों ने एक सुनियोजित अभियान चलाकर 27 नक्सलियों को मार गिराया है। मरने वालों में ईनामी नक्सली सीपीआईएम महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ़ बसवराजू का नाम भी शामिल है। बसवराजू का नाम कई बड़ी हिंसक घटनाओं से जुड़ा रहा है। 2010 में दंतेवाड़ा 76 सीआरपीएफ जवानों की मौत, 2013 का झीरम घाटी हमला, जिसमें कांग्रेस की पहली पंक्ति के तमाम नेता मारे गए थे, 2019 का गढ़ चिरौली हमला जिसमें 15 क्यूआरटी जवान मारे गए थे, ऐसी कई और घटनाओं की योजना बसवराजू ने ही बनाई थी, ऐसा दावा है। कई छद्म नामों से भूमिगत रहते हुए नक्सल कार्रवाइयों को अंजाम देने वाले बसवराजू ने बीटेक की पढ़ाई की थी, लेकिन कॉलेज में रहते हुए ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर नंबाला केशव राव ने अपनी राह अलग बना ली। बसवराजू को मारना सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता बताई जा रही है, क्योंकि इसके बाद नक्सल संगठन कमजोर पड़ेगा यह दावा सरकार और पुलिस प्रशासन का है।

बुधवार को नक्सल आंदोलन के खिलाफ इस बड़ी सफलता पर भाजपा की राज्य और केंद्र सरकार दोनों अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। इसे डबल इंजन सरकार की बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया जा रहा है। वैसे भी अमित शाह ने 2019 में ही नक्सलवाद को खत्म करने का लक्ष्य रखा था। अब सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने की योजना बना रही है। छत्तीसगढ़ में मिली हालिया सफलता पर अमित शाह ने ट्वीट किया कि , नक्सलवाद के ख़िलाफ़ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में ऐसा पहली बार है कि हमारे बलों ने एक महासचिव स्तर के नेता को मारा है. मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करता हूं। अमित शाह ने यह भी बताया कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ़्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा भी काफी गदगद है। कांग्रेस ने भी इस सफल अभियान के लिए खुशी जाहिर की है, मगर इस कामयाबी पर अपना हिस्से का दावा भी ठोंक दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मैं इस बड़ी सफलता के लिए सभी जवानों को बधाई देता हूं.. जब हम सरकार में थे तब 600 गांवों को नक्सल मुक्त बनाया गया था। हमने लोगों में विश्वास पैदा किया और उन्हें भूमि अधिकार दिए, उनके कज़ 'माफ़ किए और यहां तक कि उन्हें उनकी ज़मीनें भी वापस दिलाई। अभी जो ऑपरेशन चल रहे हैं, वे बचे हुए इलाक़ों में हैं।

जाहिर है इतनी बड़ी सफलता पर श्रेय लेने की होड़ तो रहेगी ही, क्योंकि अविभाजित मध्यप्रदेश के जमाने से छत्तीसगढ़ नक्सलवाद के चंगुल में रहा। भाजपा और कांग्रेस दोनों की सरकारें दोनों राज्यों में रहीं, दोनों दलों की सरकारों ने अपने-अपने शासनकाल में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाए और दोनों पर ही नक्सलियों के खात्मे की आड़ में मासूमों को निशाने पर लेने के आरोप भी लगे। अब भाजपा का पलड़ा के सरकार के सहयोग की वजह से अधिक भारी हो ग है, क्योंकि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार समन्वय से काम कर रही हैं। ऐसे में यह तथ्य अप आप उभरता है कि नक्सलवाद जैसी गंभीर समस्या व हल करने में राजनैतिक स्वार्थ आड़े आ जाते हैं।

बहरहाल, ऑपरेशन ब्लैक फारेस्ट के बाद अ दावा किया जा रहा है कि तिरुपति से पशुपति तक फैल लाल गलियारा अब बंद होने की कगार पर है। माओवा की कमर टूट चुकी है। माओवादी अब वार्ता कर चाहते हैं, लेकिन सरकार उन्हें हथियार रखने पर मजब कर चुकी है, लिहाजा वे बेबस हैं। बसवराजू के बा माओवादियों के पास अब कोई बड़ा नेतृत्व नहीं बच जो युद्ध की रणनीतियां बनाएं और बड़े अभियानों व लागू करवाए। ऐसे तमाम दावों से तस्वीर यही बन र है कि नक्सलवाद अब खत्म होने को ही है और केन्द्री गृहमंत्री का जो दावा है कि मार्च 26 तक यह काम पू जाएगा, वह भी सही साबित होगा।

साइकिल ही हमारा भविष्य है

साइकिल से सड़क जाम होने की समस्या नहीं है। इसे संकरे रास्तों व गलियों में चलाया जा सकता है। अगर इसके लिए अलग से लेन हो तो, न तो यह दूसरे वाहनों की गति में रूकावट होगी और न ही साइकिल चलाने वालों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। साइकिल उनके लिए भी अच्छी है, जो भीड़ से बचना चाहते हैं। सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ता जा रहा है। सड़क जाम, दुर्घटनाएं, प्रदूषण की खबरें आती रहती हैं। साइकिल के चलन इन सभी में कमी आ सकती है।

मैं पिछले चार-पांच सालों से साइकिल की सैर करता हूं। यह अब मेरी दिनचर्चा में शामिल है। इससे मेरी दुनिया बड़ी हुई है। पक्षी दर्शन करना, नए मित्र बनाना, खेती-किसानी की जानकारी और पेड़-पौधों, नदी और पहाड़ इत्यादि को करीब से देखने व जानने का मौका मिला है।

वैसे तो मैं बचपन से साइकिल चलाता रहा हूं। गांव से 7 किलोमीटर दूर एक कस्बे में साइकिल से जाता था। यह वह दौर था जब सड़कों पर साइकिलें खूब दिखा करती थीं। किसान, उससे वजन ढोते थे। पशुपालक उस पर घास का गट्टर ले जाते थे। दूध वाले, सब्जी वाले तो साइकिल की सवारी करते दिखते ही थे। बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षक भी साइकिल से आते थे।हमारे पास हरक्यूलिस साइकिल थी। पिताजी ने इसे उनके मित्र से खरीदा था। पुरानी थी, लेकिन बहुत अच्छी चलती थी। घर में ही छोटी-मोटी मरम्मत कर लेते थे। हवा भरने का पंप और पाना, पेंचिंस इत्यादि सामान घर पर रखते थे। जब कभी साइकिल पंचर हो जाती थी, तो घर पर ही पंचर बना लेते थे।यह वह दौर था जब मोटर साइकिल व कारें बहुत ही कम थीं। अक्सर लोग पैदल या साइकिल से ही यात्रा करते थे। बल्कि पैदल चलने वाले ज्यादा थे। ऐसे कई लोगों से मैंने बात की है, जिन्होंने मीलों पैदल यात्राएं की हैं। नर्मदा नदी की परिक्रमा तो पैदल ही की जाती थी, जिसमें 3 साल (3 साल, 3 महीने, 13 दिन) से ज्यादा समय लगता था। हमारे गांव में यह परिक्रमापैदल ही की है।कुछ समय पहले तक शहरों व कस्बों में बड़ी संख्या में मजदूरों को साइकिल की सवारी करते देखा जा सकता था। इन्दौर व जबलपुर में मैंने ऐसे ही मजदूर देखे हैं। छत्तीसगढ़ में भिलाई में मजदूरों को साइकिल चलाते देखा जा सकता था। यह एक तरह से गरीबों की सवारी थी, लेकिन अब सबकी पसंद बनती जा रही है।हमारे गांव में एक स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ता साइकिल से ही चलते थे। संस्था ने गांवों में सचल पुस्तकालय (मोबाइल लाइब्रेरी) चलाया था, उसमें साइकिल का इस्तेमाल किया जाता था। साइकिल पर किताबों से भरे दो झोले लेकर गांव की चौपाल पर बैठते थे। वहां गांव

के लोग आते थे, और बहुत मामूली शुल्क देकर किताबें ले जाते थे, और एकाध सप्ताह में वापस कर देते थे। इस पुस्तकालय की खूब चर्चा हुआ करती थी।कोविड-19 के समय मैंने फिर से साइकिल चलाना शुरू किया। करीब 14 किलोमीटर रोज़ साइकिल की सैर करता हूं। इस दौरान मुझे बहुत ही अच्छे दृश्य देखने को मिले हैं। रंग-बिरंगी चिड़ियों के झुंड, मोर, भटकते सियार व हिरण दिखे, तो कई ग्रामीण किसानों, पशुपालकों, स्कूली बच्चों और कुशल कामगारों से मुलाकात हुई।साइकिल के कारण मेरी कई साइकिल मरम्मत करने वाले लोगों से पहचान हुई। वे बताते हैं कि आगे आने वाला जमाना साइकिल का ही है। मोटर वाहनों से प्रदूषण तो होता ही है, उनमें खर्च भी कई गुना ज्यादा होता है। जबकि साइकिल मरम्मत का खर्च बहुत कम होता है। यह प्रदूषण मुक्त भी है। इससे कई लोगों का रोजगार भी जुड़ा है।इस दौरान मैंने कई कहानियां सुनी हैं। हाल ही में एक व्यक्ति ने बताया कि वह साइकिल के कारण ही उसकी रोजी-रोटी चला पा रहा है। वह छींद के पत्तों से झाड़ी बनाता है। इसमें उसे दो दिन लगते हैं। एक दिन वह जंगल व खेतों में छींद की पत्तियां लेने जाता है और झाड़ू बनाता है, और दूसरे दिन कस्बे में बेचने आता है। साइकिल के कारण ही यह संभव हो पाता है। क्योंकि इतनी दूर वह साइकिल की सवारी कर ही आता-जाता है। यह पूरा काम श्रम आधारित है, और बिना लागत का है। यह काम वह सालों से कर रहा है।आजकल सरकार स्कूली बच्चों के लिए निशुल्क साइकिल वितरण करती है। यह बहुत ही अच्छी योजना है। यह कई राज्यों में है। जब भी स्कूली बच्चों को साइकिल चलाते देखते हैं, तो एक अलग ही एहसास होता है। ऐसे दृश्य हमें रोमांचित करते हैं।

डाकिया और पेपर बांटने वाला तो रोज ही साइकिल से आता है, जिनका सभी को इंतजार रहता है। इनकी पहचान ही साइकिल से होती है। डाकिया, तो दूर-दराज के गांवों में साइकिल से आता-जाता था। हमारे गांव में कस्बे से वही डाक लाता था। लेकिन अब कुछ डाकिया मोटर साइकिल से आने-जाने लगे हैं।सिनेमा में साइकिलें दिखती थीं। नायक-नायिकाएं साइकिल चलाते देखे जाते थे। ऐसी कई फिल्में आई हैं, जिनमें साइकिलों का इस्तेमाल किया गया है।अगर हम पर्यावरण और जन स्वास्थ्य की दृष्टि से देखें तो साइकिलें बेहतर वाहन हैं। पर्यावरण की मित्र हैं। यह हाथ-पैर की ताकत से चलती हैं। इसे चलाने के लिए किसी प्रकार के ईंधन की जरूरत नहीं है। इससे किसी भी तरह का प्रदूषण नहीं होता है। प्रकृति को इससे कोई खतरा नहीं है। जबकि मोटर-कारों का जलवायु परिवर्तन में बड़ा योगदान है।लगातार तेल के दाम बढ़ते जा रहे हैं और तेल के भंडार खत्म होने की कगार पर हैं। अगर हम साइकिलों का उपयोग करें तो हमें मोटरवाहनों में प्रयोग होने वाला पेट्रोल व डीजल को आयात नहीं करना पड़ेगा या कम से कम करना पड़ेगा। इससे हमें कुछ अर्थव्यवस्था में राहत महसूस होगी।अच्छी सेहत के लिए साइकिल चलाना जरूरी है। साइकिल चलाने वालों को अलग से शारीरिक कसरत की जरूरत नहीं होती, क्योंकि इससे मांसपेशियों की अच्छी कसरत हो जाती है। तनाव भी कम होता है। हमारी गति भी धीमी होगी, या नियंत्रित होगी, जिससे हमें सामान्य बने रहने में मदद मिलेगी।मोटरसाइकिल की अपेक्षा साइकिल काफी हल्की होती हैं, इसे बच्चे से लेकर बुजुर्ग भी चला सकते हैं। सड़क हादसों का जोखिम भी नहीं रहता। अगर साइकिल से गिर भी जाएं तो ज्यादा चोट नहीं आती। जबकि अन्य वाहनों से सड़क हादसे गंभीर होते हैं।साइकिल के लिए पार्किंग की समस्या नहीं है।

न तो खड़ी करने के लिए और न ही सड़क पर चलाने के लिए इसे ज्यादा जगह चाहिए। इसे घर में रखा जा सकता है। जबकि कारों के लिए सड़क पर, पार्किंग में सभी के लिए जगह चाहिए,जो एक बड़ी समस्या है।साइकिल से सड़क जाम होने की समस्या नहीं है। इसे संकरे रास्तों व गलियों में चलाया जा सकता है। अगर इसके लिए अलग से लेन हो तो, न तो यह दूसरे वाहनों की गति में रूकावट होगी और न ही साइकिल चलाने वालों को असुविधा का सामना करना पड़ेगा। साइकिल उनके लिए भी अच्छी है, जो भीड़ से बचना चाहते हैं।

सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ता जा रहा है। सड़क जाम, दुर्घटनाएं, प्रदूषण की खबरें आती रहती हैं। साइकिल के चलन इन सभी में कमी आ सकती है। छोटे व बड़े कस्बों में इन्हें बढ़ावा दिया जा सकता है। साइकिल पथ की मांग भी की जा रही है।कुल मिलाकर, साइकिल कई मायनों में उपयोगी है। सेहत की दृष्टि से तो उपयोगी है ही, प्रदूषण मुक्त भी है। इससे कई लोगों को रोजगार भी मिलता है। इसलिए हमें साइकिल की ओर मुड़ना चाहिए, लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

एंक्लेट्स स्टाइल का ट्रेंडी फंडा

मैंने पायल है खनकाई..., झनक झनक पायल बाजे..., मै नाचूं बिन पायल घुघरू टूट गए तो क्या...। इसी तरह के अनेको गाने कहीं न कहीं पायल के बारे कुछ कहते हैं। कुछ साल पहले छन छन करते पायल की मधुर ध्वनि थोड़ी कम सुनाई पड़ने लगी थी लेकिन फैशन के भी हजारो रंग होते हैं। पायल ने लिटेस्ट फैशन के अनुसार अपने आप को ढाला और एकदम नए रूप में फिर से अपने जलवे दिखाने आ गई। आइए जानते हैं स्टाइलिश पायल यानीकि एंक्लेट्स के बारे में।

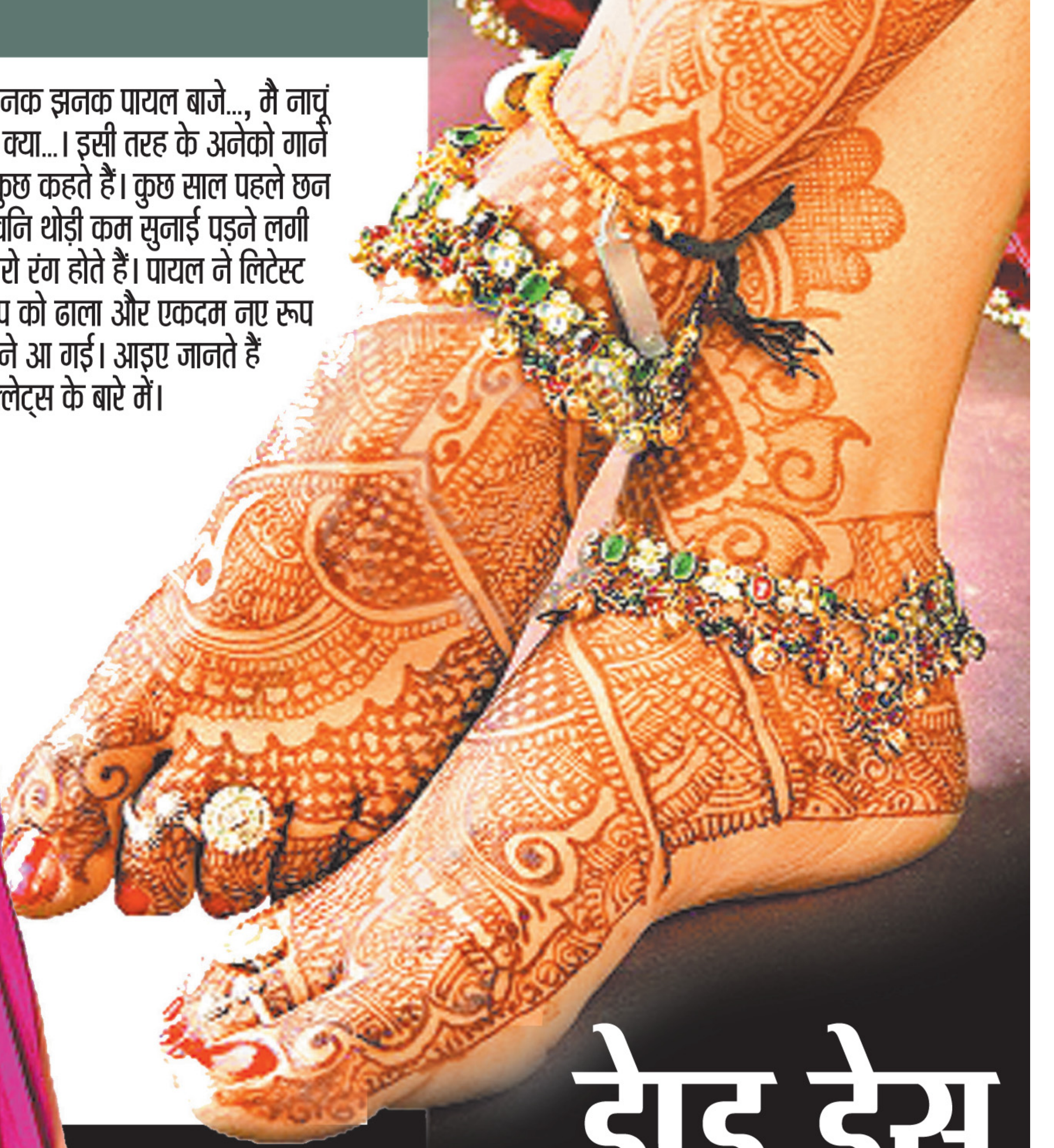

फैशन में अब हर जगह ग्लैमरस का तड़का लगने लगा है। ड्रेस से लेकर एक्ससीरीज तक। तो भला इसमें गहने क्यों पीछे रहें। एंक्लेट्स भी फैशन का तड़का लगाकर मार्केट में छा गई है। आपको स्टाइलिश बनाने के लिए कई तरह की एंक्लेट्स मार्केट में है। आप इन्हें अपनी पर्सनैलिटी के हिसाब से चूज कर सकती हैं। आज कल की कालेज गोविंग गर्ल्स अपने लुक को लेकर सबसे अधिक परेशान रहती हैं। वे अपने पैरों को भी ग्लैमरस और स्टाइलिश बनाने के लिए पूरी जोर आजमाइश करती रहती हैं और इसके लिए तरह- तरह के एंक्लेट्स ट्राई करती रहती हैं। मार्के ट में इनके कई डिजाइंस मौजूद हैं। बस जरूरी है सही एंक्लेट्स के चुनाव का। मार्केट में इनकी बहुत सी वैरायटी है मगर अपने पैरों के साइज और कलर को देखकर ही सही एंकलेट पसंद करें।

डिजाइन का रखें ध्यान

पैरों में एंक्लेट्स तो अच्छे लगते हैं लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आप अपने पैरों के अनुसार ही इसका चुनाव करें। बहुत से लोग ऐसे हैं जो किसी भी डिजाइन और स्टाइल की एंकलेट्स कैरी कर लेते हैं। मार्केट में सिल्वर, गोल्ड, चेन, नग, मल्टी स्टोन और मल्टी कलर वाली एंकलेट्स हैं जो आपको परफेक्ट लुक देंगी, मगर खरीदने से पहले इस बात पर जरूर ध्यान दें कि किस तरह की एंकलेट्स आपके पैरों को सूट करेगी।

चेन दे सिंपल लुक

यदि आप चाहती हैं कि आप ऐसा एंक्लेट्स पहने जिससे आप के पैर सिंपल लुक के साथ अच्छे लगें तो इसके लिए जरूरी है कि आप चेन वाले एंक्लेट्स ट्राई करें। ये एंकलेटस बहुत ही सिंपल होते हैं। इनकी बहुत सी वैरायटी भी मिल जाती है। इसमें आप चाहें तो सिंगल लेयर से लेकर चार लेयर तक की एंकलेट्स कैरी कर सकती हैं। इसके साथ मैचिंग नेकलेस भी पहनना अच्छा रहेगा। इसे ऑफिस गोइंग गर्ल्स भी कैरी कर सकती हैं।

लेदर का एंक्लेट्स

बहुत सी लड़कियों की पर्सनैलिटी टॉम बाय जैसी होती है। ऐसी लड़कियों पर लेदर के एंक्लेट्स खूब फबते हैं। इस तरह की एंक्लेट्स कैरी करते समय यह ध्यान देना चाहिए कि ये ज्यादा चौड़ी न हो। अधिक चौड़ी होने पर लुक अच्छा नहीं लगता।

ऑरनामेंटल

क्रिस्टल के बने एंक्लेट्स बहुत ही खूबसूरत होने के साथ स्टाइलिश भी हैं। इसे पहनने के बाद आपको किसी तरह की खास एक्सेसरीज की जरूरत नहीं है। सिंपल और सोबर ड्रेस के साथ आप इसे पहन सकती हैं। ब्लैक, वाइट और ग्रे कलर के आउटफिट के साथ ये ज्यादा खूबसूरत लगती हैं।

नग वाला एंक्लेट्स

एक बार फिर से नग वाला एंक्लेट्स फैशन में लौट आया है। आप अपनी साड़ी, सूट और ड्रेस की मैचिंग को ध्यान में रखकर इनको पहन सकती हैं। इस तरह की एंक्लेट्स कुछ खास अंदाज और मल्टी मल्टी कलर में भी मौजूद है। यह सभी प्रकार के ड्रेसे पर परफेक्ट लुक देता है। वैसे इसमें डार्क कलर चलन अधिक है।

भारी नग वाला

हैवी नग वाली एंक्लेट्स आप तौर पर शादी व पार्टियों के मौके पर पहना जाता है। इसमें सिंगल से लेकर पांच लेयर तक की एंक्लेट्स आती हैं, जो आप अपनी जरूरत के हिसाब से पहन सकती हैं।

बीड्स दे सॉफ्ट लुक

इस तरह के एंकलेट्स की खासियत है कि आप इसे किसी भी ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। ये एंकलेट्स आपको सिंपल लुक देती हैं। इन्हें पहनते समय ज्यादा मेकअप की जरूरत नहीं पड़ती। यदि बीड्स का्कलर आपकी ड्रेस से मेल खाता हुआ हो तो यह आप के लुक में चार चांद लगा देगा।

पर्स पर नहीं है भारी

इन एंक्लेट्स की सबसे खास बात यह है कि इनकी कीमतें सभी लोगों की पहुंच में हैं। लोकल मार्केट में ये 20 से लेकर 50 रुपये तक है। वहीं शोरूमों में इनकी कीमतें 200 से लेकर 500 रुपये तक है।

ड्रेप्ड ड्रेस

जैसा कि इसके नाम से ही लग रहा है कि यह कोई ऐसा ड्रेस है जो लपेटा हुआ होता है। यदि आप इस ड्रेस को देखें तो ऐसा लगेगा कि किसी ने टॉवल या बेडशीट लपेट लिया हो लेकिन ऐसा नहीं है। यह एक पूरा का पूरा ड्रेस है। अपने देश में इसका चलन अभी शुरूआती दौर में हैं लेकिन विदेशों में यह खूब पसंद किया जा रहा है। रिऐलिटी शो बिग बॉस में हॉलिवुड एक्टर्स पामेला एंडरसन ने इस ड्रेस को पहन कर लोंगो को ड्रेप्ड ड्रेस से रूबरू कराया था। अधिकांश लोग तो समझ ही नहीं पाए थे कि टॉवल जैसी दिखने वाली यह ड्रेस आखिर में है क्या? क्या पॉमेला ने कोई कपड़ा लपेटा है या यह कोई खास ड्रेस है। फैशन डिजाइनर मानते हैं कि ड्रेप्ड ड्रेस फिटेड हो या लूज, अगर इसे अच्छे से कैरी करेंगी, तो वह खूब फबेगी। ड्रेप्ड ड्रेसेस को अभी तक बड़े महानगरों में ही पार्टीयों में पहने देखा गया है।

जज्बा आत्मविश्वास का

एक स्वयंसेवी संस्था ने उनको प्रशिक्षित करने की व्यवस्था की है अगली बार टैक्सी बुलाने पर अगर आसमानी रंग की कमीज, काली पैंट और जूते पहने महिलाएं टैक्सी चलाती नजर आएं, तो चौंकिएगा नहीं। भारत की राजधानी दिल्ली के एक स्वयंसेवी संस्था ने देश में पहली बार महिलाओं को टैक्सी चलाकर रोजगार कमाने का मौका दिया है।

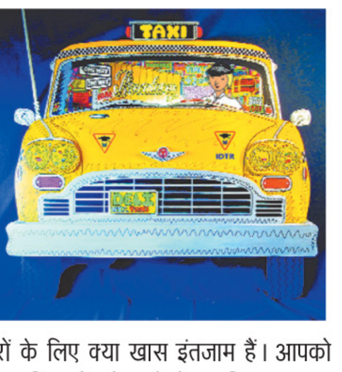

मेगा कैब नाम की संस्था के साथ काम कर रही सभी महिलाओं ने गाड़ी चलाने की शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण आईटीडीआर (इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग, ड्राइविंग और रिसर्च) से लिया है। साथ ही साथ दुर्घटना की स्थिति में उपयोगी प्राथमिक उपचार और आत्मरक्षा के लिए कराटे भी सीख रखा है। अभी महिला टैक्सी चालकों का प्रशिक्षण काल चल रहा है, जिसमें कंपनी वाले उन्हें ढाई हजार रुपए महीना मेहनताना देते हैं और पीएफ भी काटा जाता है। जहां तक घरवालों के सहयोग और सहमति की बात है, वहां कंपनी वाले नियुक्ति के समय ही घरवालों से यह लिखित रूप से ले लेते हैं कि इससे उन्हें कोई आपत्ति नहीं।

साहस का परिचय : टैक्सी चालक अनुराधा का कहना हैं कि मैं इस नौकरी से बहुत खुश हूं। जहां पहले मैं कहीं अकेली नहीं जा पाती थी, वहीं नौकरी करने के बाद अकेली जाती भी हूं और लोगों को पहुंचाती भी हूं। इससे मेरा आत्मविश्वास दोगुना हो गया है। पति की घर चलाने में मदद भी हो जाती है और बच्चे इसलिए खुश हैं कि उनकी मम्मी पैंट-कमीज पहनती हैं और गाड़ी भी चलाती हैं।

ये हैं सुविधाएं : यह तो रही ड्राइवरों की समझ, पर अपनी महिला ड्राइवरों के लिए क्या खास इंतजाम हैं। आपको बता दें कि इन महिलाओं को हफ्ते में छः दिन काम पर आना होता हैं। ड्यूटी सुबह दस बजे से शाम सात बजे तक होती है। हर टैक्सी में वॉकी-टॉकी है, जिससे सीधी नियंत्रण कक्ष में बात की जा सकती है। उन्हें कार चलाने के अलावा आत्मरक्षा के लिए कराटे का भी प्रशिक्षण दिया गया है। गाड़ी बिगड़ने पर या टायर पंक्चर होने पर, वैसे तो यह महिलाएं खुद गाड़ी ठीक करने में सक्षम हैं, पर ज्यादा खराबी होने पर तुरंत दूसरा ड्राइवर वहां भेजा जाता है जहां गाड़ी खराब है और महिला चालक को मदद पहुंचाई जाती है।

क्या कहते हैं यात्री : महिला टैक्सी ड्राइवरों के साथ सफर कर चुकी श्रेया यादव कहती हैं, यह जानकर अच्छा लगा कि अब लड़कियां और महिलाएं भी टैक्सी चलाती हैं तथा अब से मुझे सिर्फ महिला ड्राइवर चाहिए, क्योंकि मैं उनके साथ खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। बहुत से परिवार महिला ड्राइवर इसलिए चाहते हैं, क्योंकि उनके घर में बहू और बेटियां हैं और कई इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि महिलाएं पुरुषों के बजाय अच्छी गाड़ी चलाती हैं।

महिलाएं कमाती हैं ज्यादा

जमाना बदल चुका है महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ रही हैं। ब्रिटेन में हर तीसरी महिला अपने पति से अधिक धन कमाती है और इस तरह वह घर का खर्चा चलाने में अहम् भूमिका निभा रही है।

वुमेन सर्वे 2010 के अनुसार 30 प्रतिशत महिलाएं अपने पति से अधिक धन कमा रही हैं और लगभग 20 फीसदी महिलाएं ऐसी हैं, जो अपने पति के बराबर पैसा कमा रही हैं। दस परिवारों में से एक परिवार में बच्चों की देखभाल पति करता है, जबकि पत्नी नौकरी करती है। दस प्रतिशत महिलाओं ने स्वीकार किया कि इस भूमिका ने उनके रिश्तों पर तनाव डाला। कुछ का कहना था कि इसके चलते उन्हें रिश्ते तोड़ने पड़े। सर्वेक्षण के अनुसार गृहिणियों में से लगभग आधे ने खुद धन अर्जित नहीं करने को लेकर असंतोष जताया, जबकि करीब 2100 महिलाओं ने कहा कि बच्चे होने के बाद वह पूरी तरह घर में बंधे रहने से अच्छा कोई न कोई पार्ट टाइम नौकरी करना पसंद करती हैं। भारतीय महिलाएं भी अब नौकरी करने के क्षेत्र में ब्रिटेन से पीछे नहीं और वह दिन अब ज्यादा दूर नहीं, जब भारत में भी गृहिणियां धन-अर्जन में पीछे नहीं रहेंगी।

खाने की गलत आदतें बनाती हैं मधुमेह का रोगी

हेल्थ फैक्ट्स

स्वस्थ रहने के लिए मीठा और नमक कम लें

- यह मायने नहीं रखता है कि आप दिन में कितना अच्छा खाते हैं लेकिन उसे किस समय और कितनी मात्रा में खाते हैं यह मायने रखता है
- खाने की कुछ सामग्री जैसे स्वीट स्नैक, डीप फ्राइड स्नैक आदि खाना मधुमेह होने के सबसे बड़े कारण है
- हाई ग्लेसेमिक फूड जैसे-पास्ता, मैगी, कोल्ड ड्रिंक, बर्गर आदि खाने से शरीर में ब्लड शुगर बढ़ती है
- डिनर के बाद डेजर्ट का सेवन बहुत रिस्की होता है क्योंकि खाने में पहले ही शुगर मौजूद होती है और इसके बाद भी मीठा आपके ब्लड शुगर में कितना इजाफा कर देगा शायद आपको इसका अंदाजा भी नहीं हो पाएगा

हमारा शरीर एक मशीन है और मशीन में कुछ भी ज्यादा डाला जाएगा तो वह अनियंत्रित हो जाएगी जैसे खाने में नमक ज्यादा होगा तो हाई बीपी, यदि खाने में मीठा ज्यादा लेंगे तो ब्लड शुगर हो जाएगी। खाने में मिर्च-मसाले ज्यादा लेंगे तो आंतों और किडनी की प्रॉब्लम हो जाएगी। खाने में तला-भुना ज्यादा लेंगे तो दिल की बीमारी हो जाएगी। पूरे विश्व में आज मीठे की बीमारी यानी शुगर अनाप-शनाप भोजन की आदतों के चलते एक आम संकट बनती जा रही है। मल्टीनेशनल कम्पनियां, खाने को प्रिजर्व करके लोगों के सामने पेश करती हैं जिससे लोग उसके आदी हो जाते हैं और उनको मधुमेह जैसे रोग होने का रिस्क बढ़ जाता है। फास्ट फूड और जंक फूड खाने की गंदी आदतें सबसे ज्यादा यंग जेनरेशन और बच्चों में देखने को मिलती हैं। ऐसे खाद्य पदार्थों को खाने से बॉडी में केलोस्ट्रॉल बढ़ जाता है जिससे मोटापा होता है और मोटापा ही अधिकांश बीमारियों की जड़ है। यह बात साफ है कि हाई ग्लेसेमिक फूड जैसे-पास्ता, मैगी, कोल्ड ड्रिंक, बर्गर आदि खाने से शरीर में ब्लड शुगर बढ़ती है जिससे शरीर में डायबटीज हो जाती है क्योंकि बॉडी में इंसुलिन कम हो जाती है। ऐसी ही कई और भी खाने की गलत आदतें हैं जो लोगों में डायबटीज का कारण बनती है।

किन आदतों से होती है डायबटीज

ब्रेकफास्ट न करना: कई लोग सुबह नाश्ता नहीं करते या नाश्ता करने में ढिलाई बरतते हैं। नाश्ता करने से पूरे दिन शरीर को ऊर्जा मिलती है और यह सबसे हेल्दी आदत होती है। अगर आप सदैव सुबह समय पर नाश्ता करते हैं तो डायबटीज का खतरा कम हो जाता है। भूखे रहने से शरीर में शुगर लेवल बढ़ जाता है जिससे डायबटीज होने का खतरा बढ़ जाता है।

उच्च जीआई फूड खाना : फास्ट फूड और जंक फूड, उच्च जीआई फूड होते हैं। इनके सेवन से डायबटीज होने का शत-प्रतिशत खतरा रहता है क्योंकि इन्हें खाने से बॉडी में जल्दी से ग्लूकोज स्त्रवित होता है और ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है।

बैड वसा का सेवन करना : हर तरीके का फैट, शरीर व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं होता है। ऑलिव ऑयल और फिश ऑयल, शरीर को ताकत देते हैं। लेकिन फास्ट फूड या जंक फूड में अनहेल्दी फैट होते हैं जो शरीर में चर्बी को बढ़ाते हैं जो ताकत नहीं देते। इनमें जीरो फाइबर होता है।

स्नैक्स : यह मायने नहीं रखता है कि आप दिन में कितना अच्छा खाते हैं लेकिन उसे किस समय और कितनी मात्रा में खाते हैं यह मायने रखता है। इसके अलावा, खाने की कुछ सामग्री जैसे-स्वीट स्नैक, डीप फ्राइड स्नैक (जैसे समोसा) आदि खाना मधुमेह होने के सबसे बड़े कारण बनते हैं।

कोल्ड ड्रिंक : कई लोग खाने के दौरान कोल्ड ड्रिंक पीते हैं जो सबसे हानिकारक होते हैं। इससे मोटापा तो बढ़ता ही है साथ में शरीर भी खराब होता है यानी कई रोग लग जाते हैं।

फलों-सब्जियों का सेवन न करना : फलों और सब्जियों में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व और फाइबर होते हैं जो शरीर को मजबूत बनाते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखते हैं, इनसे पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। कई लोग फल-सब्जियों को नहीं खाते, इससे उनके शरीर में शुगर लेवल अंसतुलित हो जाता है।

हानिकारक है किसी भी समय खा लेना : स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थो को खाने की आदत अच्छी होती है। वहीं हर टाइम कुछ न कुछ खाने की आदत अच्छी नहीं होती। कुछ लोगों को कभी भी और कहीं भी कुछ भी खा लेने में एतराज नहीं होता जैसे आधी रात में उठकर खाने लगना आदि। इससे पाचन क्रिया तो खराब होती ही है साथ ही शुगर लेवल बढ़ जाता है।

खाने के बाद डेजर्ट : मार्केटिंग के जर्बदस्त तरीके ने यह ट्रेंड ला दिया है कि खाने के बाद डेजर्ट जैसे आइसक्रीम, मिठाई खाई जाती है। फैक्ट यह है कि डिनर के बाद डेजर्ट का सेवन बहुत रिस्की होता है क्योंकि जो आपने खाना खाया है उसमें पहले ही शुगर मौजूद होती है और इसके बाद भी मीठा आपकी ब्लड शुगर में कितना इजाफा कर देगा शायद आपको इसका अंदाजा भी नहीं होगा।

बच्चों को एडिक्ट होने से बचाएं

लंदन। किसी भी चीज की लत हमेशा बुरी ही कहलाती है जबकि समय-समय पर किए जाने वाले कार्यों में यह बात लागू नहीं होती। लंदन में हुए एक शोध में बच्चों के विभिन्न तरह के एडिक्शन्स को लेकर शोध किया गया। इसमें मुख्य रूप से टीवी, मोबाइल और वीडियो गेम्स को शामिल किया गया। जिसमें पाया गया कि तकरीबन 84 प्रतिशत बच्चे वीडियो गेम खेलने के एडिक्ट निकले, जबकि अन्य 16 प्रतिशत का आंकड़ा अन्य चीजों में व्यस्तता का निकला, वह भी थोड़े-थोड़े समय के अंतराल में। इस शोध के नतीजों में पाया गया कि बच्चों के लंबे समय तक टेलीविजन देखने या मोबाइल पर गेम्स खेलने से उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ने के साथ--साथ उनमें भावनात्मक समस्याएं भी पैदा होती हैं। लंदन में हुए एक नए शोध में यह चेतावनी जारी की गई है। इतना ही नहीं 7 साल की उम्र के बच्चों के इंटरनेट इस्तेमाल को नियंत्रित नहीं करने पर उनका बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) भी बढ़ जाता है। लड़कियों के लिए यह समस्या ज्यादा गंभीर है। चार साल की बच्चियों के सप्ताहांत में वीडियो गेम्स और कम्प्यूटर का इस्तेमाल करने से उनके छह साल के होने तक उनमें भावनात्मक समस्याएं पैदा होने लगती हैं। ज्यादा टीवी देखने से लड़के और लड़कियों दोनों का परिवार के साथ भावनात्मक संबंध खत्म होने का जोखिम भी बढ़ जाता है।

पैरेन्ट्स थोड़ा ध्यान दें :

बच्चों के एडिक्शन को नरजअंदाज करने की आदत सबसे पहले पैरेन्ट्स को बदलना होगी। सबसे पहली ड्यूटी उन्हीं की बनती है कि वे बच्चे की रोजमर्रा की आदतों पर ज्यादा से ज्यादा गौर करें और उन्हें किसी भी एडिक्शन से बचाने में उनकी मदद करें। अगर बच्चा टेलीविजन देख रहा है या वीडियो गेम खेल रहा है तो अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी सामग्री उनकी आयु के हिसाब से उपयुक्त है। उसे कितना समय इन चीजों में बिताना चाहिए यह भी तय होना जरूरी है। तभी काफी हद तक बच्चों के व्यवहार में सुधार लाया जा सकता है।

यह शोध यूरोप के दो से छह साल की आयु के 3600 बच्चों पर किया गया। यह शोध 'जर्नल जेएएमए पीडिएट्रिक्स' में प्रकाशित हुआ है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-6-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-7-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-7-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-4-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। कार्य भार बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंग। शुभांक-4-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति का सहयोग मिलेगा। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-4-6-9

हंसी के फूव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'

'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ .'

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.

'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.

'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?

रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा- 'यह साइकिल तुम्हारी है?'

'जी नहीं.'

'तुम्हारा नाम'

'जी वह मेरा अपना है.'

काकुरो पहेली - 4065

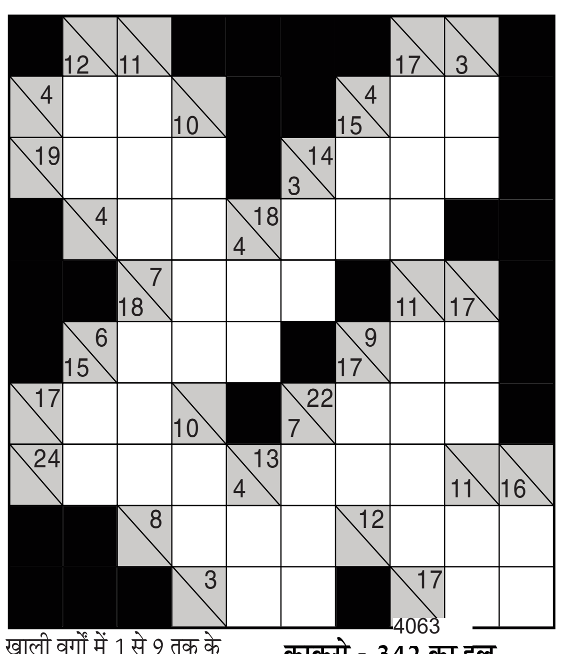

4063

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 342 का हल

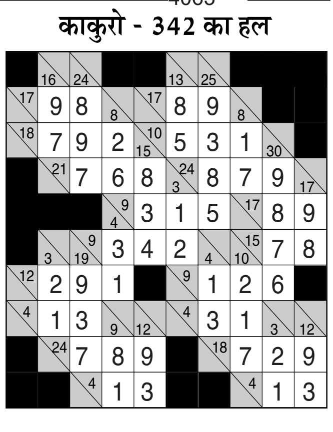

फिल्म वर्ग पहेली - 4065

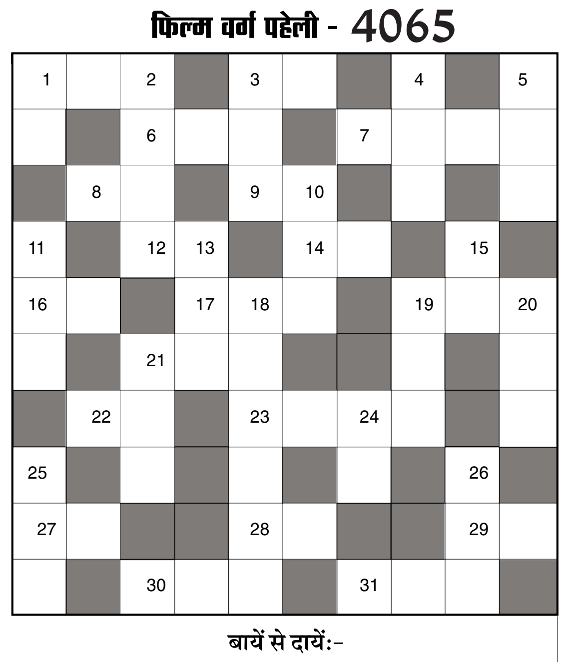

बायें से दायें:-

१. राजेश खन्ना, स्मिता की 'दुनिया में कितना गम है' गीत वाली फिल्म-३
३. बॉबी, काजोल, मीनाषा की 'दुनिया हसीनों का' गात वाली फिल्म-२
६. अनिल, मीनाक्षी की 'सौ सवालों का जवाब' गीत वाली फिल्म-३
७. 'यूं हसरतों के दाग' गात वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
८. अनिल, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
९. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
१२. राजेश खन्ना को फिल्म जगत में किस नाम से जाना जाता है?-२
१४. फिल्म 'कॉफी हाउस' में नायिका कौन थी?-२
१६. 'आजकल पाँव जमी' गीत वाली विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-२
१७. राजेश, ऋषि, पूनम की 'रंग चला बहार चली' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'मेरा रंगदे बसंती' गीत वाली मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा की फिल्म-३
२१. जैकी, मनीषा की 'लड़की जो आए बाजाक में' गीत वाली फिल्म-३
२२. भारतीय सिनेमा की 'वीनस' मधुबाला की अंतिम फिल्म-२
२३. 'सर से सरक गई' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२७. अमिताभ, अमृता की 'विल यू मैरी मी' गीत वाली फिल्म-२
२८. फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२
३०. सनी, डिम्पल की 'भूरी भूरी आँखों वाला' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिल, माधुरी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली फिल्म-२
२. धर्मेन्द्र, नसीर, आदित्य, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३. आमिरखान, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
४. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षय, करिश्मा की फिल्म-३
५. 'बदन में चाँदनी' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'तूने बेचैन इतना ज्यादा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जब दिल से दिल' गीत वाली दिलीप, संजीव कुमार, वैजयंती की फिल्म-३
१३. धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
१५. फिल्म 'हम है राही प्यार के' में नायिका कौन थी-२
१८. 'क्या लिखूं कैसे लिखूं' गीत वाली फिल्म-२,४
१९. फिल्म 'कश्मीर की कली' में नायिका कौन थी-३
२०. जीतेंद्र, राजेश खन्ना, नंदा की 'किस लिए मैंने' गीत वाली फिल्म-१,२
२१. 'कई सदियों से' गीत वाली शत्रुघ्न, रीना राय की फिल्म-३
२४. अनिल, माधुरी की 'खुशियों का दिन आया है' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'कोई हमदम न रहा' गीत वाली फिल्म-३
२६. सलमान, संजय, शिल्पा की 'अरे बाबा अरे बाबा' गीत वाली फिल्म-३

4063

फिल्म वर्ग पहेली - 342

सूडोकु -4065

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4064 हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली 4065

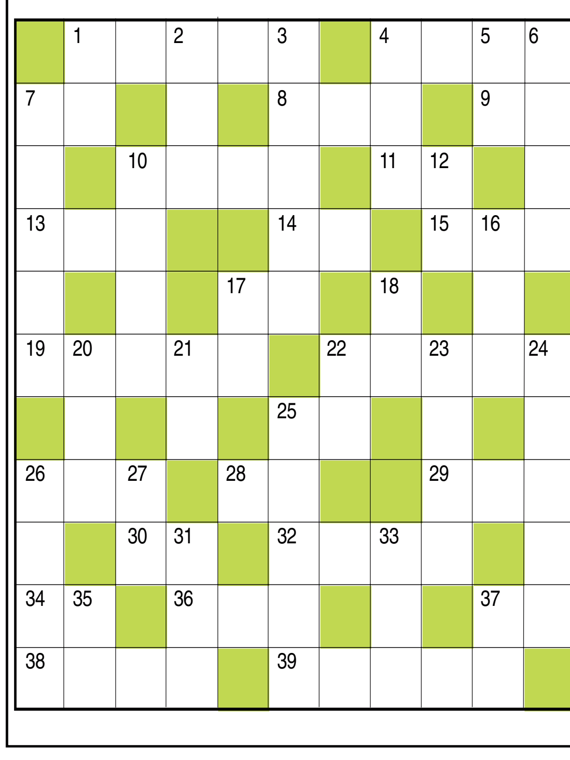

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोङ्कटग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली 4064 का हल

आतंकवाद और नक्सलवाद पर जारी रहेगा प्रहारः संजय सेठ

एजेंसी

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि आतंकवाद और नक्सलवाद पर नरेन्द्र मोदी की सरकार का स्टैंड क्लीयर है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इन पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है। आतंकियों और नक्सलियों के खिलाफ यह कार्रवाई जारी रहेगी। आतंकवाद एवं नक्सल मुक्त भारत देश के बड़े अभियानों में शामिल है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में इन दोनों ही अभियानों पर बेहतर काम हो रहा है। सेठ रांची स्थित केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से हमने आतंक के आकाओं की कमर तोड़ी है। हर आतंकी और नक्सली को मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है। यदि भारत पर आतंकी हमला हुआ, तो हमारी सेनाएं खुद समय और स्थान तय करके जवाब देंगी। किसी के परमाणु बम की गीदड़ भभकी से भारत डरेगा नहीं। आतंक के आकाओं और आतंक परस्त सरकार दोनों को अलग नहीं देखा जाएगा।केंद्रीय मंत्री ने नशाखोरी के बढ़ते मामले पर चिंता जताते हुए कहा कि रांची में ब्राउन शुगर का मामला बहुत तेजी से बढ़ रहा है। जिस अनुपात में पुलिस कार्रवाई कर रही है, उससे कई गुना अधिक अनुपात में इसकी खरीद बिक्री हो रही है। रांची शहर नशाखोरी का हब बनता जा रहा है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके लिए अलग से एक टीम का गठन हो, जो ऐसी शिकायतों पर ठोस कार्रवाई करे।

उत्तर प्रदेश में इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण हो सकता है जून में शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेस-वे के निकट इंटरनेशनल फिल्म सिटी का निर्माण कार्य अगले माह जून में शुरू हो सकता है। निर्माण कार्य के लिए चयनित निर्माता बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी ने पूरी तैयारियां कर ली हैं। जिस भूमि पर निर्माण होना है उसका जियो-टेक्निकल सर्वे लगभग पूर्ण हो चुका है और कंपनी आने वाले दो-तीन दिनों में अपना बिल्डिंग प्लान सबमिट कर देगी। इसी बीच फिल्म सिटी के निर्माण के लिए भूमि को समतल करने का कार्य जारी है। साथ ही सड़क निर्माण सहित अन्य विकास कार्य भी तेज गति से हो रहे हैं। साफ-सफाई का काम लगभग पूरा हो चुका है। सभी अप्रूवल मिलते ही निर्माण कार्य का शुरू करा दिया जाएगा। इसका शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलो से कराया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में यह इंटरनेशनल फिल्म सिटी स्थापित की जा रही है। इसका उद्देश्य राज्य को फिल्म निर्माण, मीडिया, मनोरंजन और पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाना है। बेव्यू प्रोजेक्ट्स एलएलपी के जीएम राजीव अरोड़ा के अनुसार जैसे ही बिल्डिंग प्लान को मंजूरी मिलती है, निर्माण कार्य औपचारिक रूप से शुरू कर दिया जाएगा। पहले चरण (फेज-1) में कंपनी 13 से 14 अत्याधुनिक फिल्म साउंड स्टूडियो और लगभग तीन लाख वर्ग मीटर में फैला फिल्म इंस्टीट्यूट स्थापित करेगी। इस पूरी परियोजना का निर्माण तीन चरणों में आठ वर्षों के भीतर किया जाएगा।

देहरादून स्थित राष्ट्रपति निकेतन 24 जून से आम जनता के लिए खुलेगा

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून स्थित राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास एवं विश्राम स्थल 'राष्ट्रपति निकेतन' 24 जून से आम जनता के लिए खुल जाएगा। यह प्रेसिडेंशियल रिट्रीट 186 साल पुराना है। यह 21 एकड़ का एस्टेट है। इसे राष्ट्रपति और राष्ट्रपति भवन की विरासत के साथ नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से खोला जा रहा है। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 20 जून को राष्ट्रपति निकेतन का दौरा करेंगी और इस एस्टेट को आम जनता के लिए खोलने की तैयारियों का जायजा लेंगी। इस अवसर पर वह 132 एकड़ के इकोलॉजिकल पार्क, राष्ट्रपति उद्यान की आधारशिला भी रखेंगी। यह पार्क एक गतिशील पर्यावरण और मनोरंजन स्थल होगा, जिसमें थीम आधारित उद्यान, एक तितली उद्यान और बच्चों के लिए एक समर्पित खेल क्षेत्र शामिल होगा। राष्ट्रपति निकेतन को पहले राष्ट्रपति आशियाना के नाम से जाना जाता था। इसका इस्तेमाल राष्ट्रपति के अंगरक्षकों (पीबीजी) के घोड़ों के प्रशिक्षण के लिए किया जाता था। इस विरासत भवन में अब कलाकृतियों का एक संग्रह प्रदर्शित किया गया है और यह इसकी समृद्ध विरासत की झलक पेश करता है।

बंगाल में फिर कोरोना की दस्तक, एक किशोरी और युवक संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग ने की पुष्टि

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एक बार फिर कोरोना वायरस ने दस्तक दी है। दक्षिण 24 परगना जिले के मगराहाट-2 ब्लॉक में एक किशोरी और युवक के कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार स्थिति नियंत्रण में है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। डायमंड हार्बर स्वास्थ्य जिले से मिली जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले जिले के विभिन्न ब्लॉकों में नियमित जांच के तहत आम नागरिकों के नमूने एकत्र किए गए थे। मगराहाट-2 ब्लॉक के जिन दो लोगों के सैंपल लिए गए थे, उनमें कोविड-19 संक्रमण पाया गया है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, फिलहाल दोनों संक्रमित व्यक्ति अपने घर पर ही हैं और उनकी स्थिति सामान्य है। हम लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं। ब्लॉक स्वास्थ्य केंद्र को भी अलर्ट पर रखा गया है। कोरोना के मामले सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है।

गुजरात की दो विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव 19 जून को

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात की दो विधानसभा सीटें कड़ी और विसावदर के लिए उपचुनावों की घोषणा की गई है। चुनाव आयोग ने इस संबंध में वेबसाइट पर सूचना जारी की है। इन दोनों सीटों के लिए मतदान 19 जून को होगा और 23 जून को मतगणना होगी। 26 मई से नामांकन करने की शुरुआत होगी। चुनाव आयोग शांतिपूर्ण मतदान कराने के लिए सभी तैयारियों में जुट गया है। भाजपा के विधायक करशन सोलंकी के फरवरी में निधन के कारण कड़ी सीट भी खाली हो गई थी। वहीं विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के विधायक भूपत भयाणी ने इस्तीफा दे दिया था। इस प्रकार गुजरात में यह दो सीटों पर उपचुनाव होने वाला है। उधर चुनाव आयोग द्वारा चुनाव की तारीख तय

करने के साथ ही गुजरात में राजनीतिक गर्माहट शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 और 27 मई को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। आम आदमी पार्टी पहले से दोनों सीटों पर चुनाव की तैयारी में जुटी है। विसावदर के लिए आम आदमी पार्टी (आआपा) ने अपना उम्मीदवार गोपाल इटालिया को पहले ही घोषित कर रखा है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने वाली आआपा और कांग्रेस में उपचुनाव में कोई गठबंधन नहीं है। इसलिए दोनों सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले की संभावना है। कांग्रेस ने भी दोनों सीटों के लिए अपनी तैयारी पहले से शुरू कर दी है। अहमदाबाद में पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद कार्यकर्ता पूरे जोश में है। इसी तरह भाजपा कडी की सीट जहां वापस जीतने की कोशिश में है तो विसावदर की सीट को वह आआपा से छिनने की तैयारी में है। जो भी हो चुनाव में पूरी तरह रस्साकशी देखने को मिलेगी। वर्ष 2022 में हुई गुजरात विधानसभा चुनाव में जूनागढ़ जिले की विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के भूपत भायाणी विजयी हुए थे। भूपत भायाणी के फॉर्म में त्रुटि होने की शिकायत के साथ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

सुरक्षा बलों ने मणिपुर से किए तीन उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अभियान तेज कर दिया है। अलग-अलग स्थानों से तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य में उगाही से जुड़े अपराधियों को पकड़ने के लिए खुफिया सूचनाओं के आधार पर व्यापक स्तर पर कॉम्बिंग ऑपरेशन और कॉर्डन एंड सर्च अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों के दौरान सुरक्षाबलों को महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि काकचिंग जिले की तेज़पुर क्रॉसिंग (आईवीआर रोड) के पास अंगांगचिंग इको पार्क के नजदीक से प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सुगनू अवांग मोइरांगथेम लीकाई निवासी निंगथौजम थोइबा मैतेई उर्फ सिंथा (44) और काकचिंग खुनौ थिंगनाम निंगथौ लीकाई निवासी मयांगलंबम सोमोरजीत सिंह (43) के रूप में हुई है। इन दोनों के पास से तीन मोबाइल फोन और एक चार-पहिया वाहन जब्त किया गया है। इसी क्रम में एक अन्य अभियान के दौरान, इंफाल ईस्ट जिले के लामलाई पुलिस थाना क्षेत्र में साओमबंग ब्रिज के पूर्वी हिस्से से केसीपी (अपुंबा) गुट के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवक की पहचान पुंगडोंगबम मयाई लीकाई, इंफाल ईस्ट निवासी मोइरांगथेम हेंबा सिंह उर्फ लाइबा (25) के रूप में की गई है। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी और कार्रवाई को तेज करते हुए राज्य में अपराध नियंत्रण की दिशा में कदम उठा रही हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत, विकसित प्रदेश के लिए नीति आयोग की शासी परिषद की 10वीं बैठक हुई, जिसमें सभी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी और उनका आभार माना। आधुनिक तकनीक की मदद से आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारना एक बड़ी उपलब्धि है। लगभग सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

नीति आयोग की बैठक में उपस्थिति के मामले में अब तक के सभी रिकॉर्ड टूटे हैं। बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपना पक्ष रखा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में नीति आयोग की बैठक के बाद मीडिया में जारी संदेश में यह बात कही। उन्होंने बताया कि सभी राज्यों की ओर से बीते एक वर्ष में किए गए विकास कार्यों का प्रजेंटेशन दिया गया। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से भी विभिन्न विकास परक कार्यों और योजनाओं की उपलब्धि विस्तार से सबके सामने रखी गई। नीति आयोग की बैठक में सभी सहभागियों ने एक स्वर में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था को 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने

राज्यों से आहवान किया है कि इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी राज्य अपना-अपना योगदान दें। जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीब, किसान (अन्नदाता), महिला और युवाओं को लाभ दिया जाए। मेड इन इंडिया (स्वदेशी) को बढ़ावा देते हुए स्वास्थ्य से लेकर सभी क्षेत्रों में योजनाएं तैयार की जाएं।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आया है। भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है। जब प्रधानमंत्री ने शपथ ली थी तो भारत 11वें स्थान पर था। संभव है कि प्रधानमंत्री मोदी के इसी कार्यकाल में भारत अर्थव्यवस्था के मामले में तीसरे स्थान पर पहुंच जाए। बैठक में शामिल हुए सभी प्रतिभागियों ने वर्ष 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था को पहले-दूसरे स्थान पर ले जाने के संबंध में विचारों का आदान प्रदान किया।

भोपाल में होगा 21वां वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन-2028, भारत में पहली बार होगा आयोजन

एजेंसी

भोपाल। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज़ सोसायटीज़ द्वारा 21वां वर्ल्ड रोज़ कंवेन्शन 2028 में भोपाल में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में दुनियाभर के 700 से अधिक अंतराष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। भारत में यह आयोजन पहली बार होगा। अपनी झीलों और उद्यानों की सुरम्य पृष्ठभूमि के साथ भोपाल थीमैटिक गार्डन, तकनीकी सत्रों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और राज्य भर में पर्यटन अनुभवों के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करेगा। जापान के फुकुयामा शहर में आयोजित हुए 20वें वर्ल्ड रोज़ कन्वेंशन में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई, जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) ने किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मप्र पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव तथा मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक शिव शेखर शुक्ला ने किया। समारोह में वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज़ सोसायटीज़ के नए अध्यक्ष सुशील प्रकाश बनाए गए। वे पहले भारतीय हैं, जो डब्ल्यूएफआरएस के अध्यक्ष के रूप में चुने गए हैं। इस अवसर पर जापान के फुकुओका शहर में इंडियन कौंसल जनरल रामकुमार के साथ एमपीटीबी के डिप्टी डायरेक्टर विवेक जूड, ट्रेवल इंडिया टूर्स के महेंद्र प्रताप सिंह और मध्य प्रदेश रोज़ सोसायटी के 14 सदस्य उपस्थित थे। कंवेन्शन के समापन समारोह में

प्रमुख सचिव शुक्ला को डब्ल्यूएफआरसी द्वारा आतिथ्य का अधिकार प्रदान करते हुए सम्मान पूर्वक ध्वज सौंपा गया। समारोह में ऑस्ट्रेलिया, जापान, फिनलैंड, यूनाइटेड किंगडम, यूरोप, दक्षिण कोरिया और कई अन्य देशों के 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल रोज़ सोसायटी के मुख्य संरक्षक हैं।

कर्नाटक में कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर राज्य सरकार ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी

बेंगलुरू। कर्नाटक सरकार ने कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुये एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने नागरिकों से जरूरी एहतिआत बरतने को कहा है। गर्भवती महिलाओं, बच्चों, गंभीर बीमारी और कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों को भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष रूप से फेस मास्क पहनने की सलाह दी गई है। लोगों को हाथों की स्वच्छता बनाए रखने और नियमित रूप से हैंड सैनिटाइज़र के उपयोग की सलाह दी गयी है प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा है कि इस साल कर्नाटक में कोविड-19 के अब तक 35 मामले देखे गये हैं, जिनमें से 32 बेंगलुरु से हैं। जबकि 3 मामले अन्य जिलों के हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 20 दिनों में कोरोना में वृद्धि देखी गई है, हालांकि अब तक कोई गंभीर स्थिति सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से तैयार है और इसे लेकर लगातार केंद्र के संपर्क में हैं।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में सपना और रानी नाम से रह रही दो बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

एजेंसी

दुर्ग/रायपुर। विशेष पुलिस बल (एसटीएफ) की टीम ने दुर्ग के जयंती नगर से दो बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन महिलाओं के विरुद्ध विदेशी नागरिक विषयक अधिनियम 1986 एवं भारतीय पासपोर्ट अधि. 1967 एवं पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधि. 1920 के तहत कार्रवाई की है। इसके पहले पुलिस ने गत दिनों भिलाई में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इन घुसपैठियों द्वारा अपनी पहचान छुपाने के लिए फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज बनवाया गया है। दुर्ग पुलिस के अनुसार, विशेष पुलिस बल (एसटीएफ) की टीम को 24 मई 2025 को सूचना मिली कि, जयंती नगर दुर्ग में दो संदिग्ध बांग्लादेशी महिला अपना मूल पहचान छिपाते हुए, सपना शर्मा एवं रानी पासवान के नाम से रह रही हैं। पूछताछ के लिए पहुंची विशेष पुलिस बल (एसटीएफ) की टीम ने दोनों महिलाओं के कब्जे से प्राप्त दस्तावेज एवं मोबाइल डाटा की विस्तृत जांच की। जांच पर पाया गया कि सपना शर्मा उर्फ सपना मंडल का वास्तविक नाम सनाया नूर है जो मूलतः जोरहाट जिला दीनाजपुर बाग्लादेश की रहने वाली है। लगभग 15 वर्ष पूर्व भारत बांग्लादेश सीमा को अवैध रूप से पार कर बिना वैध दस्तावेज के विगत आठ वर्षों से चंगोराभाठा रायपुर में रह रही है।सनाया नूर ने अपनी मूल पहचान को छिपाते हुए स्वयं को भारतीय नागारिक सिद्ध करने के लिए वर्ष 2019 में कूटरचना कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर अभय शर्मा नाम के व्यक्ति को अपना पति बताकर फर्जी आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं मतदाता परिचय पत्र तैयार की है। इसी प्रकार बांग्लादेशी महिला रानी पासवान उर्फ खुशबू से पूछताछ पर उसका नाम खुशबू बेगम पिता जेर मोहम्मद निवासी जोबरहाट जिला दिनाजपुर बांग्लादेश का मूल निवासी होना पाया गया।

साथ ही उसके द्वारा लगभग 15 वर्ष पूर्व अवैध रूप से बिना वैध दस्तावेज के बांग्लादेश से भारत में प्रवेश कर रहना पाया गया। इस दौरान उसके द्वारा उत्तरी दीनाजपुर पश्चिम बंगाल एवं आसनसोल जिला वर्धमान, पश्चिम बंगाल में अलग-अलग जन्म तिथि एवं स्वयं को मूल निवासी होना बताते हुए फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेजो के आधार पर आधार कार्ड तैयार किया जाना पाया गया।

पेसलपाड़ एवं तुमरेल मुठभेड़ में मारे गए दो नक्सली पांच-पांच लाख के इनामी एसीएम कैडर के थे

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिला के थाना किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों के उपस्थिति की सूचना पर सुकमा डीआरजी, एसटीएफ, सीआरपीएफ कोबरा का संयुक्त बल नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए थे। अभियान के दौरान 22 मई को शाम 6 बजे से पेसलपाड़ के जंगल में नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड में एक पुरूष वर्दीधारी हार्डकोर नक्सली का शव हथियार सहित बरामद हुआ द्य सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि पेसलपाड़ मुठभेड़ के बाद जवानों की शनिवार को मारे गये नक्सली के शव के साथ सुरक्षित कैंप वापसी हुई। पेसलपाड़ मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की पहचान पांच लाख के इनामी एरिया कमेटी मेंबर माड़वी माडा के रूप में हुई है, जो नक्सलियों के साउथ सब ज़ोनल ब्यूरो की डिप्टी कमांडर थाद्य मारे गये नक्सली के शव के साथ पेसलपाड़ मुठभेड़ स्थल से एक 9 एमएम ऑटोमेटिक सर्विस पिस्टल, एक बीजीएल लॉन्चर,

नौ बीजीएल सेल, 11 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, आठ 303 का जिंदा कारतूस, दो पिस्टल का जिंदा कारतूस, एक वायरलैस सेट सहित चार्जर एवं अन्य सामग्री बरामद किया गया है। एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि तुमरेल मुठभेड़ में मारे गए नक्सली की पहचान पांच लाख के इनामी साउथ बस्तर डिवीजन कमेटी के एरिया कमेटी मेंबर संदेश उर्फ सन्नू के रूप में हुई है। तुमरेल मुठभेड़ स्थल में सर्च कार्रवाई के दौरान 12 बोर बंदूक-जिंदा राउण्ड, एसएलआर के मेग्जीन-जिंदा राउण्ड-खाली खोखे, हेंड ग्रेनेड, रेडियो सेट विस्फोटक, नक्सली वर्दी, बैनर, पाम्पलेट, नक्सली साहित्य एवं अन्य नक्सल सामग्री बरामद किया गया। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि 21 मई को अबूझमाड़ के जंगलों में हुई ऐतिहासिक एंटी-नक्सल कार्रवाई में नक्सलियों के शीर्ष कमांडर बसवा राजू उर्फ बीआर दादा का अंत हुआद्य उस मुठभेड़ के बाद नक्सली संगठन ताश के पत्तों की तरह बिखरने लगा है। अनेक नक्सली कैडर अपने छिपने के ठिकानों से भागकर आत्मसमर्पण के लिए आगे आ रहे हैं।

राजस्थान में 48 घंटे में मिले सात कोरोना के नए मरीज

एजेंसी

जयपुर। एक बार फिर कोरोना वायरस के मामले सामने आने लगे हैं। राजस्थान में पिछले 48 घंटों के भीतर सात नए कोरोना केस सामने आए हैं। इनमें से चार मरीज जोधपुर के एम्स अस्पताल में और तीन जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज में मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग इन मामलों को लेकर सतर्क हो गया है और वायरस के प्रकार की पहचान के लिए जीनोम सिक्वेंसिंग करवाई जा रही है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने तीनों संक्रमित मरीजों की जीनोम सिक्वेंसिंग करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि यह पता चल सके कि वे किस वैरिएंट से संक्रमित हुए हैं। वर्तमान में कोविड का नया सब-वैरिएंट जेएन.1 फैल रहा है, जिसने कई एशियाई देशों में संक्रमण के मामलों में तेजी ला दी है। जोधपुर एम्स में मिले चार मरीजों में तीन बच्चे शामिल हैं, जिनकी उम्र पांच महीने, 11 साल और 12 साल है। इसके अलावा एक 38 वर्षीय युवक भी संक्रमित मिला है। बच्चों में

कोरोना संक्रमण के मामले सामने आना चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल किसी की हालत गंभीर नहीं बताई गई है। जयपुर में मीडिया से बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि फिलहाल कोई पैनिक की स्थिति नहीं है। केंद्र सरकार या स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से अभी तक कोई अलर्ट या एडवाइजरी जारी नहीं की गई है, जिससे यह साबित हो कि यह वैरिएंट घातक है। स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि हाल ही में नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) की बैठक हुई थी। विशेषज्ञों ने बताया कि जेएन.1, ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट्स में से एक है और इससे घबराने की जरूरत नहीं है। यह वायरस गंभीर बीमारियों या मौत का कारण नहीं बनता और रूटीन दवाओं से इलाज संभव है।जेएन.1 वैरिएंट को पहली बार अगस्त 2023 में देखा गया था। दिसंबर 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट घोषित किया। इसमें लगभग 30 म्यूटेशन हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी को कमजोर कर सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह वैरिएंट पहले की तुलना में ज्यादा तेजी से फैलता जरूर है, लेकिन इसके लक्षण गंभीर नहीं होते। इस वैरिएंट के लक्षण कुछ दिनों से लेकर कई हफ्तों तक रह सकते हैं। अगर किसी को लंबे समय तक खांसी, थकान, सांस लेने में दिक्कत या सिरदर्द जैसे लक्षण बने रहते हैं तो यह ÷लॉन्ग कोविड÷ हो सकता है। ऐसे मामलों में डॉक्टर से संपर्क कर जरूरी इलाज लेना चाहिए। भीलवाड़ा जैसे जिलों में अब तक कोई नया मामला सामने नहीं आया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीमें सजग हैं।

पहले भी कोरोना की लहरों के दौरान यहां कड़े प्रबंध किए गए थे। सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन से अपील की जा रही है कि घबराएं नहीं, लेकिन सतर्क जरूर रहें। मास्क का उपयोग, हाथ धोना और भीड़भाड़ से बचना जैसी सावधानियां अभी भी प्रभावी उपाय हैं। अगर किसी को सर्दी-खांसी या बुखार जैसे लक्षण महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

आतंकवादियों को नहीं पढ़ाई जाएगी जनाजा नमाज, भारत में दफनाया भी नहीं जाएगा : डॉ इलियासी

एजेंसी

ग्वालियर। ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन (एआईआईओ) के चीफ इमाम डॉ उमर अहमद इलियासी ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ फतवा जारी करते हुए कहा है कि आतंकवादियों को जनाजा की नमाज नहीं पढ़ाई जाएगी और न ही उन्हें भारत की धरती पर दफनाया जाएगा।एआईआईओ के चीफ इमाम डॉ इलियासी ग्वालियर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सटीक और कड़ा जवाब दिया है। यह देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत ने कई आतंकवादी अड्डे खत्म कर दिए हैं और अब बाकी बचे अड्डों को भी खत्म करने का समय आ गया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इसे जल्द से जल्द भारत में वापस शामिल किया जाना चाहिए। ग्वालियर पहुंचे डॉ इलियासी ने यहां किला गेट स्थित शाही जामा मस्जिद में जुम्मे की नमाज अदा की। इस मौके पर उन्होंने मुस्लिम धर्म के युवा और बुजुर्गों को संबोधित करते हुए आतंक और आतंकवादियों से जुड़े फतवे का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगर कोई आतंकवादी भारत में मारा जाता है तो उसकी जनाजे की नमाज नहीं पढ़ाई जाएगी।

अंतरार्ष्ट्रीय स्तर पर छाया गाजियाबाद नगर निगम, पेरिस में मिला ग्लोबल वाटर अवार्ड

एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा भूगर्भ जल संचयन तथा शोधित जल के सदुपयोग के लिए चल रहे कार्यों के क्रम में भारत का पहला ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड प्रोजेक्ट सफल हो रहा है। वसुंधरा क्षेत्र में बन रहे 40 एमएलडी के टर्शरी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र को शोधित जल आपूर्ति का कार्य तेजी से चल रहा है। जिसकी प्रशंसा अंतर्राष्ट्रीय स्थल पर हुई है। पेरिस में आयोजित कार्यक्रम में ग्लोबल वाटर अवार्ड गाजियाबाद को मिला है। जल उपचार और प्रबंधन क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी वीए टेक वाबाग लिमिटेड ने

इस अवार्ड को प्राप्त किया। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा भूगर्भ जल संरक्षण के क्रम में ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड प्रोजेक्ट के द्वारा साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र की जलापूर्ति का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है । जिस प्रकार साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र शोधित जल का उपयोग करते हुए भूगर्भ जल का संरक्षण करेगी। ठी उसी प्रकार अन्य औद्योगिक क्षेत्र जैसे कि मोहन नगर व राजेंद्र नगर औद्योगिक क्षेत्र में भी शोधित जल आपूर्ति का कार्य करने की योजना है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने ग्लोबल वाटर अवार्ड मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते उनको यह अवार्ड भेंट किया । साथ ही गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जल संचयन तथा शोधित जल के उपयोग किये जा रहे कार्यों के अवगत कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी गाजियाबाद नगर निगम के कार्यों की प्रशंसा की है। साथ ही शहर हित में भूगर्भ जल संरक्षण के लिए चल रहे कार्यों को भी सराहा। मुख्यमंत्री ने नगर आयुक्त से कहा कि साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र की भांति अन्य औद्योगिक क्षेत्र को भी शोधित जल उपलब्ध कराया जाए तथा भूगर्भ जल संरक्षण की कवायद को बढ़ाया जा सके। नगर आयुक्त ने बताया कि योजनाओं के क्रम में गाजियाबाद नगर निगम शहर हित में ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड प्रोजेक्ट को पूर्ण करने की स्थिति में है, जिसके क्रम में 40 एमएलडी का टीएसटीपी प्लांट तैयार हो चुका है।

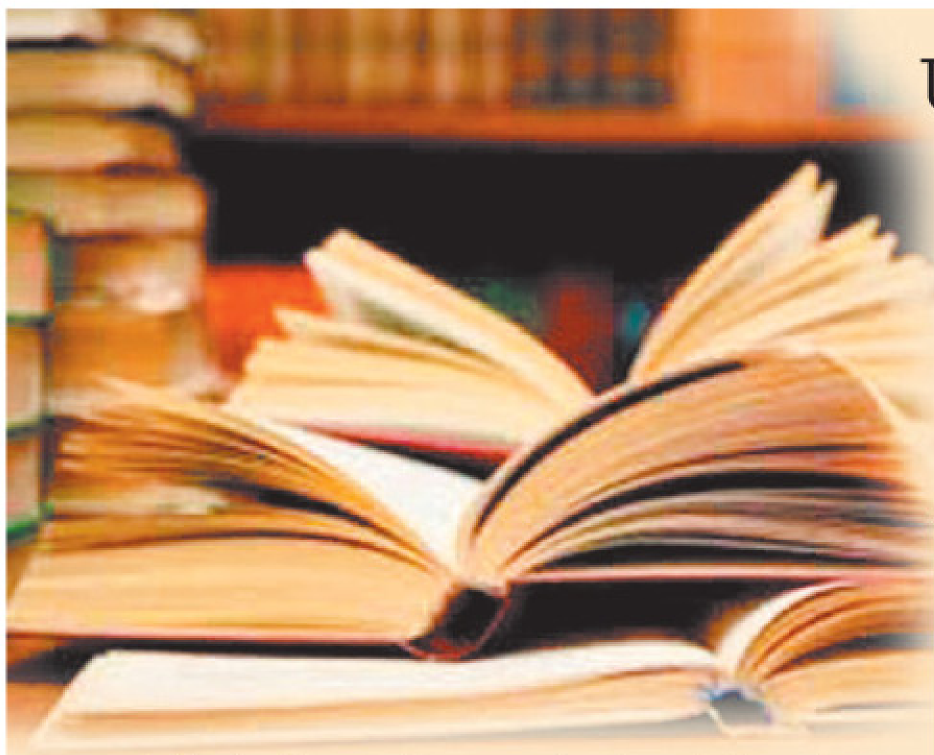

परीक्षा में सफलता पाने का मूल मंत्र

यदि तुम इस बार क्लास में फर्स्ट रैंक पर नहीं आई, तो याद रखना कि तुम्हारे सारे गिफ्ट्स कैंसल..., गोवा का ट्रिप तो कैंसल ही समझना यदि तुमने टॉप नहीं किया..., देखो बेटा कम नंबर लाकर हमारी नाक मत कटवा देना, यदि 90 प्रतिशत नहीं आए तो मनपसंद कालेज में एडमिशन नहीं मिलेगा..., ये सब एग्जाम से पहले हर पेरैंट्स को कहते हुए सुना जा सकता है, जो बच्चों में एग्जाम की टैंशन दोगुना कर देते हैं।

वास्तव में परीक्षा की घड़ी ऐसा समय होता है, जब बच्चे हों या बड़े हर कोई घबरा जाता है। छोटे बच्चों के लिए परीक्षा किसी हौव्वे से कम नहीं होती। एक ओर पेरैंट्स की उनसे अपेक्षाएं और दूसरी ओर उनका चंचल मन, दोनों उनके लिए दुविधा का कारण बन जाते हैं। परीक्षा में जहां तनाव के कारण बच्चों का पढ़ाई में मन नहीं लगता, वहीं दूसरी ओर बच्चों के लिए परीक्षा में अच्छे अंक लाना भी मजबूरी बन जाती है।

सफलता का मूल मंत्र

1. सबसे पहले पढ़ाई करने के लिए एक टाइम टेबल बनाएं और उसी के अनुसार अपनी पढ़ाई करें।
2. पढ़ाई करते वक्त एकाग्रता होनी बहुत जरूरी होती है। इसके लिए सुबह जल्दी उठ कर ध्यान करें, जिससे आपकी एकाग्रता बनी रहे।
3. हर रोज कोई टैस्ट पेपर बना कर एक निर्धारित समय सीमा में उसको हल करने का प्रयास करें। उसके बाद अपनी उत्तर पुस्तिका को जांच कर अपना मूल्यांकन स्वयं करें।
4. लगातार घंटों बैठ कर पढ़ाई करने से बेहतर है कुछ समय एकाग्रचित्त होकर पढ़ाई की जाए।
5. पढ़ाई के बीच-बीच में दो-तीन घंटे बाद एक ब्रेक अवश्य लें।
6. देर रात तक पढने की अपेक्षा सुबह जल्दी उठ कर पढ़ाई करें।
7. आप चाहें तो अपने दोस्तों के साथ बैठ कर भी पढ़ाई कर सकते हैं।
8. पढ़ाई के दौरान और परीक्षा के लिए जाते समय कभी भी ऐसे नकारात्मक विचार मन में न आने दें कि जो पेपर में आएगा वह हल कर पाऊंगा या नहीं।
9. पूरे आत्मविश्वास के साथ पेपर देने जाएं। इससे पेपर हल करने में काफी मदद मिलेगी।
10. हमेशा यह सोचें कि मेहनत करके आप भी अव्वल आ सकते हैं।
11. परीक्षा में सबसे पहले पूरा प्रश्नपत्र पढ़ें और उसके बाद ही उसे हल करें। हड़बड़ी में प्रश्नपत्र हल करने की भूल न करें।
12. जिस प्रश्न को हल कर रहे हैं, उस पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित रखें। इस दौरान अन्य प्रश्नों के बारे में विचार न करें, परंतु समय का ध्यान जरूर रखें।

न बनाएं दबाव

अपने बच्चे की क्षमता, रुचियों, इच्छा और क्लास में उसकी पोजीशन जानने की पेरैंट्स की कोई इच्छा नहीं रहती तथा बच्चे पर हर संभव तरीके से दबाव डाला जाता है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चा बीमार भी हो सकता है तथा फेल होने पर घातक कदम तक उठा लेता है। अतः बच्चे को बिना किसी दबाव के इम्तिहान देने देना ही उसे तनाव मुक्त बनाता है।

उस पर कभी ज्यादा अंक लाने या किसी अन्य बच्चे जैसा बनने का दबाव न डालें। हर बच्चा अपने आप में विलक्षण होता है, बस उसे पहचानने की कोशिश करें। उसे आपके विवेकपूर्ण मार्गदर्शन की आवश्यकता है, इसलिए उसकी असफलताओं पर उसे धिक्कारें नहीं, बल्कि विषम परिस्थितियों में उसे संभले रहने की शिक्षा दें।

प्रेरित करें

हर बच्चे की बुद्धि, योग्यता और दक्षता भिन्न-भिन्न होती है, इसलिए तुलना विपरीत परिणाम सामने ला सकती है। किसी बच्चे पर अधिक अंक लाने के दबाव का परिणाम अक्सर उल्टा होता है। अपने बच्चे को परीक्षा के लिए अधिक से अधिक तैयारी करने के लिए प्रेरित करना तो अच्छी बात है, परंतु उसके लिए लक्ष्य निर्धारित कर प्राप्त करने का दबाव बनाना गलत है।

इससे वह प्रेरित होने की अपेक्षा कुंठित ज्यादा होता है। यदि बच्चा पेरैंट्स की इच्छानुसार परिणाम नहीं ला पाता तो उसे प्रताड़ित न करें। इस बात का विश्वास रखें कि हर बच्चा अपने पेरैंट्स की अपेक्षाओं पर हमेशा खरा उतरने का प्रयास करता है।

बच्चे का संबल बनें

जब वह ऐसा नहीं कर पाता तो वह खुद ही बहुत निराशा, हताशा और आत्मग्लानि महसूस करता है। इस नाजुक समय में बच्चे को पेरैंट्स से संबल की जरूरत होती है। ऐसी स्थिति में बच्चे को अपमानित करने से बचें, क्योंकि यह वह संवेदनशील स्थिति होती है कि बच्चा आत्महत्या जैसे घातक कदम तक उठा सकता है।

बदलें दृष्टिकोण

यदि आशानुरूप परिणाम नहीं आए, तो उसे धीरज बंधाएं और समझाएं कि कोई एक परीक्षा उनके लिए उससे महत्वपूर्ण नहीं है। अभी जीवन बहुत बड़ा है और उसे खुद को सिद्ध करने के अनेक मौके मिलेंगे। अभिभावकों का यह दृष्टिकोण बच्चे को अच्छा प्रदर्शन करने को प्रेरित करेगा।

रखें ध्यान

1. हर बच्चा किसी विशेष प्रतिभा के साथ पैदा होता है। इस बात को समझें व बच्चे को भी समझाएं।
2. अपने बच्चे को कामयाब नहीं, काबिल बनने के लिए पढ़ने को कहें।
3. उसे अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का साधन मत समझें।
4. उसकी रुचियों और आदतों को समझते हुए उसे समझने का प्रयास करें तथा उसी के अनुरूप करियर चयन में उसका साथ दें।
5. किसी बात को उस पर थोपें नहीं, बल्कि उसे सिर्फ सुझाव दें।

असफलता के बीच से निकलती है सफलता

किसी ने सच कहा है कि असफलता के बीच से ही सफलता का रास्ता निकलता है। यह अलग बात है कि हम असफलता के बाद ही इतना परेशान हो जाते हैं कि अगली बार कुछ भी पाने की कोशिश नहीं करते हैं। जिसके कारण हमारी सफलता का दौर शुरू होने से पहले ही बाधित हो जाता है। खास बात तो यह है कि इसी भीड़ से कुछ लोग अपने आपको हतोत्साहित नहीं करते बल्कि असफलता के बीच से ही सफलता के नए-नए आयाम ढूंढ लेते हैं। जो इस आयाम के सहार लेकर कुछ नया करने का प्रयास करते रहते हैं वे निसंदेह एक दिन कुछ खास कर जाते हैं जिसके कारण उनकी पहचान देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी नही, इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में सदा के लिए लिख दिए जाते हैं। हम यहां आगे बढ़ने से पहले बल्ब के आविष्कारक थामस एडिसन की एक छोटी सी घटना पर प्रकाश डालना चाहूंगा। गौर करने की बात तो यह है कि एक बार जब थामस ने बल्ब का आविष्कार किया तो लोंगों ने उनसे प्रश्न किया कि-आप का प्रयोग करीब दो हजार बार फेल होने के बाद आप को अब जाकर सफलता मिली है। इसके जवाब में एडिसन ने कहा कि आपकी सोच गलत है क्योंकि मैं मेरा प्रयोग दो हजार बार फेल नहीं हुआ, बल्कि बल्ब का आविष्कार का प्रयोग दो हजार प्रयोग के बाद पूरा हुआ। इस वाक्य से बहुत ही सकारात्मक सोच की अनुभूति होती है। अगर हमारे अंदर इस तरह की सोच होगी तो हमारे बीच से हजारों की संख्या में थामस एडिसन और न्यूटन जैसे सकारात्मक और सफल व्यक्तियों का आगाज होता रहेगा।

सफल होना हर किसी के जीवन का लक्ष्य होता है। सभी लोग सफल होना चाहते हैं और उसके लिए कोशिश भी करते हैं। जिसके लिए हम अपनी लाइफ का अच्छा खासा समय उसे सजाने में लगा देते हैं। यह अलग बात है कि हमारी सफलता का अनुपात कुछ समय ज्यादा तो कुछ समय कम होता है। कुछ लोगों को सफलता ज्यादा मिलती है तो कुछ लोगों को सफलता देर से मिलती है। इसके पीछे सभी के विचार भी अलग होते हैं। इसके लिए सबके विचार भी अलग-अलग होते हैं।

सफलता का मंत्र-

हमेशा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा तय करें। सबसे बड़ी बात तो यह है कि अगर हम सौ प्रतिशत सफलता का लक्ष्य बनाएंगे तो कुछ हद तक तो सफलता जरूर मिलेगी। अगर हमें पूरी सफलता नहीं मिलेगी तो भी हम कुछ हद तक तो सफलता पा ही जाएंगे। सफलता के लिए जरूरी है कि हमारे अंदर आत्मविश्वास के साथ आत्मज्ञान और संयम भी हो। हमेशा सकारात्मक सोच रखे और नकारात्मक सोच को दरकिनार कर दें। हमें हमेशा अपने लक्ष्य को याद रखना चाहिए। लक्ष्य के अनुसार ही काम करना चाहिए। जहां तक संभव हो अपने आपको भ्रांतियों से बचाकर ही रखें और अपने को समय के अनुसार ही ढालें। सफलता की सभी कहानियां उसके असफलता से ही निकलती हैं। आज में जीने वाला व्यक्ति सदा, खुशहाल भविष्य का भागीदारी होता है। यहां हमारा यह बिल्कुल भी नहीं कहना है कि आज को आप पूरी तरह ऐश में बीता दें, यानी बर्बाद कर दें तो आप का भविष्य उज्ज्वल है। यहां आज में जीने का तात्पर्य बहुत ही सामान्य है कि आप आज में जीए और भविष्य के लिए तैयारियां करें, उदाहरण के तौर पर अगर हम परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो हमें वर्तमान में जी कर यानी पूरी तरह से अटेंटिव होकर अपनी पढ़ाई करनी चाहिए। इस दौरान उसे न तो नौकरी के बारे में सोचना चाहिए और न ही उसे परीक्षा के परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। अगर वह स्टूडेंट, विभिन्न तरह के परिणामों यानी सवालों के घेरे में पड़ जाएगा तो वह वर्तमान दौर की जरुरत पढ़ाई नहीं कर पाएगा। फिर न तो परीक्षा का रिजल्ट आएगा और नही अच्छी नौकरी की उम्मीद की जा सकती है। हमें कभी भी शॉट कट फार्मूला नहीं अपनाना चाहिए। गौर करने की बात तो यह है कि शॉटकट हमेशा छोटा होता है और वह असफलता को आमंत्रित करता है। अगर गलती से सफलता मिल भी जाती है तो वह ज्यादा दिनों तक नहीं टिकती है क्योंकि वह भी शॉट कट से निकलती है तो वह भी शॉट होती है। हमे जिंदगी में फूल-प्रूफ प्लान बनाना चाहिए ताकि सफलता में कोई भी संदेह न रहे। सबसे अहम और जरूरी बात यह है कि हर किसी को अपने अंदर आत्मविश्वास और भरोसा जरूर रखना चाहिए। क्योंकि आत्मविश्वास होने पर बड़ी से बड़ी चुनौतियां बड़े ही आसानी से प्राप्त की जा सकती है। सफलता का एक अन्य जरूरी सूत्र है कि हम अपने आपको आत्मसंतुलित रखें यानी कि अपने को नियमों के अनुसार बांधकर चले। जिससे सफलता जरूर मिलती है। अपने आपको सदा इधर-उधर की बातों से दूर रखें जहां तक संभव हो जितना जरूरी हो वहीं तक लोगों से बात करे। लोगों को सदा इंटरटेन करने के बारे में न सोचे। अगर आपको लगे कि इसती संगति आपको परेशान यानी असफलता की तरफ ले जाती है तो आपको इसका छोडने में देरी नही करनी चाहिए। इसी संदर्भ में किसी जानकार का वक्तव्य हम व्यक्त करना चाहेंगे कि कुसंगति से अच्छा है कि हम बिना संगति के रहें।

गौर करने की बात तो यह है कि सफलता से सदा आत्मसंतुष्टि होती है जिसका स्वाद तो बस वही समझ सकता है कि जिसने सच्चे अर्थों में सफलता प्राप्त की हो यानी जिसने अपनी लगन और मेहनत से तैयारी की हो और उसे उसी अनुपात में सफलता मिली हो। सफलता के बाद हमें नेम, फेम के साथ एक सुकून मिलता है जो बड़ा ही आरामदायक और आनंददायक होता है। लेकिन इन सब के बावजूद व्यक्ति को कभी यह नहीं भूलना चाहिए कि उसकी शुरूआत कहा से हुई थी।

स्वयं को तरक्की की राह पर परखें

महाभारत का युद्ध कहीं बाहर नहीं, हमारे मन में ही चलता है। मन में अच्छे और बुरे विचारों की लड़ाई ही महाभारत है। यहां हमारा मन अर्जुन है और विवेक रूपी चेतना कृष्ण।

युद्ध के दौरान जब अर्जुन अपने सभी सगे-संबंधियों, गुरुओं आदि को सामने देखते हैं तो उनके मन में मोह पैदा हो जाता है। उन्हें लगता है कि ये सब तो मेरे अपने हैं, मैं इनको कैसे मार सकता हूं। इससे तो अच्छा है कि मैं युद्ध ही न करूं। ऐसी बातें सोच कर दुखी अर्जुन भगवान कृष्ण की शरण में बैठ गए।

तब भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। कहा, 'हे अर्जुन, जड़ मत बनो। यह तुम्हारे चरित्र के अनुरूप नहीं है। हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्यागकर युद्ध के लिए खड़े हो जाओ।'

कई बार व्यक्ति को किसी काम को करने से उसका दुर्बल मन डराता है। इस वजह से वह आगे नहीं बढ़ पाता मगर याद रखना चाहिए कि जीवन में तरक्की दुर्बलता से नहीं बल्कि मजबूत इरादों से मिलती है। दिनचर्या के हर काम को युद्ध की तरह समझना चाहिए और उसको उत्साह के साथ पूरा करना चाहिए। मन को कभी कमजोर नहीं पड़ने देना चाहिए। मन डराएगा लेकिन हमें डरना नहीं है। जीवन आगे बढ़ने के लिए है, डर कर या निराश होकर बैठ जाने के लिए नहीं।

कैसे प्रेरित करें व्यक्ति को उन्नति व प्रगति की तरफ

प्रशंसा के द्वारा मानव हृदय जितना अधिक आकर्षित और आंदोलित होता है, उतना और किसी प्रकार नहीं होता। प्रशंसा, झूठी चापलूसी और चाटुकारिता से सर्वथा भिन्न है। सभी चाहते हैं कि हमारे गुणों को दूसरे भी परखें,सम्मान करें। प्रशंसा-प्रोत्साहन द्वारा अनेक व्यक्तियों को ऊंचा उठाने, आगे बढ़ाने में सहायक बनने का सत्प्रयोजन पूरा किया जा सकता है। इसका जादू सभी पर प्रभाव डालता है।

हो सकता है कि कोई क्रियाशील व्यक्ति आपकी प्रशंसा-प्रोत्साहन पाकर आभावों-प्रतिकूलताओं के बीच भी आगे बढ़ने का साहस नए सिरे से जुटा ले और उन्नति के प्रकाशपूर्ण पथ पर चलता हुआ, एक दिन ऊंची चोटी पर जा पहुंचे। इस महान कर्म-साधना में आप भी अनायास ही पुण्य के भागीदार बन बैठेंगे।

अनेक ऐसे लोग जो व्यक्तिगत रूप से उन्नतिशील होते हैं और जिनमें योग्यता के अंकुर विद्यमान होते हैं, समीपस्थ लोगों की झिड़क, तिरस्कार, उपेक्षा के कारण दब जाते हैं। उनका मन मर जाता है और वे उसी को अपनी नियति मान बैठते हैं। उनके गुणों को परखकर प्रशंसा-प्रोत्साहन के दो शब्द उनके कानों में डालने की कंजूसी न की जाए, तो इन्हीं थोड़े शब्दों का रस ही उनके अन्त:करण को ऊंचे स्तर की तृप्ति देता है, जिससे उनकी सारी थकान मिट जाती है, स्फूर्ति और उमंग उमड़ पड़ती है।

उन्नति के अवरुद्ध स्रोत खुल जाते हैं, अविकसित सत्प्रवृत्तियां प्रस्फुटित हो जाती हैं, छिपी योग्यताएं जाग्रत हो जाती हैं और निराशा के अंधकार में उन्हें पुन: आशा का दीपक जगमगाता दृष्टिगोचर होने लगता है। प्रशंसा के उपरांत यह परामर्श भी दिया जा सकता है कि उसमें जो थोड़ा-बहुत दोष-दुर्गुण हैं उन्हें किस प्रकार छोड़ें, अधिक प्रतिभावान बनें। यदि आप दूसरों के मुरझाए हृदयों को सींचने का, कानों की राह आत्माओं को अमृत पिलाने का धर्म-कार्य करते हैं, तो परोपकारी मेघों जैसे श्रेय के भागी हैं।

पाटीदार और कमिंस पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

एजेंसी

लखनऊ। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार पर सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच में धीमी ओवर गति के लिये जुर्माना लगाया गया है। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम के मैच नंबर 65 के दौरान हैदराबाद के खिलाफ आरसीबी पर धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिये यह जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर समेत प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से छह लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर उनकी टीम की धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगाया गया है।यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, इसलिए कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

शानदार तरीके से अभियान का समापन करने उतरेंगी केकेआर और एसआरएच

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) यहां अरुण जेटली स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के अपने अंतिम ग्रुप स्टेज मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगी। दोनो ही टीमे प्लेऑफ के लिए दावेदार नहीं है, जिससे मैच नंबर 68 प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया है। हालांकि, दोनों फ्रेंचाइजी इस साल के टूर्नामेंट में विपरीत प्रदर्शन के बावजूद सकारात्मक प्रदर्शन के साथ अभियान को समाप्त करना चाहेंगी। सनराइजर्स हैदराबाद ने खराब शुरुआत के बावजूद अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत के साथ शानदार प्रदर्शन किया है। अपने पिछले मैच में, हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 42 रनों की शानदार जीत दर्ज की, जिसमें ईशान किशन की 48 गेंदों पर 94 रनों की तूफानी पारी शामिल थी। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के धमाकेदार फॉर्म ने टीम की वापसी में अहम भूमिका निभाई है, जिन्होंने 193 के स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 407 रन बनाए हैं। इस बीच, गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) इस सीजन में लय हासिल करने में विफल रही है और 13 मैचों में से पांच जीत के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। आरसीबी के खिलाफ उनका सबसे हालिया मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया, जिससे उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म हो गईं।

नागालैंड की महिलाओं ने रचा इतिहास

दीव । नागालैंड ने दीव में खेले गए खेलो इंडिया बीच गेम्स में सेपकटकरॉ महिलाओं की क्वाडरेगु टीम इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें पहली बार किसी खेलो इंडिया प्रतियोगिता के शीर्ष तीन में पहुंचा दिया। वहीं,दिल्ली ने मणिपुर को हराकर पुरुषों की क्वाडरेगु टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नागालैंड ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में अपना अभियान कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर समाप्त किया, जिसमें उन्होंने 5 स्वर्ण, 3 रजत और 5 कांस्य पदक जीते। नागालैंडके चार स्वर्ण पदक पेंचक सिलाट से आए हैं।पदक तालिका में मणिपुर और महाराष्ट्र पहले और दूसरे स्थान पर रहे। घोंघला बीच पर जैसे ही अंतिम सीटी बजी, वहां उत्सव और जश्न का माहौल छा गया।नागालैंड की महिला टीम ने घबराहट, कड़ी टक्कर और दबाव का सामना करते हुए हरियाणा को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर जीत दर्ज की। वहीं, दिल्ली की पुरुष टीम ने फाइनल में मणिपुर को सीधे सेटों में 2-0 से हराकर आसानी से खिताब जीता। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के फाइनल के दौरानबड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

नार्वे शतरंज : मैगनस कार्लसन और गुकेश के बीच टक्कर पर दुनिया की नजरे

ओस्लो ,नॉर्वे। यहाँ शुरू होने वाले नार्वे शतरंज के तेरहवें संस्करण में भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश और मेजबान देश के पाँच बार के विश्व चैंपियन मैगनस कार्लसन दोनों भाग लेने जा रहे है और शतरंज प्रेमियों के लिए यह पहला मौका होगा जब विश्व चैंपियन बनने के बाद गुकेश क्लासिकल शतरंज में कार्लसन का मुकाबला करेंगे । आज भी कार्लसन एक दशक से भी अधिक समय से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी है जबकि गुकेश दुनिया के फ़िलहाल नम्बर तीन खिलाड़ी है । इन दोनों के अलावा भारत के अर्जुन एरिगैसी , यूएसए के फैबियानो कारूआना और हिकारू नाकामुरा आवर चीन के वे यी भी इस प्रतियोगिता का हिस्सा होंगे , यह सभी खिलाड़ी दोहरे राउंड रॉबिन के आधार पर कुल दस राउंड खेलेंगे ,मतलब हर खिलाड़ी आपस में एक बार सफेद और एक बार काले मोहरो से मुकाबला खेलेंगे । कार्लसन नॉर्वे शतरंज का खिताब रिकॉर्ड छह बार जीत चुके है आवर अब देखना होगा की क्या गुकेश इस बार उन्हें यह खिताब हासिल करने से रोक पायेंगे । इस बार नॉर्वे शतरंज में पहली बार महिला वर्ग की प्रतियोगिता भी खेली जाएगी इसमें वर्तमान विश्व चैंपियन चीन की जू वेंजून , चीन की लेई टिंग्जे , भारत की कोनेरू हंपी और आर वैशाली , यूक्रेन की अन्ना मुझीचुक और स्पेन की सरासदात खड़ेमलसरीह भाग लेंगी ।

आईपीएल 2025 : रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया

एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 66वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ जहां दिल्ली ने आईपीएल के इस सीजन को अलविदा कहा, वहीं पंजाब को इस हार से उसके प्लेऑफ में शीर्ष स्थान पर काबिज होने के सपने को धक्का लगा है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पंजाब किंग्स को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पंजाब की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या 6 रन बनाकर आउट हुए। उसके बाद जोश इंगलिस और प्रभसिमरन के बीच दूसरे विकेट के लिए 47 रनों की साझेदारी हुई। इस पार्टनरशिप को विपरज निगम ने तोड़ा। उन्होंने इंगलिस (32) और प्रभसिमरन (28) दोनों को आउट किया। पंजाब

का मिडिल ऑर्डर एक बार फिर फ्लॉप रहा। कप्तान श्रेयस एक छोर पर डटे रहे और लगातार रन बनाते रहे, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला। अय्यर 34 गेंदों में 53 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में मार्कस स्टोइनिस ने 16 गेंदों में नाबाद 41 रनों की पारी खेलकर टीम के स्कोर को 206 तक पहुंचाया। दिल्ली की तरफ से मुस्तफिजुर रहमान ने सबसे अधिक 3 विकेट चटकाए। जबकि विपरज निगम और कुलदीप यादव को दो-दो सफलता मिली। एक विकेट मुकेश कुमार के खाते में गया। 207 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को कप्तान फाफ डुप्लेसिस और केएल राहुल ने सधी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी हुई। राहुल 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके तुरंत बाद डुप्लेसिस भी 23 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गए। जबकि आईपीएल में डेब्यू कर रहे सेदिकुल्लाह अटल 16 गेंदों में 2 छक्कों की मदद से 22 रन की पारी खेली। फिर समीर रिजवी ने करुण नायर के साथ मिलकर 62 रन जोड़े और टीम को जीत की दहलीज की ओर ले गए। हालांकि नायर अर्धशतक लगाने से चूक गए। उन्होंने 27 गेंदों में 44 रनों की पारी खेली। दिल्ली को आखिर के दो ओवर में 22 रन की जरूरत थी। 19वें ओवर में अर्शदीप सिंह को 18 रन जड़कर स्टब्स और रिजवी ने जीत को और आसान कर दिया।

खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025: मणिपुर चैंपियन, नगालैंड का ऐतिहासिक प्रदर्शन

एजेंसी

दीव। पहले खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में मणिपुर ने शानदार प्रदर्शन कर कुल पांच स्वर्ण और छह रजत पदकों के साथ चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। इस आयोजन ने न केवल नए खेल प्रतिभाओं को मंच दिया, बल्कि नगालैंड जैसे उभरते राज्यों को इतिहास रचने का अवसर भी दिया, जिसने पहली बार किसी खेलो इंडिया प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में मणिपुर, महाराष्ट्र, नगालैंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर ने पांच-पांच स्वर्ण पदक जीते, लेकिन रजत पदकों के आधार पर फाइनल रैंकिंग तय की गई। पहले स्थान पर मणिपुर की टीम रही, जिसने 5 स्वर्ण, 6 रजत पदक जीते। जबकि महाराष्ट्र ने 5 स्वर्ण और 5 रजत पदक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। तीसरे स्थान पर पांच स्वर्ण और तीन रजत के साथ नगालैंड रहा। तो चौथे स्थान पर संयुक्त रूप से हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर रहे। इनके खाते में 5 स्वर्ण और 1 रजत पदक रहा।

वहीं, मेजबान दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव (डीएनएचडीडी) ने 4 स्वर्ण के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। अहम बात यह रही कि कुल 46 स्वर्ण पदकों में से 28 पदक पेंचक सिलाट (एक इंडोनेशियाई मार्शल आर्ट) में ही दिए गए। मणिपुर के 5 में से 4 स्वर्ण, नगालैंड के सभी 4 स्वर्ण, जम्मू-कश्मीर और डीएनएचडीडी के सभी पदक इसी स्पर्धा में आए, जिससे इन राज्यों की स्थिति पदक तालिका में मजबूत हुई। प्रतियोगिता में खेले गए टीम खेलों के फाइनल में बीच वॉलीबॉल, बीच सॉकर और सेपक टकरा में रोमांच चरम पर रहा।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान, शुभमन गिल बने कप्तान

एजेंसी

मुम्बई। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया गया है। टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई है, जबकि ऋषभ पंत को उप-कप्तान बनाया गया है। कप्तान और उप-कप्तान के तौर पर दोनों युवा खिलाड़ियों पर टीम की बड़ी जिम्मेदारी होगी। टीम में करुण नायर की वापसी हुई है तो साई सुदर्शन को आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन करने का इनाम मिला है। इसके साथ ही तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी पहली बार शामिल किया गया है। वहीं शार्दुल ठाकुर भी टीम में वापसी कर रहे हैं, जो टीम की गेंदबाजी आक्रमण को और मजबूत करेंगे। हालांकि इस घोषणा में एक बड़ा झटका भी आया है, जब चयनकर्ताओं ने मोहम्मद शमी को मेडिकल टीम की रिपोर्ट के आधार पर फिट नहीं मानते हुए टीम से बाहर कर दिया। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने प्रेस कांफ्रेंस पुष्टि की कि चयन समिति शमी को टीम में शामिल करना चाहती थी, लेकिन मेडिकल विभाग की सलाह के बाद उन्होंने ऐसा नहीं किया। पूरे पांच मैच नहीं खेलेंगे बुमराह इस बीच, मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बारे में भी अहम जानकारी मिली है। अजित अगरकर ने कहा कि उन्हें

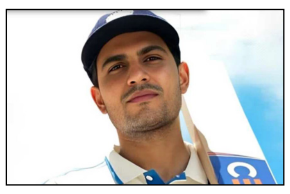

लगता है कि बुमराह पूरे पांच टेस्ट मैच नहीं पाएंगे। उनका खेलना चार या तीन मैचों तक सीमित रह सकता है, जो पूरी तरह से उनकी फिटनेस और प्रबंधन टीम की देखरेख पर निर्भर करेगा। कोहली के संन्यास पर बोले अगरकरस्टार खिलाड़ी विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के सवाल पर अजित अगरकर ने बताया कि अप्रैल महीने में कोहली ने उनसे संपर्क किया और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की इच्छा जताई। चयन समिति ने उनकी इस इच्छा का पूरा सम्मान किया और कोहली को अपनी मर्जी से निर्णय लेने की आज़ादी दी। शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर और उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश कुमार रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का पूरा शेड्यूल

पहला टेस्टः 20-24 जून - हेडिंग्ले, लीड्स

दूसरा टेस्टः 2-6 जुलाई - एजबेस्टन, बर्मिंघम

तीसरा टेस्टः 10-14 जुलाई - लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन

चौथा टेस्टः 23-27 जुलाई - ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर

पांचवां टेस्टः 31 जुलाई-4 अगस्त - केनिंग्टन ओवल, लंदन

करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टेस्ट टीम में वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर ने करीब आठ साल बाद एक बार फिर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए घोषित 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टेस्ट टीम की घोषणा की। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया है, वहीं ऋषभ पंत को उप कप्तान बनाया गया है। दौरे के लिए 18 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इसमें करुण नायर भी शामिल हैं। उनकी टेस्ट टीम में वापसी करीब आठ वर्ष बाद हुई है। करुण नायर ने भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला में खेला था। अब तक उन्होंने कुल 6 टेस्ट मैचों में 374 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 62.3 का रहा है। सबसे खास बात यह है कि नायर पूर्व दिग्गज वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।

घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन से हासिल की वापसी

2023-24 घरेलू सीजन में करुण नायर ने कर्नाटक छोड़कर विदर्भ की टीम से खेलना शुरू किया। पहले ही सीजन में उन्होंने 10 मैचों में 690 रन बनाए, जबकि 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन में नायर ने 9 मैचों में 863 रन बनाकर टीम को तीसरा रणजी खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। उनका औसत 54 का रहा। भारतीय टीम में चुने जाने से पहले नायर को इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ इंडिया ए टीम में भी जगह दी गई थी।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिपः उद्घाटन मुकाबले में इंडियन वॉरियर्स से भिड़ेंगे अफ्रीकन लायंस

एजेंसी

ग्रेटर नोएड। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्रेटर नोएडा में 27 मई से शुरू हो रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) का उद्घाटन मुकाबला इंडियन वॉरियर्स और अफ्रीकन लायंस के बीच 27 मई को शाम खेला जाएगा। इसके बाद 28 मई से प्रतिदिन डबल हेडर मुकाबले देखने को मिलेंगे। दिन का पहला मैच दोपहर 3:30 बजे से, जबकि दूसरा मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। लीग चरण 3 जून को समाप्त होगा, जिसके बाद सेमीफाइनल मुकाबले 4 जून को क्रमशः दोपहर 3:30 बजे और शाम 7:30 बजे से खेले जाएंगे। इसके बाद 5 जून को भव्य समापन समारोह के साथ ग्रैंड फिनाले मुकाबला खेला जाना तय है। आईएलसी के संस्थापक और निदेशक प्रदीप सांगवान ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा, यह सिर्फ लीग

नहीं बल्कि, 6 महाद्वीपों का समागम है, जो दर्शकों को रोमांच और पुरानी यादों का बेहतरीन मेल देने जा रहा है। शेड्यूल को इस तरह से तैयार किया गया है कि रोमांच बना रहे और दुनियाभर के दर्शक हर दिन स्क्रीन से जुड़े रहें। जहां पूर्व दक्षिण अफ्रीकी धाकड़ बल्लेबाज हर्शल गिब्स अफ्रीकन लायंस की कप्तानी करेंगे, तो वहीं एशियन किंग्स की अगुवाई सुरेश रैना के हाथों में है। एशिया की इस टीम में रैना के साथ पूर्व श्रीलंकाई दिग्गज तिलकरत्ने दिलशान और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान भी जलवा बिखेरते नजर आएंगे।छह महाद्वीपों की 6 टीमों के बीच खेली जा रही इस चैंपियनशिप का मजा दर्शक सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव ले सकेंगे। एमवीपी क्रेस्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित और 100 स्पोर्ट्स द्वारा प्रबंधित इस लीग का लेखा-जोखा जिस तरह से तैयार किया गया है, निश्चित तौर पर यह क्रिकेट के नए इतिहास की इबारत लिखने जा रहा है।

उत्तर गुवाहाटी में ताइक्कांडो चैंपियनशिप शुरू

एजेंसी

गुवाहाटी । उत्तर गुवाहाटी के बिहलंगनी बरनामघर खेल मैदान में तीन दिवसीय कार्यक्रम के रूप में 10वीं कामरूप जिला ताइक्कांडो चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में कामरूप जिले के विभिन्न क्षेत्रों से 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ विशिष्ट समाजसेवी हिरण्य बोरा और निरंजन बोरा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कामरूप जिला ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव प्रांजन बुढ़ागोहाईं ने की।प्रतियोगिता में आठ वर्ष से कम आयु वर्ग के सब-जूनियर, कैडेट, मीडियम, सब-गर्ल्स और सीनियर वर्गों में विभिन्न इवेंट आयोजित किए जाएंगे। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिगंत बोरा, पत्रकार कौशिक दास और मुकुटेश्वर गोस्वामी उपस्थित रहे। इनके साथ-साथ राज्य के कई अग्रणी खिलाड़ियों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के सहायक कोच नियुक्त हुए बिरेन्द्र लाकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व स्टार खिलाड़ी बिरेन्द्र लाकड़ा को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 35 वर्षीय अनुभवी डिफेंडर अब टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के साथ मिलकर युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देंगे। खिलाड़ी से कोच बनने की इस नई भूमिका में लाकड़ा का अनुभव टीम की डिफेंस संरचना और मैच टेम्परामेंट को मजबूत करने में सहायक होगा। यह नियुक्ति खास तौर पर एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप 2025 को ध्यान में रखते हुए की गई है, जो 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होगा। बिरेन्द्र लाकड़ा ने 2010 में भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया और जल्द ही देश के सबसे भरोसेमंद डिफेंडर्स में

शुमार हो गए। उन्होंने लंदन 2012 और टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपने शानदार करियर में उन्होंने एशियन गेम्स 2014 में गोल्ड, 2018 में ब्रॉन्ज, एशिया कप 2013 में सिल्वर, कॉमनवेल्थ गेम्स 2014 में सिल्वर, चैम्पियंस ट्रॉफी 2018 में सिल्वर जैसे कई महत्वपूर्ण पदक भारत को दिलाए। ओडिशा के रहने वाले लाकड़ा हाल ही में हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में टीम गोणासिका की ओर से खेले, जिससे उनकी फिटनेस और हॉकी के प्रति जुनून झलकता है। नई भूमिका को लेकर बिरेन्द्र लाकड़ा ने कहा, इस महत्वपूर्ण समय में भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मैंने भारत की जर्सी पहनने की कीमत को समझा है और अब मैं अगली पीढ़ी को इसके लिए तैयार करने के लिए उत्सुक हूं। श्रीजेश के साथ काम करना, जो मेरे साथी और प्रेरणा रहे हैं, एक रोमांचक चुनौती है। हम एक ऐसी टीम बनाना चाहते हैं जो निडर होकर खेल सके और देश को गर्व महसूस करा सके। टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने कहा, बिरेन्द्र का टीम से जुड़ना हमारे लिए बहुत बड़ा फायदा है। उनके पास जबरदस्त अनुभव, रणनीतिक समझ और शांत नेतृत्व है, जो इन युवा खिलाड़ियों के लिए बेहद मूल्यवान होगा।

वांग/सन ने टीटी विश्व चैंपियनशिप में लगातार तीसरा मिश्रित युगल खिताब जीता

दोहा। चीन के ओलंपिक चैंपियन वांग चुकिन और सुन यिंगशा ने विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में

जापानी टीम को 3-1 से हराकर अपना तीसरा मिश्रित युगल खिताब जीता। दूसरे वरीय जोड़ी ने 16वीं वरीय महारू योशिमुरा और सत्सुकी ओडो की जोड़ी को 39 मिनट में 11-7, 11-8, 7-11, 11-8 से हराकर जीत हासिल की। इससे पहले दिन में वांग और सुन क्रमशः पुरुष और महिला एकल फाइनल में पहुंचे।

मलेशिया मास्टर्सः किदांबी श्रीकांत ने तीन साल बाद किसी फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में हराकर यह सफलता हासिल की।

2021 वर्ल्ड चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता 32 वर्षीय श्रीकांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुराने अंदाज़ की झलक दिखाई। तेज़ नेट प्ले और आक्रामक शॉट्स के दम पर उन्होंने विश्व नंबर 23 तनाका को 21-18, 24-22 से हराया। यह श्रीकांत की छह साल में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर पहली फाइनल एंट्री है। इससे पहले वह 2019 इंडिया ओपन में उपविजेता रहे थे। श्रीकांत ने आखिरी बार 2017 में चार खिताब अपने नाम

किए थे। एक समय के विश्व नंबर 1 रह चुके श्रीकांत की मौजूदा रैंकिंग 65वीं है। बीते कुछ सालों में वह फॉर्म और फिटनेस के कारण संघर्ष करते रहे हैं, लेकिन इस प्रदर्शन से उन्होंने वापसी के संकेत दिए हैं।

उत्तर-पूर्व को मिलेगा खेलों का नया मंच, हर साल होंगे 'खेलो इंडिया नॉर्थईस्ट गेम्स' : डॉ मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों में छिपी खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच देने और उसे प्रोत्साहन देने के लिए भारत सरकार हर वर्ष खेलो इंडिया नॉर्थईस्ट गेम्स आयोजित करेगी। यह घोषणा केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 में की। यह आयोजन नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हुआ। डॉ मांडविया ने कहा, जिस तरह उत्तर-पूर्व भारत में परिवर्तन की लहर आई है, उसी तरह अब खेलों का एक नया युग भी इस क्षेत्र से शुरू हो रहा है। आज देश के कई शीर्ष खिलाड़ी उत्तर-पूर्व से आ रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं।

उत्तर-पूर्व राज्यों में हर साल होगा खेलो इंडिया नॉर्थईस्ट गेम्स

मंत्री ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में बारी-बारी से हर वर्ष खेलो इंडिया नॉर्थईस्ट गेम्स आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य न केवल प्रतिभा की पहचान और पोषण करना है, बल्कि परंपरागत खेलों को भी मंच प्रदान करना है। डॉ मांडविया ने बताया कि उत्तर-पूर्व में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए 2021 में 439 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी, जिसके तहत 64 परियोजनाएं शुरू की गईं, जिनमें सिंथेटिक टर्फ, मल्टीपर्पज हॉल, स्विमिंग पूल और छात्रावास शामिल हैं। आज इस क्षेत्र में 86 खेल परियोजनाएं सक्रिय रूप से उपयोग में हैं। सरकार राष्ट्रीय खेल भंडार प्रणाली (एनएसआरएस) पोर्टल पर एक विशाल प्रतिभा पहचान अभियान शुरू करने जा रही है। कोई भी नागरिक किसी खिलाड़ी के खेल प्रदर्शन का वीडियो अपलोड कर सकता है। यदि वह खिलाड़ी संभावनाशील पाया जाता है, तो भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की टीम मौके पर जाकर उसका मूल्यांकन करेगी और उसे खेलो

इंडिया केंद्र (केआईसी) या राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में शामिल किया जाएगा। वर्तमान में उत्तर-पूर्वी भारत में 250 से अधिक खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) हैं, जहां 8000 से अधिक खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त 8 राज्य स्तरीय उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) और गुवाहाटी, इटानगर और इम्फाल में 3 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) सक्रिय हैं, जहां 600 से अधिक खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

खेल मंत्री ने बताया कि खेलो इंडिया अस्मिता लीग के तहत 13,000 से अधिक उत्तर-पूर्व की लड़कियों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। यह दर्शाता है कि यह क्षेत्र अब खेल प्रतिभा का नया केंद्र बनता जा रहा है, जो भविष्य में राष्ट्रीय टीम को मजबूत बैकअप देगा। डॉ मांडविया ने कहा कि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 में ओलंपिक की मेजबानी का लक्ष्य लेकर चल रहा है। भारत की भौगोलिक विविधता (दक्षिण में मानसून, उत्तर में हिमपात और पश्चिम में गर्मी) इसे वर्ष भर अंतरराष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए आदर्श बनाती है। उन्होंने कहा, जैसे मेक इन इंडिया ने दुनिया को भारत में निर्माण की दिशा में आकर्षित किया, वैसे ही प्ले इन इंडिया भारत को वैश्विक खेल गंतव्य बना सकता है।

प्रभास को छोड़ अल्लू अर्जुन की फिल्म में सेट हो गईं

दीपिका पादुकोण

इतने करोड़ में डील हुई फाइनल!

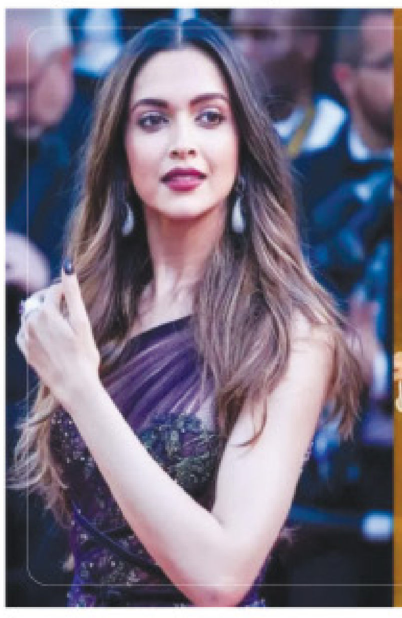

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म काफी चर्चा बटोर रहा है. एटली के साथ एक्टर बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं. इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जाह्नवी कपूर के शामिल होने की खबर है. प्रेग्नेंसी के बाद से एक्ट्रेस फिल्मी दुनिया में दोबारा कदम रखने के लिए तैयार हो चुकी हैं. हाल ही में आ रही खबर में ये सामने आ रहा है कि दीपिका ने इस फिल्म को ऑफिशियल साइन कर दिया है.दीपिका पादुकोण की जब से फिल्मों में वापसी की खबर सामने आई है, तभी से उनका नाम कई सारे प्रोजेक्ट से जोड़ा जा रहा है. फिलहाल एक्ट्रेस का नाम अल्लू अर्जुन की फिल्म के साथ जोड़ा जा रहा है, फेमस फिल्ममेकर एटली की डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म का टेंटेटिव टाइटल AA22&A6रखा गया है. बताया जा रहा है कि फिल्म में 3 एक्ट्रेस शामिल होंगी. खबरों में बताया जा रहा है कि कई महीनों से दीपिका और एटली की इस फिल्म को लेकर बातचीत हो रही थी.

कितनी ले रही हैं फीस ?

700 करोड़ के बजट में बन रही इस फिल्म में दीपिका की फीस को लेकर भी चर्चा बढ़ गई है. मिड-डे में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस इस फिल्म के लिए 40 करोड़ रुपए फीस के तौर पर ले रही हैं. अब लोग जल्द ही इस फिल्म का फील्ड पर उतरने का इंतजार कर रहे हैं. हालांकि, पहले वो शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी करेंगी. किंग साल 2026 में रिलीज हो सकती है. इस फिल्म से शाहरुख की बेटी सुहाना खान बड़े पर्दे पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं.

स्पिरिट में भी आया था नाम

हालांकि, शाहरुख और अल्लू अर्जुन की फिल्मों के साथ ही साथ एक्ट्रेस का नाम प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' में भी जोड़ा जा रहा था. लेकिन, बाद में खबर आई कि संदीप रेड्डी वांगा की डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म से दीपिका बाहर आ चुकी हैं. एटली के साथ दीपिका की ये दूसरी फिल्म होगी. इससे पहले दोनों ने 'जवान' में साथ काम किया था.हालांकि, फिल्मों में दीपिका की वापसी के लिए उनके फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं. एक्ट्रेस ने अपनी बेटी के लिए कुछ वक्त तक फिल्मों से दूरी बना ली थी.

15 साल की उम्र में खरीदा घर, अब ये है मोहब्बतें की इस एक्ट्रेस ने बोर्ड एक्जाम में कमाल कर दिया

फिल्म और टीवी की दुनिया में कई सारे ऐसे चाइल्ड आर्टिस्ट हैं जो काफी अच्छा काम कर रहे हैं और उनकी एक्टिंग की हर तरफ प्रशंसा भी देखने को मिल रही है. ऐसा ही किया है एक्ट्रेस रुहानिका धवन ने. उन्होंने पहले तो ये है मोहब्बतें में यंग रूही भल्ला का रोल प्ले कर के सभी को खूब एंटरटेन किया. लेकिन इसी के साथ एक्ट्रेस ने पढ़ाई में भी मन लगाया. उनके 12ह्द्ध का रिजल्ट आ गया है और एक्ट्रेस काफी अच्छे नंबर्स से पास हुई हैं. उन्होंने 12th के बोर्ड एग्जाम में 91 पर्सेंट हासिल किए हैं. इस बात से वे काफी खुश भी हैं.

किसी भी चाइल्ड एक्टर के लिए अपने काम के साथ पढ़ाई करना इतना आसान नहीं होता है. एक्ट्रेस ने ये भी बताया है कि अपने बिजी शेड्यूल के बीच कैसे उन्होंने वक्त निकालकर बोर्ड की तैयारी की और अच्छे नंबर लाने में भी सफल हुईं. एक्ट्रेस ने इंटरव्यू के दौरान कहा- मैं बोर्ड में 91 पर्सेंट नंबर लाकर काफी खुश महसूस कर रही हूं. मैंने वाकई में बहुत मेहनत की. मैंने 3 साल के लिए अपना एक्टिंग करियर ताक पर रख दिया था ताकि मैं पढ़ाई पर ध्यान लगा सकूं. अब मुझे लगता है कि मेरा ऐसा करना सफल हुआ. मेरे पैरेंट्स को भी मुझपर पूरा भरोसा था कि मैं अच्छे नंबर लाऊंगी और मैंने उन्हें सही साबित कर दिया. मेरी उम्र के दूसरे एक्टर्स प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं लेकिन मैंने पढ़ाई को चुना.

आगे क्या करेंगी रुहानिका ?

रुहानिका ने अपने आगे के प्लान्स के बारे में भी बातें कीं. उन्होंने बताया कि- मैं अब महाराष्ट्र के कई अच्छे कॉलेज के इंटरेंस एग्जाम की तैयारी कर रही हूं. अगर मेरे कॉलेज का शेड्यूल फ्लेक्सिबल होगा तो मैं एक बार फिर से अपने एक्टिंग करियर की ओर अपना फोकस कर पाऊंगी'. मतलब साफ है कि एक्ट्रेस अपनी पढ़ाई को कॉन्टिन्यू रखना चाहती हैं लेकिन वे एक्टिंग से भी पूरी तरह से तौबा नहीं करना चाहती हैं. वे फिलहाल 17 साल की हैं और अपने करियर को लेकर काफी आशावादी हैं.

15 की उम्र में खरीदा था घर

रुहानिका अभी भले ही 17 साल की हैं लेकिन इस उम्र में ही वे काफी सक्सेसफुल भी हो गई हैं. एक्ट्रेस ने 15 साल की नाजुक उम्र में अपना पहला घर भी खरीद लिया था. इस बात की खुशी जाहिर करते हुए एक्ट्रेस ने कहा- अपनी मेहनत के पैसे से घर बनाना मेरे लिए अनबिलीवेबल है.

जब बेस्टफ्रेंड के पति को शाहरुख खान ने जड़ दिया था थप्पड़, 150 करोड़ के नुकसान पर उड़ाया था मजाक

शाहरुख खान फिल्मी दुनिया का बड़ा नाम हैं, साथ ही साथ उनकी फैन फॉलोइंग भी दुनियाभर में काफी ज्यादा है. शाहरुख फिल्मी दुनिया के उन सितारों में से हैं, जिनको लेकर काफी कम नेगेटिव खबरें आती हैं. साथ ही इंडस्ट्री में लोगों के साथ भी एक्टर के काफी अच्छे कनेक्शन भी हैं. हालांकि, एक बार एक्टर उस वक्त चर्चा में बन गए थे, जिस वक्त उन्होंने अपनी बेस्टफ्रेंड के पति को एक भरी पार्टी में थप्पड़ जड़ दिया था.शाहरुख खान के रिश्ते कई लोगों के साथ अच्छे हैं, जिनमें से एक फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान हैं. फराह के साथ शाहरुख ने कई कमाल की फिल्में भी दी हैं, साथ ही दोनों का बॉन्ड आसानी से देखा जा सकता है, लेकिन एक वक्त ऐसा भी था, जब उन्होंने उनके पति शिरीष कुंदर को थप्पड़ जड़ दिया था. शिरीष कुंदर ने एडिटर के तौर पर इंडस्ट्री में अपना कदम रखा था. हालांकि, शाहरुख खान से उनका रिश्ता काफी वक्त से अच्छा नहीं रहा है.

फिल्म की थी ऑफर

दरअसल, दोनों के रिश्ते के बीच तकरार एक फिल्म की वजह से आई थी. शिरीष ने शाहरुख खान को एक फिल्म ऑफर की थी, लेकिन जब एक्टर ने उसकी स्क्रिप्ट पढ़ी, तो उन्हें ये खास पसंद नहीं आई. जिसके बाद शाहरुख ने शिरीष को स्क्रिप्ट में बदलाव करने के लिए कहा था. हालांकि, इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक, इस मामले में वक्त काफी ज्यादा आगे निकल गया और फिर उन्होंने फिल्म में शाहरुख की जगह अक्षय कुमार को कास्ट कर लिया, जिसके बाद उन्होंने तीस मार खां बनाया.

'रा वन' पर किया था कमेंट

वहीं बाद में शाहरुख खान फिल्म 'रा वन' में नजर आए थे, जिसकी रिलीज से पहले ही शिरीष ने इसे लेकर ट्वीट करना शुरू कर दिया था. शिरीष ने लिखा था कि 'रा वन' सब कुछ कर सकता है कि सिवाय फैंस को एंटरटेन करने के. इसके अलावा उन्होंने अपनी दूसरी पोस्ट में फिल्म के बजट पर बात करते हुए लिखा था कि 150 करोड़ के पटाखे के फुस्स. इन सबी नेगेटिव ट्वीट्स पर एक्टर ने कोई भी रिएक्शन नहीं दिया था.

पार्टी में जड़ा था थप्पड़

हालांकि, बाद में शिरीष और शाहरुख की मुलाकात संजय दत्त की फिल्म 'अग्निपथ' की सक्सेस पार्टी के दौरान हुई. बताया गया कि इस दौरान भी शिरीष ने 'रा वन' को लेकर कई सारे कमेंट किए, जिसके बाद शाहरुख ने गुस्से में आकर शिरीष को सभी के सामने थप्पड़ जड़ दिया था. हालांकि, इस मामले को लेकर फराह ने सभी चीजों को गलत ठहराया था, लेकिन शिरीष ने कहा था कि उन पर मुक्के भी बरसाए गए हैं. लेकिन, कुछ वक्त बाद उन्होंने अपने कमेंट के लिए एक्टर से माफी मांग ली थी.

पिता हीरा व्यापारी, भाई US में डॉक्टर...मैसूर सैंडल सोप की ब्रांड एंबेसडर बनीं

तमन्ना भाटिया को कितना जानते हैं आप?

कर्नाटक सरकार ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों की एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया को मैसूर सैंडल सोप का ब्रांड एंबेसडर बनाया है. तमन्ना 2 साल के लिए 6.2 करोड़ रुपये चार्ज कर रही हैं. हालांकि, उन्हें ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने पर बवाल भी मचा हुआ है. चलिए इस मामले के बीच आपको तमन्ना के बारे में कुछ ऐसी बातें बताते हैं, जो शायद ही आप जानते हों.तमन्ना का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ था. उनके पिता का नाम संतोष भाटिया है, जो एक हीरा व्यापारी हैं. उनकी मां का नाम रजनी भाटिया है. एक्ट्रेस ने अपनी पढ़ाई लिखाई मुंबई से की है. उन्होंने मानेकजी कूपर एजुकेशन ट्रस्ट से अपनी स्कूलिंग की. वहीं उन्होंने मुंबई के नेशनल कॉलेज से डिस्टेंस में आर्ट्स में बैचलर डिग्री ली है.

तमन्ना भाटिया की फिल्मी करियर

तमन्ना के एक बड़े भाई भी हैं, जिनका नाम आनंद भाटिया है. वो पेशे से एक डॉक्टर हैं और अमेरिका में रहते हैं. बहुत सारे लोगों को लगता है कि तमन्ना ने अपना फिल्मी करियर साउथ फिल्मों से शुरू किया था, लेकिन ऐसा नहीं है. उन्होंने साल 2005 में बॉलीवुड से ही डेब्यू किया था. उनकी पहली फिल्म 'चांद से रौशन चेहरा' थी. उसी साल उन्होंने 'श्री' नाम की फिल्म से तेलुगु सिनेमा में भी कदम रखा था और फिर 2006 में 'केड़ी' नाम की फिल्म से उन्होंने तमिल सिनेमा में डेब्यू किया था.

डेब्यू के बाद तमन्ना ने ढेरों फिल्मों में काम किया, लेकिन वो लोगों की नजरों में साल 2015 में रिलीज हुई प्रभास की फिल्म 'बाहुबली' से आईं. तमन्ना आज के समय में बॉलीवुड का एक बड़ा नाम बन चुकी हैं. साल 2024 में रिलीज हुई राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' में उन्होंने आइम नंबर किया था. 'आज की रात' गाने में लोगों ने उन्हें काफी पसंद किया था. उसके बाद से वो काफी ज्यादा सुर्खियों में रहने लगीं.

तमन्ना को ही क्यों बनाया ब्रांड एंबेसडर ?

बहरहाल, चलिए ये भी जान लेते हैं कि आखिर तमन्ना को ही क्यों ब्रांड एंबेसडर बनाया गया. रश्मिका मंदाना, कियारा आडवाणी, दीपिका पादुकोण, पूजा हेगड़े के होते हुए तमन्ना को ही ब्रांड एंबेसडर के तौर पर क्यों लिया गया. इस सवाल के जवाब में कर्नाटक सरकार में मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि रश्मिका ने कोई दूसरा प्रोजेक्ट साइन किया था. पूजा और कियारा को लेना भी पॉसिबल नहीं हुआ और दीपिका बजट में नहीं थीं.

इन सबके नामों पर विचार हुआ था, लेकिन जब मुमकिन नहीं हुआ तो तमन्ना को लिया गया. उन्होंने ये भी कहा कि तमन्ना के इंस्टाग्राम पर 2.8 करोड़ फॉलोअर्स हैं और वो इसके लिए सही हैं.